तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश - 12

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी - 12

असम में बोले अमित शाह देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे - 13

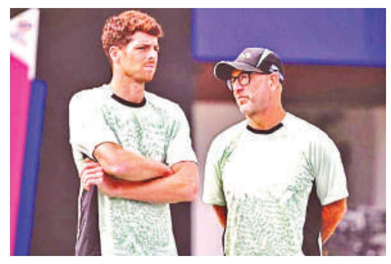

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों को काबू करना - 14

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
14.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.40
सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:01 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 21 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 182, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

सुप्रीम आदेश

बंगाल में एसआईआर की निगरानी करेंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच जारी गतिरोध को लेकर नाखुशी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में विवादों से घिरी मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का शुक्रवार को असाधारण निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर खेद जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या और न्यायमूर्ति विपुल एम की पीठ ने राज्य में एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने को निर्देश जारी किए।

पीठ ने तार्किक विसंगति सूची में शामिल तथा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे व्यक्तियों के दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का मेल न होना और मतदाता तथा उनके माता-पिता की आयु में 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक का अंतर होना शामिल है।

शिक्षामित्रों को 18 हजार, अनुदेशकों को 17 हजार मानदेय

- मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में की घोषणा, 1.70 लाख कर्मियों को राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी का ऐलान किया है। उन्होंने विधानसभा में घोषणा की कि अब शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। अभी तक शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को नौ हजार रुपये मिलते थे। इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.70 लाख शिक्षामित्र और अनुदेशक लाभान्वित होंगे। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में इन कर्मियों की भूमिका अहम है और सरकार उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मानदेय बढ़ोतरी के साथ ही ट्रांसफर नीति लागू करने व पांच लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की भी घोषणा की गई है। जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनेंगे। इसके लिए 580 करोड़ की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार व अनुदेशकों को 17 हजार देंगे।

नौ वर्षों में पहली बड़ी बढ़ोतरी

सूत्रों के अनुसार यह मानदेय वृद्धि एकमुश्त 8 हजार रुपये की है, जो नौ वर्षों में पहली बड़ी बढ़ोतरी है। शिक्षा कर्मियों का कहना है कि महंगाई के बीच यह फैसला आर्थिक संबल देगा।

शिक्षामित्रों का सफर

- 2001 : नियुक्ति के समय 1500 मानदेय
- 2005 : मानदेय बढ़कर 2400 रुपये

मायावती सरकार : 3000 रुपये मानदेय, दो वर्षीय बीटीसी कोर्स शुरू

- 2014 : अखिलेश सरकार में पूर्णकालिक सहायक अध्यापक बने, करीब 43 हजार रुपये वेतन
- 25 जुलाई 2017 : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर समायोजन रद्द, 3500 रुपये मानदेय पर वापसी
- 2017 : योगी सरकार ने मानदेय बढ़ाकर 10 हजार रुपये किया
- 2026 : अब बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह

फैसले के प्रमुख बिंदु

- 1.70 लाख शिक्षामित्र और अनुदेशक लाभान्वित
- शिक्षामित्रों को 18 हजार, अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह
- 2017 से अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय लागू
- सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश-सेवा समाप्त नहीं होगी
- ट्रांसफर नीति लागू की जाएगी
- 5 लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा

अनुदेशकों की कानूनी लड़ाई का अंत

अनुदेशकों के मानदेय को लेकर 2017 से कानूनी संघर्ष चल रहा था। वर्ष 2017 में मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय नौ प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया। राज्य सरकार की अपील पर डबल बेंच ने एक वर्ष के लिए भुगतान का निर्देश दिया। मामला आगे चलकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि लंबे समय से कार्यरत अनुदेशकों की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती। वर्ष 2017 से 17 हजार रुपये मानदेय लागू किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी अनुदेशकों की सेवाएं स्वत: समाप्त नहीं होंगी।

ब्रीफ न्यूज

एआई समिट में विरोध प्रदर्शन पर युवा कांग्रेस के 4 कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 'एआई इम्पैक्ट समिट' स्थल पर हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया और मामले में व्यापक साजिश के पहलू की जांच कर रही है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के राज्य सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के राज्य अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है। (संबंधित राष्ट्रीय पेज पर)

जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी ने तिहाड़ जेल में किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौर ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हाल में दिल्ली की एक अदालत ने घर खरीदारों से जुड़े धन शोधन मामले में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। अंतरिम जमानत प्राप्त करने वाले गौर ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया और अब वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली की कोर्ट ने 17 फरवरी को गौर की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि उनके खिलाफ लगे आरोपों में आपराधिक विश्वासघात के आरोप शामिल हैं।

जेई और उसकी पत्नी को 33 बच्चों के यौन शोषण में मौत की सजा

पोर्न साइट पर डालते थे वीडियो, बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

- सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में रही मौजूद

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार : नाबालिग बच्चों से यौन शोषण कर अश्लील वीडियो को पोर्न साइट में अपलोड करने के मामले में बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने चित्रकूट के सिंचाई विभाग के निलंबित जेई (अवर अभियंता) व उसकी पत्नी को फांसी की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में मौजूद रही।

मामला सन 2020 का है। सीबीआई को जानकारी मिली थी कि सिंचाई विभाग चित्रकूट में तैनात जेई रामभवन, चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे संगीन अपराध में लिप्त है। सीबीआई ने रामभवन को एसडीएम कालोनी स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया था। वहीं साक्ष्य संकलन के दौरान सीबीआई को रामभवन की पत्नी दुर्गावती की भी संलिप्तता मिली थी। इसके बाद दुर्गावती को भी गिरफ्तार किया गया और दोनों को बांदा जेल में निरुद्ध किया गया था। सीबीआई की पूछताछ में रामभवन ने बताया था कि वह पांच से 16 साल के बच्चों को अपना शिकार बनाता था। उन्हें जाल में फंसाने के लिए वह इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का लालच देता था। बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ऑनलाइन बेचा करता था, जिसके लिए उसे अच्छी खासी मोटी रकम मिलती थी। देश-विदेश के कई पोर्न गिरोहों के संपर्क में होने की बात भी उसने स्वीकारी थी। उसने यह भी बताया कि पीड़ित परिवारों को उनके बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था और इसके एवज में उनसे पैसे मांगता था। इससे भी उसने अच्छी खासी रकम मिलती थी।

पिछले पांच साल से अधिक की अवधि में मामले की कई बार सुनवाई हुई और साक्ष्य संकलित किए गए। शुक्रवार को दोषसिद्ध पाए जाने पर बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मिश्रा ने दोषी दंपती को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अधिवक्ता सौरभ सिंह ने बताया कि इस घिनौने मामले में लगभग 33 नाबालिग बच्चों के शोषण की बात सामने आई।

चित्रकूट : फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद जेई व उसकी पत्नी (कपड़े से मुंह ढके) पुलिस गिरफ्त में।

पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख देने के आदेश

कोर्ट ने सभी पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख रुपये देने का भी आदेश पारित किया। सजा में किए गए जुर्माने को भी बच्चों को देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल पीड़ित बच्चों के जीवन को बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। यदि ऐसे मामलों में सख्ती नहीं बरती गई तो यह समाज के लिए खतरनाक संदेश होगा। कोर्ट ने पीड़ित बच्चों के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक उपचार और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों को उचित मुआवजा, काउंसिलिंग और शिक्षा-संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का ट्रंप को झटका, रद्द किए टैरिफ

- उच्चतम न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से सुनाया फैसला, कहा- उन्हें टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप को झटका देते हुए उनके द्वारा कई देशों पर थोपे गए टैरिफ के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया। कोर्ट के इस फैसले से ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है। सुनाए गए इस फैसले का केंद्र बिंदु आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए गए शुल्क हैं, जिनमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक पारस्परिक शुल्क भी शामिल हैं।

कोर्ट ने पाया कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से कांग्रेस को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा, संविधान निर्माताओं ने कराधान की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका शाखा को नहीं सौंपा। न्यायमूर्ति सैमुअल एलिटो, न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस और न्यायमूर्ति ब्रेट कावानाघ ने असहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति कावानाघ ने लिखा, यहां जिन शुल्कों पर चर्चा हो रही है, वे नीति के लिहाज से उचित हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं। लेकिन लिखित प्रमाण, इतिहास और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, ये स्पष्ट रूप से वैध हैं। शुल्क संबंधी निर्णय से ट्रंप को अन्य कानूनों के तहत शुल्क लगाने से नहीं रोका जा सकता। हालांकि इन प्रावधानों से ट्रंप की कार्रवाइयों पर अधिक सीमाएं लग जाती हैं, फिर भी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि वे अन्य अधिकारों के तहत शुल्क ढांचे को यथावत रखने की उम्मीद करते हैं। राष्ट्रपति इस मामले में मुखर रहे हैं और इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक बताया है।

ट्रंप ने 2025 में कई देशों पर लगाए थे पारस्परिक शुल्क

ट्रंप ने अप्रैल 2025 में ज्यादातर देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाए, ताकि व्यापार घाटे को दूर किया जा सके, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था। ये कदम तब उठाए गए जब उन्होंने कनाडा, चीन और मैक्सिको पर शुल्क लगाए, जिसका मकसद मादक पदार्थों की तस्करी की आपात स्थिति से निपटना था। इसके बाद कई मुकदमे दायर किए गए। चुनौती देने वालों ने दलील दी कि आपातकालीन शक्तियों के कानून में शुल्क का उल्लेख तक नहीं है और ट्रंप द्वारा इसका उपयोग कई कानूनी समीक्षाओं में विफल रहता है, जिसमें एक ऐसी समीक्षा भी शामिल है।

मृतक के परिवार को मुआवजा देने को गाइडलाइंस बनाए सरकार: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कस्टोडियल डेथ के मामलों में मृतक के परिवार को मुआवजा प्रदान करने के लिए गाइडलाइंस बनाने का आदेश राज्य सरकार को दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने पीलीभीत के एक कस्टोडियल डेथ के मामले में मृतक बंदी के परिवार को दस लाख का मुआवजा तीन सप्ताह में देने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ़ व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पीलीभीत जिला जेल में याची के नाबालिग पुत्र की अप्राकृतिक मृत्यु के मामले में पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2016 में पीलीभीत जनपद के पूरनपुर थाने की पुलिस ने नाबालिग पुत्र के विरुद्ध दुष्कर्म एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था। वह लगभग तीन वर्ष दस माह तक कारावास में रहा। जमानत मिलने के पश्चात उसे विचारण कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हो सका। परिणामतः ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में उसे पुनः गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 20 फरवरी 2024 को उसकी जेल में मृत्यु हो गई। मजिस्ट्रेट जांच में पाया गया कि याची के पुत्र ने आत्महत्या की। कोर्ट ने कहा कि अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री से यह स्पष्ट है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

कस्टोडियल डेथ मामला

- पीलीभीत के एक मामले में दस लाख का मुआवजा देने का कोर्ट ने दिया आदेश

हिरासत में यातना मानव गरिमा का उल्लंघन

कोर्ट ने कहा कि हिरासत में यातना मानव गरिमा का उल्लंघन है। जो पीड़ित के आत्म सम्मान और अस्तित्व को मूल से नष्ट कर देती है। जब भी मानव गरिमा आहत होती है, सभ्यता एक कदम पीछे चली जाती है। जांच प्रणाली से यातना को समाप्त करने की सिफारिशों के बावजूद पुलिस हिरासत और जेलों में यातना एवं मृत्यु की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। हिरासत में हिंसा और मौतें विधि के शासन की मूल भावना पर प्रहार हैं। राज्य अपनी अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों के जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षक है।

मानहानि मामले में राहुल के बयान दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में सुबह 10:40 बजे पेश हुए, जहां उन्होंने मानहानि प्रकरण में बयान दर्ज कराया।

उनके साथ उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल मौजूद रहे। वहीं, परिवादी विजय मिश्र अपने अधिवक्ता संतोष पांडेय के साथ अदालत में उपस्थित रहे। करीब 45 मिनट चली कार्यवाही में राहुल गांधी ने आठ प्रश्नों के उत्तर देते हुए आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि यह मुकदमा सस्ती लोकप्रियता पाने , मेरी व कांग्रेस पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक दुर्भावनावश दायर किया गया है। बयान दर्ज करने के उपरांत मामले मे सफाई साक्ष्य की सुनवाई के लिए अदालत ने अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है।

- गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़ा मामला, अगली सुनवाई 9 मार्च को

सपा कार्यकर्ता की हत्या में 5 दोषियों को उम्रकैद

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

- आलोक पाल हत्याकांड : कोर्ट ने लगाया 90 हजार रुपये अर्थदंड

अमृत विचार : अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के पूरे गड़ेरियन मौजा राजापुर में चार वर्ष पूर्व हुए सपा कार्यकर्ता आलोक पाल हत्याकांड में शुक्रवार को दोषसिद्ध आरोपियों की सजा पर फैसला सुनाते हुए एडीजे तृतीय निशा सिंह की अदालत ने पांच आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 18 हजार रुपये अर्थदण्ड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष से एडीजीसी संदीप सिंह के मुताबिक घटना 2 मार्च 2022 को संग्रामपुर थानाक्षेत्र के पूरे गड़ेरियन मौजा राजापुर कोहरा की है ।

वादी रामराज पाल का पुत्र प्रशांत पाल और सपा कार्यकर्ता आलोक पाल सामान खरीदने बाजार जा रहे थे। रास्ते में ननकू दास की कुटी के पास घात लगाए बैठे आरोपियों ने लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से दोनों पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आलोक पाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गांव के ही अजय मिश्र, माधवराज मिश्र, आशुतोष मिश्र, दुर्गा प्रसाद और अभिषेक मिश्र के खिलाफ केस दर्ज कर चार्जशीट दाखिल की। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष के नौ गवाहों की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए अदालत ने सभी पांचों को दोषसिद्ध दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया।

रणनीतिक गठजोड़ | एआई समिट में समझौते पर किए गए हस्ताक्षर, महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना प्राथमिकता

भारत का अमेरिका से समझौता, पैक्स सिलिका का बना हिस्सेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले रणनीतिक गठजोड़ पैक्स सिलिका में शामिल हो गया है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। यहां में एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में गठबंधन में शामिल होने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वहां उपस्थित लोगों में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। यह कदम दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और संबंधों में गंभीर तनाव के दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई अन्य पहलों पर आगे बढ़ने के प्रयासों के बीच आया है।

गोर ने कहा, व्यापार समझौते से लेकर पैक्स सिलिका और रक्षा सहयोग तक, दोनों देशों की साथ काम करने की संभावनाएं वास्तव में असीमित हैं। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि पैक्स सिलिका में भारत का प्रवेश केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक कदम है जो द्विपक्षीय संबंधों की समग्र दिशा को और मजबूत करेगा। भारत ऐसा देश है जहां प्रतिभा का भंडार है, जो प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देने के लिए काफी है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता इस महत्वपूर्ण गठबंधन के लिए आवश्यक योग्यताएं प्रदान करती है। प्रतिभा के अलावा, भारत ने महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण क्षमता की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और हम इसमें भी पूरी तरह से सहभागिता कर रहे हैं। गोर ने सुझाव दिया कि अमेरिका पैक्स सिलिका ढांचे के तहत भारत से एआई प्रौद्योगिकियां साझा कर सकता है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री हेलबर्ग ने भारत के फैसले की सराहना की और पैक्स सिलिका को आपूर्ति श्रृंखलाओं में दबाव की रणनीति व ब्लैकमेल के खिलाफ पहल बताया, जिसे चीन की ओर एक स्पष्ट इशारा माना जा रहा है।

नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ संग कृषि, शिक्षा में एआई की संभावनाओं पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

न्यूज ब्रीफ

मोदी यूपी को देंगे सेमीकंडक्टर और रैपिड रेल की रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 और 22 फरवरी को प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण और

अत्याधुनिक परिवहन कनेक्टिविटी का तोहफा देंगे। दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति रहेगी। शनिवार को प्रधानमंत्री वर्चुअली उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास करेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-28 में 48 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाली यह परियोजना एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप का संयुक्त उपक्रम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर मौजूद रहेंगे। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट ओसैट सुविधा होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 45,000 करोड़ के जीडीपी योगदान और करीब 3,000 रोजगार सृजन की संभावना है। रविवार को पीएम मोदी मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक रैपिड रेल के संचालन से दिल्ली–मेरठ का सफर एक घंटे से भी कम समय में पूरा होगा। 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और हर 10 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होने से यातायात सुगम होगा और प्रदूषण घटेगा। साथ ही, 12 मेट्रो स्टेशनों के साथ 21 किमी की शहरी यात्रा आधे घंटे से कम में संभव होगी।

आज किसानों को बड़ा तोहफा देंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : शनिवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों और आपदा मित्रों को बड़ी राहत देंगे। पीएम फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3,500 परिवारों को 175 करोड़ की सहायता राशि वितरित की जाएगी। आपदा मित्रों को जीवन बीमा लाभ मिलेगा। साथ ही बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, मऊरानीपुर (झांसी) में 50 शैय्या छात्रावास और लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो का शिलान्यास होगा।

लापता लोगों को न तलाश पाने पर डीजीपी नाराज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 20,350 लोग लापता चल रहे हैं, लेकिन पुलिस का भारी भरकम अमला उन्हें तलाश नहीं कर सका है। उधर डीजीपी राजीव कृष्ण ने लोगों को तलाश नहीं कर पाने पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने एक कार्य योजना तैयार की है। साथ ही सभी पुलिस अफसरों से कहा है कि वह हर माह लापता लोगों और बच्चों को तलाशने के लिए विशेष अभियान चलाएं। प्रदेश में एक जनवरी-2024 से 18 फरवरी-2026 यानी दो साल के भीतर 1,08,372 लोग लापता हो गए। हालांकि पुलिस ने 88,022 लोगों को तलाश भी कर उनके घरों तक पहुंचा दिया। अब 20,350 लोग ऐसे हैं, जो कि अपनों के पास नहीं पहुंच सके हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक लापता व्यक्ति को तलाशना पुलिस की पहली प्राथमिकता है।

प्रदेश के सरकारी उपक्रमों में हजारों करोड़ की अनियमितताएं

विधानसभा के पटल पर रखी गई सीएजी रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा, निर्माण निगम से परिवहन व औद्योगिक उपक्रमों तक नियम विरुद्ध भुगतान व ठेके

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- घाटे में डूबे उपक्रम, कमजोर निगरानी और सरकारी धन के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल

अमृत विचार: विधानसभा में शुक्रवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना द्वारा रखी गई भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने प्रदेश के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों यानी एसपीएसई में व्यापक भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और कमजोर शासन व्यवस्था की परतें उधेड़ दी हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि कई उपक्रमों में बिना अनुमति काम शुरू करना, वास्तविक कार्य के बिना भुगतान, नियमों को ताक पर रखकर ठेके देना और सरकारी धन पर अर्जित ब्याज को जमा न करना जैसी गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं।

मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए तैयार यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिवेदन संख्या-9 राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2023 तक यूपी में सीएजी के लेखापरीक्षा दायरे में 113 एसपीएसई थे, जिनमें 72 क्रियाशील और 41 निष्क्रिय (13 परिसमापनाधीन सहित) थे। 68 क्रियाशील उपक्रमों में जहां 39 ने 2,169.50 करोड़ का लाभ कमाया, वहीं 27 उपक्रमों ने 32,393.08 करोड़ का भारी घाटा उठाया। सीएजी का कहना है कि यह घाटा केवल कारोबारी जोखिम नहीं, बल्कि खराब वित्तीय प्रबंधन और नियंत्रण तंत्र की विफलता को भी दर्शाता है।

निगरानी और गवर्नेंस की नाकामी : रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अधिकांश एसपीएसई में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं हुई, कई बोर्डों ने अनिवार्य बैठकें तक नहीं कीं और लेखापरीक्षा समिति, नामांकन-पारिश्रमिक समिति जैसी वैधानिक व्यवस्थाएं कागजों तक सीमित रहीं। महिला निदेशकों की नियुक्ति में भी व्यापक लापरवाही पाई गई। सीएजी ने इसे संस्थागत भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला वातावरण बताया है।

विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट रखते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

निर्माण निगम बना भ्रष्टाचार का केंद्र

सीएजी ने प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की निष्पादन लेखापरीक्षा में सबसे गंभीर अनियमितताएं दर्ज की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीकी स्वीकृति और पर्यावरणीय अनापत्ति के बिना 2,058 करोड़ से अधिक के कार्य शुरू कर दिए गए। कई मामलों में कार्य के वास्तविक निष्पादन के बिना 31.72 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। उप-संविदाकारों को बिना बैंक गारंटी के करोड़ों रुपये के अग्रिम दे दिए गए। सरकारी निधियों पर अर्जित 641.45 करोड़ का ब्याज कोषागार में जमा नहीं कराया गया। ठेकों में खुली निविदा प्रक्रिया के बजाय सीमित कोटेशन से काम देकर पारदर्शिता को नुकसान पहुंचाया गया। सीएजी ने इसे गंभीर वित्तीय कदाचार करार देते हुए कहा है कि इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ, बल्कि जवाबदेही तंत्र भी पूरी तरह विफल रहा।

भ्रष्टाचार के मुख्य बिंदु

- बिना तकनीकी स्वीकृति 2,058 करोड़ के कार्य शुरू
- बिना वास्तविक काम के 31.72 करोड़ का भुगतान
- उप-संविदाकारों को 20.40 करोड़ के अग्रिम बिना गारंटी
- सरकारी निधियों पर 641.45 करोड़ ब्याज जमा नहीं
- ठेकों में खुली निविदा की अनदेखी, सीमित कोटेशन से काम

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- घाटे में एसपीएसई : 27
- कुल घाटा : 32,393.08 करोड़
- ब्याज वहन में अक्षम उपक्रम : 12
- पूरी तरह नेटवर्थ गंवाने वाले उपक्रम : 16

गवर्नेंस फेल्योर

- स्वतंत्र निदेशक नहीं : 26 एसपीएसई
- अनिवार्य बोर्ड बैठकें नहीं : 35 एसपीएसई
- लेखापरीक्षा समिति का अभाव/गलत गठन : 21 एसपीएसई

नियोजन से लेकर आवंटन तक गड़बड़ी की भरमार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल
- ईडब्ल्यूएस आवास, संपत्ति आवंटन और अवैध निर्माण पर कार्रवाई में भारी चूक

अमृत विचार: भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विकास एवं संपत्तियों के आवंटन को लेकर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही, वित्तीय अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार को उजागर किया है। एनसीआर का हिस्सा होने के बावजूद गाज़ियाबाद महायोजना-2021 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से अनुमोदन नहीं कराया गया, जो नियोजन कानूनों का सीधा उल्लंघन है। इसके अलावा, एकीकृत महायोजना बनाने के बजाय गाज़ियाबाद और मोदीनगर के लिए अलग-अलग महायोजनाएं तैयार की गईं, जिनके ज़ोनिंग नियमों में भारी विरोधाभास पाए गए। इन योजनाओं के निर्माण में चार से दस वर्षों तक की देरी हुई और आठ में से केवल एक ज़ोन के लिए ही ज़ोनल विकास योजना तैयार की गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को सीएजी का निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संख्या-11 (वर्ष 2025), को राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान जीडीए की कार्यशैली का व्यापक मूल्यांकन किया गया। सीएजी ने पाया कि महायोजना-2021 के तहत निर्धारित विकास लक्ष्य अधिकांश क्षेत्रों में पूरे ही नहीं किए गए। खुले स्थान, पार्क और मनोरंजन क्षेत्र में 79 प्रतिशत, व्यावसायिक क्षेत्र में 66 प्रतिशत और सार्वजनिक सुविधाओं में 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। दुर्बल आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए वर्ष 2017-22 में न्यूनतम 25,000 आवासीय इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 9,960 इकाइयां ही बन सकीं।

सीएजी की रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण में अनियमितताएं केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। रिपोर्ट में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय करने, पारदर्शी डाटा प्रणाली विकसित करने और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

अनियमितता के प्रमुख बिंदु

- महायोजना-2021 बिना एनसीआर बोर्ड की मंजूरी
- ईडब्ल्यूएस आवास लक्ष्य का केवल 40% ही पूरा
- संपत्ति आवंटन का कोई योजनावार डाटा बैंक नहीं
- हिंडन बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण पर ढीली कार्रवाई
- बिना रिकॉर्ड कारणों के नीलामी/आवंटन से संपत्तियां बाहर

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- राजस्व लक्ष्य में कमी : 40–58%
- व्यय लक्ष्य में कमी : 40–63%
- राज्य सरकार से लंबित वसूली : 347.43 करोड़

गवर्नेंस और नियंत्रण की विफलता

- ज़ोनल विकास योजनाओं का अभाव
- आंतरिक लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर सुधार नहीं
- तकनीकी संवर्ग में भारी मानवशक्ति की कमी
- बोर्ड बैठकें मानकों के अनुरूप नहीं

वित्तीय प्रबंधन में भारी चूक, करोड़ों की वसूली लंबित

वित्तीय मोर्चे पर भी जीडीए की स्थिति चिंताजनक रही। वर्ष 2017-18 से 2021-22 के दौरान, 2018-19 को छोड़कर, राजस्व लक्ष्य में 40 से 58 प्रतिशत तक की कमी रही। वहीं, व्यय लक्ष्य भी 40 से 63 प्रतिशत तक कम रहा। सीएजी ने यह भी इंगित किया कि उप-निबंधन कार्यालयों द्वारा अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क वसूली के बावजूद, जीडीए की 347.43 करोड़ की वैधानिक मांग अब तक राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हो सकी, जो कमजोर वित्तीय फॉलो-अप और जवाबदेही को दर्शाता है।

आवंटन और प्रवर्तन में पारदर्शिता का अभाव

संपत्तियों के आवंटन में पारदर्शिता की भारी कमी सामने आई। जीडीए के पास योजनावार विकसित, बेची गई और शेष संपत्तियों का कोई समेकित डाटा बैंक नहीं था। बोली-सह-नीलामी और पहले आओ-पहले पाओ जैसी प्रक्रियाओं में यह तक स्पष्ट नहीं किया गया कि पूर्व नीलामी में अविकसित/अविक्रीत संपत्तियों को आगे क्यों नहीं लाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 45,000 इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 20,173 इकाइयों की योजना बनाई गई और मार्च 2024 तक केवल 5,801 इकाइयां ही निर्माणाधीन पाई गईं। हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने में भी जीडीए विफल रहा। अनधिकृत निर्माण के चिन्हित मामलों में केवल 19 से 65 प्रतिशत पर ही कार्रवाई की गई। 1,303 स्वीकृत मानचित्रों में से मात्र 125 को ही पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किया गया, जबकि शेष भवनों की स्थिति का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

पेशी पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व आराधना मिश्रा।

पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ कराए जा रहे मुकदमे : प्रमोद तिवारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का हुआ स्वागत

अमृत विचार : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली से लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरे तो उनका स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमोद तिवारी ने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमे कराए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ सुल्तानपुर के एमएलए-एमपी कोर्ट में एक मानहानि का मुकदमा चल रहा है। उसी मामले में शुक्रवार की सुबह राहुल गांधी दिल्ली से एयरपोर्ट पर उतरे। वहां पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद प्रमोद तिवारी, वरिष्ठ नेता अखिलेश सिंह, कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता अराधना मिश्रा, प्रवक्ता अंशु अवस्थी समेत भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से राहुल गांधी कार से सुल्तानपुर गए। वहां से दोपहर में करीब ढाई बजे एयरपोर्ट लौटे और दिल्ली के लिए चले गए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि राहुल गांधी सुल्तानपुर की एक अदालत में चल रहे मामले में आए थे, उनका और कोई कार्यक्रम नहीं था।

स्पष्ट नीति व सख्त वित्तीय अनुशासन से बदला यूपी : योगी

मुख्यमंत्री ने सदन में रखा 'न्यू यूपी' के विकास का ब्लूप्रिंट, कांग्रेस-सपा पर निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार के सहारे यूपी बनेगा ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान नौ वर्षों की सरकार के कामकाज का विस्तृत लेखा-जोखा पेश करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यूपी आज बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर देश के टॉप-3 राज्यों में शामिल हो चुका है। यह परिवर्तन किसी एक योजना का नहीं, बल्कि स्पष्ट नीति, शुद्ध नीयत और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार की योजनाएं गिनाते हुए कहा कि इनके सहारे यूपी ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बजट सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को अपने लंबे भाषण में बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बजट केवल खर्च का दस्तावेज नहीं, बल्कि भविष्य के उत्तर प्रदेश का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लीकेज रोके, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया। इसी का नतीजा है कि आज बैंक, निवेशक और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रही हैं। नीति आयोग की फिस्कल हेल्थ इंडेक्स और कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी को अब फ्रंट रनर स्टेट माना जा रहा है। योगी ने बताया कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश का पूंजीगत व्यय करीब 71 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में लगाया गया एक रुपये का निवेश पांच से छह गुना प्रतिफल देता है। उन्होंने डाटा को नई अर्थव्यवस्था की आधारशिला बताते हुए कहा कि एआई 'न्यू ऑयल' बनने जा रहा है। बजट 2026-27 में डाटा सेंटर क्लस्टर, स्टेट डाटा सेंटर अथॉरिटी और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के प्रावधान किए गए हैं। यूपी अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

घालमेल की राजनीति अब नहीं चलेगी नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

वित्तीय प्रबंधन पर विपक्ष के सवालों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उम्र और अनुभव के साथ आंकड़ों में ईमानदारी आएगी, लेकिन चच्चू का प्रभाव अब भी हावी दिखा। योगी ने तथ्यों के साथ जवाब देते हुए कहा कि 2016-17 में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.39 प्रतिशत था, जो अब 2025-26 में घटकर 2.97 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने बताया कि ऋणग्रस्तता लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत आ गई है और 2026-27 तक इसे 23 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य है। प्रति व्यक्ति आय पर विपक्ष को घेरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016-17 में यह करीब 43 हजार रुपये थी, जबकि आज 1.20 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या 43 हजार और 1.20 लाख में कोई फर्क नहीं दिखता।

आठ हजार न्याय पंचायतों में चुने जाएंगे डिजिटल इंटरप्रेन्योर

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आठ हजार न्याय पंचायतों में डिजिटल इंटरप्रेन्योर चुने जाएंगे। हर जिले में 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' विकसित होंगे। अगले पांच वर्षों में 100 नई टाउनशिप, 27 एक्सप्रेसवे क्लस्टर और 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। महिलाओं के लिए 100 करोड़ रुपये से महिला उद्यमी उत्पाद विपणन केंद्र, 60 लाख सुरक्षित प्रसव के लिए 1000 करोड़ और बालिकाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने दावा किया कि सरकार में प्राइमरी स्कूलों का ड्रॉपआउट रेट शून्य हुआ है और शिक्षकों व कार्मिकों के आश्रित परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। पर्यटन, स्टार्टअप, एमएसएमई, पशुधन, मत्स्य और पर्यावरण संरक्षण पर बजट फोकस का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे तरक्की और रोजगार बढ़ा है।

कांग्रेस पर देश की छवि बिगाड़ने का आरोप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारत मंडपम में अराजकता फैलाकर कांग्रेस ने देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 20 राष्ट्राध्यक्ष एआई समिट के लिए भारत आए थे, तब कांग्रेस के युवा संगठन ने शर्मनाक कृत्य कर दुनिया के सामने भारत को बदनाम करने की कोशिश की। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि देश की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए।

विशेषाधिकार हनन और शिक्षामित्रों के मुद्दे पर तीखी बहस

विधान परिषद : अधिकारियों के फोन न उठाने समेत कई मामलों पर सत्ता पक्ष व विपक्षी सदस्य एकमत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बजट सत्र में विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी अधिकारियों द्वारा फोन न उठाने का मुद्दा उठा है। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष सदस्यों ने भी सुर में सुर मिलाए। दोनों पक्षों ने शिकायत की कि जिलों में जिलाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी फोन नहीं उठाते, जिससे जनसमस्याओं के समाधान में बाधा आ रही है।

बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को शून्य प्रहर में शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जिलों के जिलाधिकारी सीयूजी नंबर खुद नहीं उठाने की सूचना दी। कहा कि उनके अर्दली फोन उठाते हैं, बात नहीं कराते हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में दिक्कत आती है। भाजपा के उमेश द्विवेदी ने भी विधायक त्रिपाठी की सूचना का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जिले की डीएम को पांच महीनों में कई बार फोन किया, लेकिन हर बार मैडम व्यस्त थीं। भाजपा के ही सुरेंद्र चौधरी ने बिजली विभाग के एमडी के पीआरओ द्वारा एमडी बनकर बात करने का गंभीर आरोप लगाया। सपा सदस्य जासमीर अंसारी ने कहा कि अधिकारी जब सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों की नहीं सुन रहे और उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है तो विपक्ष की कौन सुनेगा।

जवाब में नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि वह संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों से सीधे बातचीत करेंगे और समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

मगर, सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि यह स्थिति केवल कुछ जिलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के अधिकांश जिलों में यही हाल है। नेता सदन को निर्देश दिए कि सभी जिलों के जिलाधिकारियों से इस विषय में बात कर स्थिति में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोटोकाल में किसी प्रकार की अनदेखी नहीं होनी चाहिए । इसी क्रम में नियम 223 अंतर्गत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने 18 फरवरी 2026 को ताज महोत्सव के आयोजन में अपना नाम शामिल न किए जाने को विशेषाधिकार हनन बताया। सभापति ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। शाम 6 बजे सभापति द्वारा सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी है।

शिक्षकों के मुद्दे पर गरमाया सदन

शून्य काल में नियम-105 अंतर्गत सपा सदस्यों ने शिक्षा मित्रों की समस्याओं का मुद्दा उठाया, कहा कि कम मानदेय में कई कार्य कराना नियति बन चुकी है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने जवाब दिया। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम-105 अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में स्ववित्तपोषित शिक्षकों के वेतन भुगतान व विनियमितीकरण की सरकार से मांग उठाई। सभापति ने मामले को प्रभावी कार्रवाई के लिए सरकार को भेजा।

शहीद के सम्मान में कोताही नहीं : केशव मौर्य

महराजगंज के शहीद पंकज त्रिपाठी को उनके शहादत दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मान न दिए जाने का मामला विधान परिषद में भाजपा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान करना प्रशासन की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। सभापति ने भी चिंता जताई और कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री के तंज पर भड़के सपा सदस्य

सदन की कार्यवाही के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। केशव मौर्य ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री थे और पूर्व ही रहेंगे। इस पर सपा एमएलसी भड़क गए और पलटवार करते हुए कहा कि 15 मार्च 2027 को अखिलेश यादव बतौर मुख्यमंत्री सदन में मौजूद होंगे। इसके अलावा, सदन में मंत्रियों की अनुपस्थिति को लेकर भी सभापति ने नाराजगी जताई। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के देरी से पहुंचने पर सभापति ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार की जांच के निर्देश

भाजपा सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मिर्जापुर के जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को लेकर प्रश्न उठाया। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी के जवाब से सदस्य के असंतुष्ट होने पर कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने उच्च अधिकारियों से जांच कराकर पुराने अधिकारियों एवं संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वंदेभारत पर पथराव करने में दो किशोर पकड़े गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ट्रेन में सफर कर रहे थे संघ प्रमुख मोहन भागवत

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के पास वाले कोच में पथराव करने के आरोप में हरदोई आरपीएफ ने दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। दोनों किशोर आपस में मौसेरे भाई हैं। अभी तक की जांच में खुलासा हुआ है कि बच्चे वंदे भारत ट्रेन को देखने के लिए आए थे, तभी खेल-खेल में कोच पर पथराव कर दिया।

संघ प्रमुख गुरुवार को दोपहर 2 बजे के करीब वंदे भारत ट्रेन से लखनऊ से मेरठ के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही ट्रेन अपरान्ह 3.20 बजे के करीब हरदोई जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के बलोखर फाटक के पास पहंची, तभी एक पत्थर ट्रेन के कोच की खिड़की पर पत्थर जोर से लगा। जिस कोच की खिड़की पर पत्थर लगा उसके बराबर वाले कोच में संघ प्रमुख बैठे थे। पुलिस ने तुरंत उनका कोच बदल दिया गया। उधर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम कर जीआरपी और आरपीएफ ने सीसी कैमरे तलाश कर दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, एक बच्चे की उम्र 12 साल है, जो कि शाहजहांपुर जिले का रहने वाला है। दूसरे की उम्र 14 साल है। दोनों रिश्ते में भाई लगते हैं। दोनों को जुवेलाइन कोर्ट में पेश किया गया।

एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने बताया कि सीसी कैमरों की सहायता से शुक्रवार को दो किशोर को अभिरक्षा में ले लिया गया। दोनों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत, नहीं हुई शिनाख्त

कानपुर देहात। कानपुर दिल्ली रेलवे रूट के रूरा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को दरभंगा एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। शव की अभी पहचान नहीं नहीं हो सकी है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव के शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। जीआरपी चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 24 वर्ष है। घटना रूरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर अपलाइन पर सुबह करीब चार बजे हुई।

लोदीपुर में एमपीपी पाइप लाइन पर हुआ मॉक ड्रिल

कानपुर देहात। बीपीसीएल की मल्टी प्रोडक्ट पेट्रोलियम पाइपलाइन में गांव लोदीपुर में शुक्रवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। भूमिगत पेट्रोलियम पाइपलाइन में संभावित लीकेज एवं आग लगने की स्थिति में त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए ड्रिल हुई। बताया गया कि बीना-पानकी पाइपलाइन मल्टी प्रोडक्ट पाइपलाइन है, जिसके माध्यम से डीजल, पेट्रोल तथा एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एयरक्राफ्ट फ्यूल) का परिवहन किया जाता है। मॉक ड्रिल के दौरान पाइपलाइन में काल्पनिक रिसाव एवं आगजनी की स्थिति प्रदर्शित की गई। सूचना प्राप्त होते ही निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप कंट्रोल रूम द्वारा तत्काल आपूर्ति बंद की गई तथा घटनास्थल पर सुरक्षा घेराबंदी कर अग्निशमन की कार्रवाई प्रारंभ की गई। अभ्यास में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी संबंधित विभागों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। संभावित घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने एवं आपात चिकित्सा सेवाओं की तत्परता का भी परीक्षण किया गया। ड्रिल के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि आपात स्थिति में विभिन्न एजेंसियों के मध्य प्रभावी समन्वय, त्वरित सूचना तंत्र तथा प्रशिक्षित टीमों की सक्रियता से संभावित क्षति को न्यूनतम किया जा सकता है।

पोलिंग सेंटर पर कल बैठेंगे बीएलओ, लेंगे दावे-आपत्तियां

कानपुर देहात। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत रविवार को जनपद के समस्त पदाभिहित स्थलों और मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया जाएगा। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) संबंधित मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर आमजन से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। दावे एवं आपत्तियां निर्धारित अवधि में प्राप्त की जा रही हैं। अंतिम तिथि 6 मार्च निर्धारित है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 22 फरवरी (रविवार) को जनपद के समस्त पदाभिहित स्थलों/मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया जाएगा। बीएलओ आमजन से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। विशेष अभियान दिवस पर संबंधित मतदान केंद्रों पर 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली उपलब्ध रहेगी।

बैरी सवाई में अतिक्रमण पर चला चाबुक, हटाया निर्माण

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः बैरी सवाई में पूर्व प्रधान वीरेंद्र तिवारी को सड़क पर बैठाकर मारपीट करने वाले प्रधानपति हनीफ मोहम्मद के अवैध कब्जे पर शुक्रवार को बुलडोजर चला। दूसरी तरफ शिवली कल्याणपुर मार्ग पर अवैध मकान को खाली करने के लिए तहसील प्रशासन ने नोटिस चस्पा कर दी है।

एसडीएम राजकुमार पांडेय, तहसीलदार सुनील कुमार व इंस्पेक्टर शीलेंद्र सिंह की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम शुक्रवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर लेकर मैथा रनियां मार्ग पर स्थित गाटा संख्या 623 में बेशकीमती भूमि पर ग्राम प्रधान पति हनीफ मोहम्मद द्वारा कब्जा कर बनाए गए ढांचे को ध्वस्त करा दिया। एसडीएम ने बताया कि गाटा संख्या अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया गया है। अवैध कब्जा कर बनाए गए मकान को खाली किए जाने हेतु नोटिस चस्पा कर दी गई है। तहसील प्रशासन की कार्रवाई से भूमाफियाओं में हड़कंप है। दूसरी तरफ एक और आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है। प्रतिबंधित लकड़ी जमा होने शिकायत पर फॉरेस्ट रेंजर रसूलाबाद ने मौके जमा लकड़ी की जांच शुरू कर दी गई है।

अतिक्रमण गिराता बुलडोजर। मौके पर मौजूद एसडीम व तहसीलदार। **अमृत विचार**

शिवली इंस्पेक्टर हटा दिए गए

- पूर्व प्रधान वीरेंद्र तिवारी उर्फ सोनू के साथ हुई मारपीट के मामले में तूल पकड़ जाने के बीच इंस्पेक्टर प्रवीण सिंह को हटा दिया गया। उनको सर्विलांस सेल में तैनाती दी गई है। किसी थाने का चार्ज न दिए जाने पर चर्चा रही कि लापरवाही पर प्रवीण को हटाया गया। साथ ही किसी थाने का चार्ज भी नहीं दिया गया। उनकी जगह पर अमरेंद्र बहादुर सिंह की तैनाती की गई है।

होलिका दहन स्थल का अतिक्रमण हटवाती पुलिस व प्रशासन की टीम।

होलिका दहन स्थल के पास से हटवाई मीट की दुकानें

रसूलाबाद : नगर के प्रमुख होलिका दहन स्थल पर कुछ मीट विक्रेताओं के अतिक्रमण को नायब तहसीलदार शिव दर्शन सिंह के नेतृत्व में गई पुलिस टीम ने हटवाया। बताते चलें कि पिछले संपूर्ण समाधान दिवस में आजाद नगर निवासी अर्चना, सरिता आदि महिलाओं ने कस्बे के प्रमुख होलिका दहन स्थल पर कुछ मुर्गा मीट विक्रेताओं द्वारा जबरन दुकानें लगा लेने की शिकायत की थी। इसके साथ ही गुरुवार को थाना परिसर में एसडीएम सर्वेश सिंह की अध्यक्षता में हुई पीस कमेटी की बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था। होली पर्व निकट होने के चलते उक्त शिकायत के तहत शुक्रवार को नायब तहसीलदार शिवदर्शन सिंह व कस्बा इंचार्ज प्रमोद दीक्षित के नेतृत्व में पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। पुलिस बल ने नगर पंचायत कर्मियों के सहयोग से उक्त अतिक्रमणकारियों मुर्गा मीट विक्रेताओं की दुकानें हटवाकर स्थान खाली करवाया जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

तालाब में गिरी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

औरैया जिले से तेरहवीं से लौट रहा था ईको कार सवार कानपुर कल्याणपुर निवासी परिवार

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः शिवली कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात बड़ा हादसा हुआ। यहां औरैया जिले के ग्राम सहायल से एक तेरहवीं कार्यक्रम से वापस कल्याणपुर कानपुर लौट रहे परिवार की ईको कार अनियंत्रित होकर शिवली के बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। इससे एक ही परिवार के कई लोग कार में फंसे रह गए। मदद मिल पाती, इससे पहले बुजुर्ग दंपत्ति, उनकी बहू व नाती की मौत हो गई। पांच अन्य घायल हैं।

आवास विकास कल्यानपुर कानपुर के रहने वाले राजकिशोर अग्निहोत्री ईको कार से 9 परिजनों के साथ औरैया को निकले थे। बताया गया कि वहां ग्राम सहायल में एक रिश्तेदार की तेरहवीं संस्कार था। उसमें शामिल होने के बाद सभी लोग वापस घर लौट रहे थे। कार शिवली-कल्याणपुर रोड पर बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। कार गिरने के बाद उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। अंधेरा होने के कारण आस-पास के लोग हादसे के बारे में देर से जान पाए। काफी देर तक चीखें सुनीं तो तालाब की तरफ ध्यान गया। इसके बाद लोग दौड़े। ग्रामीणों, पुलिस व तहसील कर्मियों के साथ-साथ बजरंग दल व आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कार सवार लोगों को निकाला। हालांकि निकाले जाने तक कार सवार राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बहू हिमांशु (30) पत्नी अंकुर अगिनहोत्री और शिव अग्निहोत्री पुत्र अंकुर अग्निहोत्री उम्र (2) की मौत हो चुकी थी। शिवली के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि कृतिका अग्निहोत्री उम्र (30), सुधा पत्नी संजय वाजपेई (45), वानी पुत्री अंकुर (3) कान्हा पुत्र संजय (4), सुधांशु पुत्र राजकिशोर (24) वर्ष को घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया गया। एसडीएम राजकुमार पांडेय व तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि घायलों का शिवली में इलाज किया जा रहा है। कुछ घायलों को कानपुर भी भेज दिया गया है। कार राजकुमार अग्निहोत्री चला रहे थे। हादसे के बाद सीएम ने संवेदना व्यक्त की। अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

अस्पताल में भर्ती वानी व अस्पताल में जांच करती पुलिस। **अमृत विचार**

बाइकों की भिड़ंत में महिला की मौत, युवती घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मां के साथ दवा लेने को सीएचसी आ रहे बाइक सवार युवक हादसे का शिकार हुआ। रसूलाबाद कानपुर रोड पर हसानंद इंटर कॉलेज के समीप पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार लड़की से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार की मां और युवती दोनों घायल हो गए। इसकी सूचना पाकर पुलिस घायलों को सीएचसी रसूलाबाद लाई। यहां महिला की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया गया लेकिन अस्पताल से कुछ दूर जाकर ही उसकी मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने एंबुलेंस के देरी से आने का आरोप लगाकर काफी देर तक हंगामा काटा।

सौंझ निवासी अनुज अपनी मां सरोजनी देवी 50 पत्नी स्वर्गीय रामविलास को दवा दिलाने के लिए सीएचसी रसूलाबाद बाइक से ला रहा था। इसी दौरान रसूलाबाद कानपुर रोड पर हंसानंद इंटर कॉलेज के समीप पेट्रोल पंप के पास माल का पुरवा निवासी बाइक सवार ज्योति 23 पुत्री सुरेश सिंह से टक्कर हो गई वह अचानक पेट्रोल लेने के लिए मुड़ी थी। वह यही तहसील में एक वकील के यहां मुंशीगीरी करने के कारण रसूलाबाद तहसील आ रही थी। इस घटना की सूचना पाकर उप निरीक्षक प्रमोद दीक्षित मौके पर गए और घायलों को रसूलाबाद सीएचसी लाए। वहां डॉक्टर दिलशाद हाशमी ने उसका उपचार किया और घायल महिला सरोजिनी की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया किंतु सरोजनी के परिजनों की माने तो एंबुलेंस लगभग 2 घंटे बाद यहां से लेकर उसे चली। कुछ ही दूर जाने के बाद उसकी मां सरोजिनी ने दम तोड़ दिया। उसे वापस लेकर एंबुलेंस वाले सीएचसी आए। यहां मृतका के परिजनों ने एंबुलेंस वालों द्वारा 2 घंटे बाद उसकी मां को ले जाने के लिए आने की बात पर जमकर हंगामा काटा। पुलिस के आने पर वह लोग शांत हुए। दूसरी बाइक सवार घायल ज्योति का पैर टूट जाने के कारण उसे भी रेफर किया गया है। सरोजनी की असामयिक मौत पर उसके पुत्र अजीत, अनुज, अंकित व पुत्रियां राधा, करिश्मा, आरती व रचना का रो रो कर बुरा हाल है। उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार दीक्षित ने बताया की शव के पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद सीएचसी में हंगामा करते परिजन। **अमृत विचार**

- **कानपुर रोड पर एक इंटर कॉलेज के पास हुआ हादसा**

डीएम की अध्यक्षता में आज मैथा में होगा संपूर्ण समाधान दिवस

कानपुर देहात। शनिवार को मैथा तहसील में जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन होगा। एडीएम प्रशासन अमित कुमार ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को किया जाता है। इसमें जिलाधिकारी द्वारा क्रमानुसार प्रत्येक तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जाती है। पुलिस अधीक्षक व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य तहसीलों में जिलाधिकारी द्वारा निर्गत निर्धारित रोस्टर के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित किसी अपर जिलाधिकारी द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जायेगी, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। शेष तहसीलों में संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जाएगी, जिसमें संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। शनिवार को को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील मैथा में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। तहसील रसूलाबाद में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सिकंदरा में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, तहसील अकबरपुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

बताए दिशा-निर्देश

- **कानपुर देहात।** शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने एसआईआर को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। दलों के प्रतिनिधियों से विशेष अभियान के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता बढ़ाने तथा अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को सक्रिय करने को कहा।

योजनाओं के लाभार्थियों को बांटा गया 4,218 लाख रुपये का ऋण

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः माती के ईको पार्क परिसर में शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के तत्वावधान में वृहद ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा की गई। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। कई बैंकों एवं संबंधित विभागों ने शिविर में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं टूल किट प्रदान किए गए।

संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं कृषकों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध रखा जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र आवेदक लाभान्वित हो सकें और जनपद के आर्थिक सशक्तिकरण को गति मिल सके। जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से अपील की कि वह प्राप्त ऋण का सदुपयोग कर स्वरोजगार स्थापित करें तथा समय पर ऋण का पुनर्भुगतान सुनिश्चित करें, जिससे अन्य पात्र व्यक्तियों को भी योजनाओं का लाभ मिल सके।

शिविर में विभिन्न बैंकों द्वारा कुल 4218 लाख रुपए के ऋण वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विश्वकर्मा योजना अंतर्गत लाभार्थियों को टूल किट का वितरण किया गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख अमर पाल, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप-क्षेत्रीय प्रमुख संतोष कुमार, नाबार्ड के डीडीएम राहुल यादव, उपाध्यक्ष (उद्यान) प्रभात यादव, उप-निदेशक (कृषि) हरीशंकर भार्गव, जिला उद्यान अधिकारी बलदेव प्रसाद आदि उपस्थित रहे। लाभार्थियों को विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

लाभार्थी को चेक देते अधिकारी। **अमृत विचार**

9वीं के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद कस्बे के गांधीनगर मोहल्ले में कक्षा नौ के छात्र ने घर के कमरे के पंखे के कुंडे में दुपट्टे से फांसी लगा आत्महत्या कर ली। उसके माता-पिता और छोटा भाई शाम को विवाह समारोह में शामिल होने कानपुर गए थे। पिता के कहने के बावजूद उसने वहां जाने से इंकार कर दिया था। सुबह बेटे की असामयिक मौत का समाचार पाकर परिवार में कोहराम मच गया। पिता के शव का पोस्टमार्टम न कराए जाने की बात लिखकर देने पर उसका शव परिजनों को सौंपा।

कठारा निवासी करुणा शंकर अपने परिवार के साथ रसूलाबाद के मोहल्ला गांधीनगर में रहते हैं। गुरुवार शाम वह अपनी बुआ के नाती के विवाह समारोह में शामिल होने पत्नी रुचि व छोटे पुत्र हर्ष के साथ कानपुर गए थे। उन्होंने अपने बड़े पुत्र कृष्णा 14 वर्ष से भी विवाह में चलने की बात कही थी किंतु उसने इंकार कर दिया। कृष्णा यहीं आरपीएस इंटर कॉलेज रसूलाबाद में कक्षा 9वीं का छात्र था। घर पर वह और उसके अविवाहित चाचा जयशंकर थे। बताया गया कि उसके पिता की जनरल स्टोर की बड़ी दुकान है। शुक्रवार को कृष्णा दुकान पर बैठा था। दुकान बंद करने के बाद बिक्री के रुपये उसने सुरक्षित रख दिए। इसके बाद रात्रि में वह मकान की दूसरी मंजिल में अपने बेडरूम में बेड पर स्टूल रख कर पंखे के कुंडे में दुपट्टे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की। कृष्णा की असामयिक मौत शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने के बात लिखकर दे दी। इस पर पुलिस में शव परिजनों को सौंप दिया है। कस्बा इंचार्ज प्रमोद कुमार दीक्षित ने बताया की पिता के द्वारा शव का पोस्टमार्टम न कराए जाने की बात लिखकर देने पर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

परखी व्यवस्था | डीएम कपिल सिंह ने भोगनीपुर तहसील का किया निरीक्षण

अभिलेखों के रख-रखाव की तरफ संजीदगी बरतें कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह ने तहसील भोगनीपुर का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं, अभिलेखों के रखरखाव एवं जनसेवा से संबंधित व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न पटलों का अवलोकन करते हुए अभिलेखों एवं पत्रावलियों की स्थिति की गहन समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कर्मचारियों से अलमारियां खुलवाकर डीएम ने पत्रावलियों के रखरखाव की जांच की। अभिलेख सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं श्रेणीबद्ध ढंग से संधारित करने के निर्देश दिए।

रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, अभिलेखों के वैज्ञानिक संरक्षण एवं व्यवस्थित संधारण पर विशेष बल दिया। नजारत शाखा एवं संग्रह अनुभाग का भी निरीक्षण कर राजकीय अभिलेखों एवं सामग्रियों के रखरखाव की जानकारी प्राप्त की तथा लंबित पत्रावलियों के शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सब रजिस्ट्रार के अनुपस्थित पाए जाने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने तहसीलदार न्यायालय, नायब तहसीलदार न्यायालय, रजिस्ट्री कक्ष, मतदाता पंजीकरण कक्ष, अभिलेखागार, चकबन्दी कार्यालय आदि तथा एसआईआर (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) से संबंधित कार्यों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने मतदाता सूची से जुड़े कार्यों को पूरी सतर्कता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। रजिस्ट्री कक्ष में दस्तावेजों के पंजीकरण कार्य को सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित करने पर बल दिया। तहसील परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील में आने वाले आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने उपस्थित उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अनिवार्य रूप से जनसुनवाई की जाए तथा फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन के साथ मधुर व्यवहार रखने, समय से कार्यालय में उपस्थित रहने तथा अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिग्विजय सिंह, उपजिलाधिकारी भोगनीपुर, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाएं जांचते डीएम। **अमृत विचार**

भक्ति का मार्ग कठिन लेकिन ईश्वर तक पहुंचने का साधन

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः भक्ति का मार्ग अत्यंत कठिन है। जीवन मरण जैसी अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी जो ईश्वर का आश्रय नहीं छोड़ता है वही भक्त प्रहलाद जैसी स्थिति को प्राप्त होता है। उसी को ईश्वर के साक्षात दर्शन होते हैं। पृथ्वी पर मनुष्य को सत्संग से मोक्ष अर्थात जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्ति मिल जाती है। यह बात मुर्री स्थित श्री धनेश्वर धाम मंदिर परिसर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक कृष्णानंद रसिक महाराज ने प्रहलाद की कथा के प्रसंग में कही।

उन्होंने बताया कि हिरण्यकश्यप अपने भाई की मौत का बदला भगवान विष्णु से लेने के लिए ब्रह्मा जी की तपस्या करने के लिए एक वट के नीचे बैठ गया। जहां देव गुरु बृहस्पति तोता का रूप धारण कर वृक्ष पर बैठ गए। और नारायण नाम की रट लगाने लगे। आजिज हिरण्यकश्यप तपस्या छोड़ कर घर आ गया। पत्नी ने पूछा कि आप तपस्या छोड़कर क्यों चले आए तो तोता की बात बताई। पत्नी ने भी भगवान के नाम का जप किया और गर्भ ठहर गया और भक्त प्रहलाद के रूप में बालक का जन्म हुआ। दैत्य कुल में जन्म लेने के बावजूद भी प्रहलाद बचपन से ही भक्ति में लीन हो गए। प्रहलाद को भक्त बनता देख पिता हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को गुरु शुक्राचार्य आश्रम में शिक्षा के लिए भेजा।

एक दिन हिरण्यकश्यप ने पूछा कि भगवान कहां है, प्रह्लाद ने बताया कि भगवान तो कण-कण में व्याप्त हैं। इस खंभे में भी है इतना सुनते ही हिरण्यकश्यप ने खंबे पर घूंसे का प्रहार कर दिया तब भगवान उस खंभे से नरसिंह का अवतार लेकर खंभे से प्रकट हो गए और हिरण्यकशिपु का वध किया। उन्होंने प्रहलाद को गोद में बैठा कर उनसे वर मांगने के लिए कहा तब भक्त प्रह्लाद ने भगवान के चरणों में अनन्य भक्ति और अपने पिता हिरण्यकशिपु सहित सभी पाप आत्माओं का कल्याण मांगा। कथावाचक ने इसके बाद कृष्ण जन्म की कथा सुनाई। जिसमें भक्तों ने हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की के उद्घोषों से सारे पांडाल को कन्हैयामय बना दिया। इसके साथ ही कथावाचक ने बामन चरित्र, समुद्र मंथन सूर्यवंश का वर्णन भी कथा में किया। इस अवसर पर घनश्याम यादव, राहुल, वीरेंद्र, संदीप दीपक, सचिन, आशु, मुकेश, सोनू, मुलायम, कुलदीप, हरिओम, पुरुषोत्तम आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

पत्नी वियोग में युवक ने लगाई फांसी

घाटमपुर । गोपालपुर में पत्नी वियोग में पति ने फांसी लगाकर जान दे दी। शराब पीने को लेकर हुए विवाद में पत्नी छोड़कर मायके चली गई थी। घाटमपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी 31 वर्षीय अमित सचान खेती किसानी करके परिवार का भरण पोषण करता था। उसकी मां मुन्नी देवी ने बताया कि उनके बेटे अमित की शादी चार वर्ष पहले हुई थी। शराब पीने को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसके चलते उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी, जिसके बाद से युवक परेशान रहता था। गुरुवार शाम युवक ने घर के अंदर कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जानकारी मिलते ही घाटमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए है।

फांसी पर लटकता मिला युवक का शव

शिवराजपुर । क्षेत्र के कपूरपुर गांव में एक युवक का शव छत के कुंडे में बंधी रस्सी के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कपूरपुर गांव निवासी सुनील कोरी उम्र 35 वर्ष का शव गुरुवार की रात घर के अंदर छत के कुंडे में बंधी रस्सी के सहारे लटकता मिला। परिजनों को इसकी जानकारी सुबह उठने पर हुई। परिजनों ने थाना पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम ने बारीकी से जांच पड़ताल की। इस मामले में थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक फांसी पर झूला

घाटमपुर । घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के बरईगढ़ का मजरा बहादुरगढ़ में बीती रात एक युवक ने फांसी पर लगा कर जान दे दी। युवक की मौत की खबर सुनते ही परिवार में मचा कोहराम मच गया। बरईगढ़ के मजरा बहादुरगढ़ निवासी राजकरण पाल 45 ने बीती रात अपने भाई अशोक पाल के प्लाट में रस्सी के सहारे टीन शेड के पाइप से फांसी लगा कर जान दे दी। अशोक के तीन बेटियां व एक बेटा है। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

प्रशासन ने खालिहान की जमीन को कराया कब्जा मुक्त

शिवराजपुर । शुक्रवार दोपहर बाद प्रशासन ने कस्बे के वार्ड नंबर 5 सुभाष नगर में खलिहान की जमीन को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया । सरकारी खलिहान की जमीन पर कस्बे के लोगों द्वारा कूड़ा करकट गोबर इत्यादि जमा करने के मामले में कस्बा निवासियों ने राजस्व विभाग में शिकायत की थी। लोगों का कहना है कि खलिहान की जमीन पर गंदगी पड़े होने से बदबू आती है एवं वहां से निकलने पर असुविधा महसूस होती है। साथ ही बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। शिकायत का प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए नोटिस लगाकर सरकारी जमीन पर पड़े गोबर कूड़ा करकट आदि को हटाने को लेकर कब्जेदारों को नोटिस जारी किया था। किंतु समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कब्जा ना हटाए जाने पर प्रशासन की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से खलिहान की जमीन से अवैध कब्जे को मुक्त कराया। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी अगर दोबारा कब्जा किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर प्रमुख रूप से नायब तहसीलदार रंजीत यादव, लेखपाल प्रमोद श्रीवास्तव ,थाना प्रभारी अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

जाम में फंसकर चिड़चिड़ाये लोग , देर रात से लेकर सुबह तक लगा रहा जाम

कानपुर-सागर हाईवे पर लगा 30 किलोमीटर लंबा जाम

संवाददाता, घाटमपुर

जाम में फंसे खड़े ट्रक, डंपर और अन्य वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर के कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिधनू थाना क्षेत्र के रमईपुर चौराहे के पास देर रात दो ट्रक खराब हो गए थे। इसके बाद धीरे-धीरे वाहनों का रुकना शुरू हुआ और कुछ ही देर में ट्रकों और वाहनों की कतारें लग गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ट्रकों को क्रेन की मदद किनारे करवा दिया था और जाम को खुलवा कर वापस चली गई थी। लेकिन आड़े तिरछे खड़े और जल्दी निकलने की होड़ में ट्रक फंसते चले गये और देखते ही देखते लंबा जाम लग गया। पतारा हाईवे पर वाहनों की कतारें लगातार बढ़ती चली गईं। सुबह होते-होते यह जाम करीब 30 किलोमीटर लंबा हो गया। घाटमपुर तक हजारों वाहन चालक और यात्री घंटों तक फंसे रहे और जाम से निकलने के लिये जूझते और चिड़चिड़ाते रहे। वहीं फिर से जाम की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया।

रमईपुर चौराहे के पास देर रात दो ट्रक खराब होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एनएचआई की क्रेन की मदद से खराब ट्रकों को सड़क किनारे कराकर कुछ देर में यातायात चालू करा दिया गया। इसके बाद पुलिस बल मौके से वापस लौट गया। हालांकि, रात में सहालग तेज होने के चलते हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ता चला गया। इस दौरान आड़े तिरछे घुसे वाहनों से जाम लगना शुरू हो गया। वहीं हाईवे पर डंपर चालकों के सो जाने से जाम और बढ़ गया। जानकारी मिलते ही फिर से पहुंची पुलिस जाम खुलवाने का प्रयास करती रही। रातभर वाहनों की कतारें बढ़ती रहीं और सुबह तक हाईवे पर जाम करीब 30 किलोमीटर तक फैल गया। रमईपुर चौराहे से लेकर पतारा चौकी क्षेत्र तक ट्रक, बस, कार और अन्य भारी वाहन जाम में फंसे नजर आए। यात्रियों को न तो खाने-पीने की सुविधा मिल पाई और न ही समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके। कई स्कूली वाहन और एंबुलेंस भी जाम में फंसी रहीं । वहीं कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने हजाम खुलवा सकी।

- आटो और ई-रिक्शा वालों ने वसूला मनमाना किराया

जाम के चलते ऑटो चालकों ने सवारियों से वसूला मनमानी किराया: हाईवे पर कई किलो मीटर लंबे जाम के चलते ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने जमकर चांदी काटी। उन्होंने सवारियों से 40 रुपये की जगह 100 रुपये किराया वसूला। इसके चलते कई जगहों पर ड्राइवर और सवारियों में झगड़ा भी हुआ।

यमुना में बेखौफ जारी है बालू का अवैध खनन

घाटमपुर। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामपुर गांव में खनन पट्टे की आड़ में यमुना नदी से भारी मात्रा में बालू खनन का कारोबार चल रहा है। यहां पर एनजीटी के आदेशों का पालन न करते हुए खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामपुर गांव के समीप राम जानकी मंदिर एवं घाट के समीप भारी मात्रा में यमुना नदी से बालू खनन हो रहा है। बताते चलें कि रामपुर गांव में 5 साल के लिए बालू खनन का पट्टा हुआ है। नियमों के तहत नदी के पानी में उतरकर मशीनों से बालू खनन करना मना। परंतु नियमों को दरकिनार कर दिन-रात कई पोकलैंड मशीनें यमुना नदी में चल रही हैं। साथ ही सूत्रों के अनुसार पता चला है कि इस खदान से बिना रॉयल्टी से ट्रक व डंपर भी ओवरलोड भर कर जाते हैं। वहीं एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने कहा कि एनजीटी के नियमों का सख़्ती से पालन कराया जाएगा। मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना प्रभारी सजेती अनुज कुमार ने कहा कि यह बालू खनन का मामला है इसमें खनन विभाग ही कार्रवाई करेगा।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजी घायल

बिठूर । थाना क्षेत्र के कुरसौली गांव निवासी चाचा भतीजी गुरुवार को पारिवारिक बारात में शामिल होकर बाइक से बैरीबाघपुर से वापस घर लौट रहे थे। तभी टिकरा के पास पीछे से आए अज्ञात ऑटो चालक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बाइक सवार चाचा सुशील और उनकी भतीजी दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद राहगीरों ने दोनों को उठाकर पास के अस्पताल ले गए ऑटो चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

कार्यालय नगर पंचायत कुरारा- हमीरपुर

पत्रांक – मेमो / नोटिस/न0पं0कु0/2025–26 दिनांक–19–02–2026

सूचना प्रकाशन

(नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदक / आवेदिकाओं द्वारा इस कार्यालय के गृहकर अभिलेखो में नवीन करण निर्धारण / नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। नाम दाखिल किये जाने वाले व्यक्ति का नाम तथा नाम खारिज किये जाने वाले व्यक्ति का नाम व पता सहित नियमानुसार अंकित है। उपरोक्त के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो यह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। बादम्याद अन्यथा कि स्थिति में एक पक्षीय कर निर्धारण / नामान्तरण कार्यवाही कर दी जायेगी जिसका उत्तरदायित्व नगर पंचायत कुरारा का नही होगा।

क्र. सं.	भवन सं0	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता / भवन स्वामी का नाम जो खारिज होना है	मुहल्ला	वार्ड सं0	कर निर्धारण / नामान्तरण का आधार
1	नया भवन	श्रीमती रजनी पत्नी नेकराम	संजय गुप्ता पुत्र सुदामा प्रसाद	बस स्टैण्ड नयी बस्ती	09	बैनामानुसार
2	नया भवन	भगवानदीन पुत्र राजाराम	मंगल सिंह पुत्र जगत सिंह	बस स्टैण्ड नयी बस्ती	09	बैनामानुसार
3.	नया भवन	प्रियंका पत्नी संतराम	मनिया पुत्र जनकिया	बस स्टैण्ड नयी बस्ती	09	बैनामानुसार
4	म0सं0–92	दिनेश कुमार, सतीश कुमार पुत्रगण ओमप्रकाश	रामकली पत्नी काशीप्रसाद व रामसागर पुत्र काशीप्रसाद	बजार का उत्तरी भाग	05	बैनामानुसार

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत कुरारा, हमीरपुर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम PREM NARAIN से बदलकर PREM NARAIN PORWAL रख लिया अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। PREM NARAIN PORWAL R/0-6/854 SHIV MANDIR KE PASS, VIKAS NAGAR S-O DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना

मैं VASEEM पुत्र श्री HASANAIN, निवासी ग्राम–58, सराय जरगर, पो0 –खारोसा, थाना– कोतवाली देहात, गोण्डा, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैने अपना नाम बदलकर WASEEM AHMAD कर लिया है, अतः आज से मुझे WASEEM AHMAD के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **इकबाल अहमद पुत्र नजीबुल हसन निवासी–गाड़ी बाजार कस्बा व तहसील करनैलगंज जनपद गोंडा** का निवासी हूँ। मेरे समस्त अभिलेख में जन्मतिथि 11/02/1991 दर्ज है, जोकि सही एवं सत्य है। भविष्य में मेरे अन्य अभिलेख का सत्यापन इसी जन्मतिथि के आधार पर माना जाए।

सूचना

मैं अपने बडे पुत्र रिंकू वर्मा का चाल–चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। उसके किसी भी कृत्य से मेरा या मेरे परिवार का वास्ता सरोकार नहीं होगा, **राधेश्याम वर्मा पुत्र पारसनाथ वर्मा मोहल्ला बमपुलुस करनैलगंज, गोण्डा**

सूचना

मै **हरतालिका उर्फ ननकऊ पुत्र संतलाल ग्राम व पोस्ट भोजपुर जनपद रायबरेली** का मूल निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा में पालिसी संख्या 215573909 में मेरा नाम ननकऊ अंकित है जबकि मेरा नाम हरितालिका उर्फ ननकऊ के नाम से जाना पहचाना जाता हूं।

सूचना

मैने अपना नाम TANVEER SARA से बदलकर TANVEER ZAHARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0- MOHAMMAD HAIDER ADD-MOHALLA JAFRABAD JALALPUR DIST-AMBEDKAR NAGAR-224149(U.P.)

सूचना

मै **दानिश पुत्र हासिम अली निवासी ग्राम व पो0 परियर, थाना कोतवाली सफीपुर, जनपद उन्नाव उ0प्र0,** मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स जिसका नं0–यू0पी0 35– 20230011013 है। जिसमे पिता का नाम त्रुटिवश मोहम्मद हासिम अंकित हो गया है। जबकि आधार कार्ड, पैनकार्ड व शैक्षिक अभिभलेखो में पिता का नाम हासिम अली अंकित है जो सच व सही है। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स में मेरे पिता का नाम मोहम्मद हासिम के स्थान पर सही व वास्तविक नाम हासिम अली लिखा जावे।

सूचना

मैने और मेरी पत्नी ने अपने बड़े बेटे पुनीत कुमार व उसकी पत्नी चेतना के गलत चाल–चलन के कारण अपनी सम्पत्ति से बेदखल करते हुए सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं,उपरोक्तों के कोई कृत्य,वाद– विवाद,लेन–देन से हमारे परिवार का कोई वास्ता–सरोकार नहीं होगा। **रविकांत पुत्र वेदप्रकाश,सुनीता पत्नी रविकांत,ग्राम बेटियापुर–बेर,भरथना, इटावा,यू.पी.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथी दिवाकर रावत पुत्र श्री रामकुमार निवासी–सी–3152, राजाजीपुरम, लखनऊ का हूं। शपथी की पुत्री का सही व शुद्ध नाम आद्रीका रावत है। त्रुटिवश शपथी की पुत्री का नाम शैक्षिक अभिलेखों में आद्रीका रानावत अंकित हो गया है जो गलत है। अतः शपथी अपनी पुत्री का सही व शुद्ध नाम आद्रीका रावत अंकित कराना चाहता है। **– शपथी**

सूचना

मैंने अपने पौत्र पंकज पुत्र स्व. अशोक कुमार को उसके गलत बर्ताव चाल–चलन के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, अब उससे मेरा मेरी पत्नी राम प्यारी, पौत्र अंकित की पत्नी गायत्री, साधना पत्नी पंकज उसकी पुत्री अवनि आयु 10 साल, पुत्र अर्नव आयु छह साल से कोई संबंध नही है। इसके किसी कृत्य के लिए हम सब लोग जिम्मेदार नहीं हैं। **रामकृष्ण पुत्र सुबेदार, निवासी मो. कासूपेट, सांडी रोड, बिलग्राम–हरदोई**

3 युवकों ने पूर्व विधायक की गाड़ी पर किया पथराव

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। बिठूर थाना क्षेत्र के सिंहपुर चौराहे पर शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जाम में फंसी पूर्व सपा विधायक की गाड़ी पर अज्ञात युवकों ने हमला कर दिया। घटना में गाड़ी के शीशे टूट गए। गनीमत रही कि पूर्व विधायक को कोई गंभीर चोट नहीं आई।

जानकारी के अनुसार पूर्व बिठूर विधायक मुनीन्द्र शुक्ला अपनी गाड़ी से सिंहपुर चौराहे से गुजर रहे थे। इसी दौरान चौराहे पर लगे जाम के चलते उनकी गाड़ी भी रुकी हुई थी। तभी मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात युवक वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए गाड़ी पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आरोप है कि युवकों ने जान से मारने की धमकी भी दी और घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। उस समय पूर्व विधायक स्वयं गाड़ी में मौजूद थे।

गाड़ी का टूटा कांच दिखाते मुनींद्र शुक्ला ।

- जाम के चलते सिंहपुर चौराहे पर खड़ी थी गाड़ी, तभी कुछ युवकों ने उनपर किया हमला

घटना के बाद पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला ने बिठूर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बिठूर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

बिठूर में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के विवाह में हुई पुष्पवर्षा

संवाददाता, बिठूर

- मन्धना में परगही के महादेवन मंदिर में चल रही भागवत कथा

अमृत विचार। श्रीमद्भागवत कथा में आज भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाहोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर परिसर को पुष्प मालाओं और रंगोली से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक आभा से आलोकित हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। कथा व्यास अवनीश मिश्र ने श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को ही अपना पति स्वीकार किया था। जब उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से तय किया, तब रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपने उद्धार की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण ने आकर रुक्मिणी का हरण किया और धर्म की स्थापना करते हुए उनका विधिपूर्वक विवाह संपन्न किया। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बारात का अभिनंदन किया। रुक्मिणी हरण और परिणय का मंचन इतना भावपूर्ण रहा कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा व्यास ने अपने प्रवचन में बताया कि श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक घटना नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। रुक्मिणी की अटूट श्रद्धा और समर्पण भक्ति का आदर्श रूप है, जबकि श्रीकृष्ण धर्म, प्रेम और सत्य के प्रतीक हैं। यह विवाह दर्शाता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास से ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि एवं समाज में शांति की कामना की। कार्यक्रम में के पी सिंह श्वेता सिंह, कुंवर विक्रम सिंह, प्रदुम सिंह, भानु पंडित, अमर शुक्ला, विकाश सिंह, उपेन्द सिंह राजावत, गौरव श्याम सिंह ,आकाश, शिवम ,प्रखर शुक्ला, शिशु अग्निहोत्री समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

कथा व्यास अवनीश मिश्र।

बीईओ से अभद्रता में शिक्षक निलंबित

संवाददाता, बिल्हौर

- शिक्षक को बीआरसी से किया गया संबद्ध
- खंड शिक्षा अधिकारी की आख्या के आधार पर हुई कार्रवाई

अमृत विचार। बिल्हौर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय चौबिगही में तैनात सहायक अध्यापक विश्वनाथ कटियार को अनुशासनहीनता और अमर्यादित आचरण के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी की आख्या के आधार पर की गई है।

17 फरवरी 2026 को शिक्षक विश्वनाथ कटियार बिल्हौर खंड शिक्षा अधिकारी रवि सिंह के कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने तीन महिला शिक्षिकाओं की बोर्ड परीक्षा ड्यूटी एक विशिष्ट कॉलेज में लगवाने के लिए दबाव बनाया । इस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने नियमानुसार अन्यत्र ड्यूटी लगाने की बात कही, तो शिक्षक ने उग्र होकर अपना पहचान पत्र फाड़ दिया और अधिकारी की मेज पर फेंक दिया। यह पूरी घटना कार्यालय के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई थी। आरोप है कि उक्त शिक्षक पहले भी कई बार अनुशासनहीनता कर चुके हैं। स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से भी विभाग को शिकायतें मिली थीं कि शिक्षक अक्सर विद्यालय से अनुपस्थित रहते हैं और शिक्षण कार्य में रुचि नहीं लेते हैं। इससे पहले आरोपी शिक्षक के विरुद्ध एक महिला कर्मी को गाली देने व अपशब्द कहने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है। हालांकि मामले में पुलिस ने अभी तक आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार नहीं किया है। इन सारी शिकायतों के चलते शिक्षक को निलंबित कर दिया गया । निलंबन अवधि के दौरान शिक्षक को बीआरसी बिल्हौर से संबद्ध किया गया है। मुख्यालय के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील द्विवेदी को जांच अधिकारी नामित किया गया है । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुख्यालय के खंड शिक्षा अधिकारी को जांच दी गई है जांच के उपरांत आरोपी शिक्षक के विरुद्ध विभागीय की कार्यवाही की भी पुष्टि की जाएगी ।

तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने पर मुकदमा दर्ज

बिठूर । बिठूर के सिंहपुर में तेज आवाज में लाउडस्पीकर चलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

सिंहपुर के परेरा ग्रीन गेस्ट हाउस में देर रात तक तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाया जा रहा था। इसकी सूचना जैसे ही सिंहपुर चौकी प्रभारी अमित कुमार को मिली तत्काल वो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पाया कि निर्धारित समय सीमा के बाद भी उच्च ध्वनि में संगीत बज रहा था, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही थी। पुलिस ने तुरंत लाउडस्पीकर बंद कराते हुए गेस्ट हाउस संचालक के खिलाफ मुकदमा कराया। उपायुक्त पश्चिम के निर्देश पर परीक्षा अवधि में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

कार्यालय नगर पंचायत सरीला (हमीरपुर)

पत्रांक: 329/न0पं0– सरीला/ नि0वि0/ 2025–2026 दिनांक 19 फरवरी, 2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त फर्मो /ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सरीला द्वारा मुहाल गुरुदेवपुरा वार्ड 09 में एम0आर0एफ0 सेन्टर में मिट्टी भराई का कार्य हेतु निविदायें दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत सरीला में आमंत्रित की जाती है जो अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा दिनांक 26.02.2026 को समय 03: 00 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगीं। जिनकी बिक्री कार्यालय नगर पंचायत सरीला में दिनांक 25.02.2026 को सायं 05.00 बजे तक की जायेगी। प्रत्येक निविदा दाता द्वारा निविदा शुल्क व 02 प्रतिशत जमानत राशि नगद /आर0टी0जी0एस0 ट्रांजेक्शन नम्बर सहित मूल प्रति कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। आनलाइन भुगतान हेतु ब्रांच सरीला के भरतीय स्टेट बैंक में नगर पंचायत के एम0बी0 फण्ड खाता सं0– 40180859960 आई0एफ0एस0सी0 कोड– SBIN0017279 में जमा की जायेगी। साथ ही 100 रू0 के स्टाम्प में स्वघोषणा पत्र, 10 रू0 के स्टाम्प में 90 दिवस निविदा वैधता शपथ पत्र व 10 रू0 के स्टाम्प पर करेक्टनेस शपथ पत्र भी निविदा के साथ मूल रूप से जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा शुल्क, जमानत राशि एवं स्वघोषणा पत्र एवं शपथ पत्र मूल रूप से नगर पंचायत में ससमय न जमा करने की स्थिति में ठेकेदार की निविदा को अवैध माना जायेगा एवं प्रत्यक कार्य के लिये अलग–अलग निविदा ही मान्य होगी अन्यथा बिना कारण बताये एक अथवा सम्पूर्ण निविदायें अस्वीकार कर दी जायेगी। स्वीकार/ अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष /अधिशासी अधिकारी महादय में निहित है। नियम एवं शर्ते कार्यालय नगर पंचायत सरीला में कार्य दिवस में देखीं जा सकती है।

नोटरू– निविदा सन्दर्भित अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में सम्बन्धित विभाग/ पटल से सम्पर्क करें।

क्रमांक	मुहाल	कार्य का विवरण	आगणन राशि (जी0एस0टी0 रहित)	जमानत राशि (02%)	निविदा मूल्य	कार्यावधि
1	गुरुदेवपुरा	नगर पंचायत सरीला द्वारा मुहाल गुरूदेवपुरा वार्ड 09 में एम0आर0एफ0 सेन्टर में मिट्टी भराई का कार्य ।	236000.00	4720.00	250.00	01 माह

अधिशाषी अधिकारी
नगर पचायत सरीला
हमीरपुर

अध्यक्ष
नगर पचायत सरीला
हमीरपुर

नीलगाय का शिकार करने वाले घुमंतू गिरोह ने ग्रामीणों पर किया हमला

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अल्लीपुर में अवैध शिकार और हिंसा की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां राजस्थान के रहने वाले घुमंतू समुदाय के कुछ लोगों द्वारा एक नीलगाय को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। इस मामले का जब स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर भी जानलेवा हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार, अल्लीपुर गांव के पास डेरा डाले हुए घुमंतू लोगों ने एक नीलगाय को अपना निशाना बनाते हुए उसपर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शिकार का विरोध किया, तो आरोपी भड़क गए और ग्रामीणों पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वहां अफरा-तफरी मच गई। हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गये। घटना की सूचना मिलते ही बिल्हौर वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। बिल्हौर वन विभाग के रेंजर द्वारा इस मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोपियों की तलाश के लिए वन विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। पुलिस द्वारा क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

कार्यालय प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग कानपुर

पत्रांक 3799/15–1 दिनांक, कानपुर 18–02–2026

प्रकाशन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वृक्ष संरक्षण अधिनियम– 1976 में प्रत्येक वृक्ष को पातन करने के उपरान्त पातित किये गये वृक्ष के स्थान पर दोगुने पौधे रोपित करने और उनकी पश्चातवर्ती देख–रेख के लिये डाकघर बचत पासबुक / राष्ट्रीय बचत पत्र अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बन्धक करवाकर 05 वर्षो के लिये प्रभागीय कार्यालय में गिरवी के रूप में जमा की गयी थी। वर्तमान में कानपुर वन प्रभाग के अन्तर्गत वर्ष 2014 से वर्ष 2018 तक कुल रू0 177800.00 की जमानत धनराशि जमा है जिसमें किसी भी प्रकार का दावा प्राप्त न होने के कारण धनराशि को राजकीय कोष /विभागीय बजट में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है। अतः जनपद–कानपुर नगर के अन्तर्गत जिस भी आवेदनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 से वर्ष 2018 के मध्य वृक्ष पातन अनुज्ञा प्राप्त की है, वह प्रत्येक दशा में अपना दावा एवं काटे गये वृक्षों के बदले रोपण सम्बन्धी प्रमाण पत्र दिनांक 25.02.2026 तक कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, दीन दयाल नगर, कानपुर नगर–208002 में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उक्त दिनांक व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी व्यक्ति विशेष का दावा मान्य नही होगी।

भवदीया
(दिव्या)
प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग कानपुर

मनुष्य अपनी दुर्बलता से भली-भांति परिचित रहता है, पर उसे अपने बल से भी अवगत होना चाहिये।

— जयशंकर प्रसाद

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार, 21 फरवरी 2026

कानपुर के प्रमुख समाचार

- चमनगंज में 4 मंजिला इमारत की दुकान में लगी भीषण आग-II
- मरीजों की फड़फड़ाती जान, तीमारदार होते परेशान-III
- इंटर के 2062 परीक्षार्थियों ने छोड़ा अंग्रेजी का इम्तिहान -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

इफ्तार शनिवार शाम
सुन्नी : 6:08
शिया : 6:17

सहरी रविवार सुबह
सुन्नी : 5:18
शिया : 5:09

हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया : रमजान-उल-मुबारक में रोजेदार को इफ्तार कराने वाले को रोजेदार के बराबर सवाब (पुण्य) मिलता है।

एयरोस्पेस में अब और बढ़ेगी शहर की धमक

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान में फ्रांस के सहयोग से जल्द बनेगा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में स्थापित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पहले ही विमानों का विनिर्माण कर रहा है, अब जल्दी ही राफेल और मिराज जैसे लड़ाकू विमानों की ओवरहॉलिंग, मरम्मत, रखरखाव और मैन्यूफैक्चरिंग में प्रशिक्षण लेकर यहां के युवा एविएशन सेक्टर में अपनी धमक साबित करेंगे।

इसके लिए सीटीआई, गोविंद नगर में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) स्थापित करने का फैसला हुआ है। फ्रांस सरकार के सहयोग से खुलने वाले इस केंद्र से शहर में एयरोनॉटिक्स और डिफेंस सेक्टर में कौशल विकास की नई राह खुलेगी। भारत सरकार की योजना इसे ऐसे विश्व स्तरीय संस्थान के रूप में विकसित करने की है, जो देश के एविएशन स्किलिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के साथ तेजी से बढ़ते एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धि सुनिश्चित कर सके।

राफेल और मिराज के कल-पुर्जे बनाना सीखेंगे एनएसटीआई के छात्र

अमृत विचार ने पहले भी छापी थी खबर।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान की बनेगी अलग पहचान। अमृत विचार

- **रॉफेल और मिराज जैसे लड़ाकू विमानों की ओवरहॉलिंग और मैन्यूफैक्चरिंग सीखेंगे युवा**
- **केंद्र में एयरोनॉटिक्स व डिफेंस इकोसिस्टम के लिए तैयार होंगे उन्नत और कुशल पेशेवर**

दसॉल्ट की मदद से एरोनॉटिकल स्ट्रक्चर एंड इक्विपमेंट कोर्स

- राफेल, मिराज और फाल्कन जैसे लड़ाकू विमान बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी दसॉल्ट एविएशन के सहयोग से राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में एरोनॉटिकल स्ट्रक्चर एंड इक्विपमेंट फिटर (एएसईएफ) पाठ्यक्रम पहले ही शुरू किया जा चुका है। भारत सरकार के साथ हुए समझौते के तहत कंपनी ने इस कोर्स के तहत छात्रों को लड़ाकू विमानों के एयरो स्ट्रक्चर, कॉकपिट फिटिंग, विंग फिटिंग और बॉडी स्ट्रक्चर फिटिंग का प्रशिक्षण देने पर दो वर्ष पूर्व सहमति प्रदान की थी। इसके लिए कंपनी के दो अधिकारियों ने संस्थान का दौरा किया था। इसी के बाद संस्थान ने क्राफ्टमैन ट्रेनिंग स्कीम के तहत एरोनॉटिकल स्ट्रक्चर एंड इक्विपमेंट फिटर कोर्स का शेड्यूल जारी किया था।

हाल ही में भारत सरकार ने 114 नए राफेल विमानों की खरीद को मंजूरी दी है, जिनमें से अधिकांश का निर्माण देश में ही किया जाएगा। यह काम जहां नागपुर में होगा, वहीं कानपुर में भारत-फ्रांस की साझेदारी के तहत स्थापित होने वाले अत्याधुनिक एयरोनॉटिक्स और डिफेंस स्किलिंग सेंटर में राफेल जैसे उन्नत विमानों के रखरखाव, मरम्मत और विनिर्माण के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने के साथ ही देश के एयरोस्पेस इकोसिस्टम के लिए कुशल एविएशन पेशेवर तैयार किए जाएंगे। केंद्र में एयरपोर्ट संचालन, रक्षा विनिर्माण और संबंधित क्षेत्रों में भी उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा। सरकार की इस पहल से युवाओं को एयरोनॉटिक्स, डिफेंस और उन्नत विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए तेजी से तैयार किया जा सकेगा।

फ्रांस के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम, प्रशिक्षकों को उन्नत प्रशिक्षण: पीएम-सेतु योजना के तहत शहर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा फ्रांस सरकार के बीच लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) का आदान-प्रदान किया गया है। इसके तहत केंद्र में प्रशिक्षण के लिए संयुक्त रूप से पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे, प्रशिक्षकों के लिए अलग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। तकनीक आदान-प्रदान कार्यक्रम, भाषा प्रशिक्षण जैसे विषयों पर आसान समझ विकसित की जाएगी।

रक्षा क्षेत्र में बढ़ेगी आत्म निर्भरता

- एनएसटीआई में एयरोनॉटिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बनने वाले एयरोनॉटिक्स स्किलिंग सेंटर को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की पीएम-सेतु योजना के तहत फ्रांस सरकार के सहयोग से बनाया जाएगा। यह पहल 'मेक इन इंडिया' और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साथ शहर को एयरोस्पेस हब के रूप में विकसित करेगी। वर्तमान में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर अप्लीकेशन, ड्रेस मेकिंग, इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, फिटर, मशीनिस्ट एंड ऑपरेटर एडवांस मशीन टूल, मोटर व्हीकल मैकेनिक, टर्नर तथा वेल्डर जैसे 10 ट्रेडों में एक वर्षीय समयावधि का क्राफ्ट्स इंस्ट्रक्टर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान में अगस्त माह में ऑल इंडिया कॉमन इन्ट्रेंस टेस्ट के जरिए प्रवेश दिया जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी जैसे शार्ट टर्म प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाते हैं।

पूर्व पुलिस आयुक्त पर लगाए आरोप

कानपुर। भाजपा नेता भूपेश अवस्थी ने शुक्रवार को पूर्व पुलिस आयुक्त अखिल कुमार पर कई आरोप लगाए। कहा कि सितंबर व अक्टूबर 2024 में पूर्व पुलिस कमिश्नर ने भारी पुलिस बल भेजकर कब्जे का प्रयास किया, लेकिन नागरिकों, रेणुका वाटिका नागरिक समिति के अधिवक्ता डॉ. अखिलेश दुबे के द्वारा किए गए विधिक प्रयासों से वह अपने अभियान में सफल नहीं हुए।

तब तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने कांग्रेसी भूधर नारायण मिश्रा व फर्जी वकील आशीष शुक्ला के साथ सांठगांठ कर अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर दबाव बनाया। दबाव में न आने पर पार्क में कब्जा दिए जाने के दृष्टिगत एसआईटी का गठन कर फर्जी मुकदमे में अधिवक्ता अखिलेश दुबे को धोखे से गिरफ्तार किया गया। उनके पुत्र को 15 वर्ष पूर्व एफआर लगे फर्जी मुकदमे में वांछित कर दिया। जब कानपुर सहित पूरे देश में आई लव मोहम्मद के प्रकरण से वातावरण संवेदनशील था। तब अखिल कुमार ने पांच-पांच थाने की फोर्स, पीएसी, भारी पुलिस बल, महिला पुलिस, फायर ब्रिगेड, जेसीबी लगाकर नगर निगम द्वारा निर्मित बाउंड्रीवाल व बड़े पेड़ गिरा दिए। स्थानीय नागरिकों को डाराया व धमकाया गया।

सिटी ब्रीफ

हिस्ट्रीशीटर छह माह के लिए जिलाबदर

कानपुर। चमनगंज पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सुफियान कनखड़ा के घर के बाहर डुगडुगी पिटवाकर छह माह के जिला बदर किया है। शातिर पर चमनगंज, बेकनगंज समेत शहर के अन्य थानों में कुल 13 मुकदमे दर्ज है। चनमगंज थाना प्रभारी संजय राय ने बताया कि सफियाबाद निवासी हिस्ट्रीशीटर सुफियान कनखड़ा पर वसूली, गाली-गलौज, मारपीट समेत अन्य धाराओं में कुल 13 मुकदमे दर्ज है। बीती फरवरी में शातिर पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई थी। शुक्रवार को उसके घर के बाहर डुगडुगी पिटवाते हुए छ माह के लिए जिला बदर की कार्रवाई की गई।

कब्जा मुक्त कराई गई 80 लाख की जमीन

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के जोनल प्रभारी अधिकारी भूमि बैंक जोन-4 की टीम शुक्रवार को देहली सुजानपुर इलाके में पहुंची, जहां पर टीम ने 4000 वर्गमीटर में ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा की पड़ताल की। यहां आराजी संख्या 1324, 1387 व 1958 पर बाउंड्रीवॉल के जरिए कब्जा किया गया था। केडीए टीम ने तीन बुलडोजरों के माध्यम से ग्राम समाज की भूमि पर हुए बाउंड्रीबॉल के निर्माण को पुलिस की मौजूदगी में ध्वस्त कराते हुए कब्जा खाली कराया।

पनकी में पकड़ी गई नकली घी फैक्ट्रियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आगामी होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, कानपुर नगर की टीमों द्वारा विशेष छापेमारी एवं जांच अभियान चलाया गया।

शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने कल्याणपुर के आवास विकास तीन एवं पनकी स्थित मकानों में छापेमारी कर हजारों लीटर नकली घी, रैपर समेत नकली घी तैयार करने में प्रयुक्त होने वाली सामग्री बरामद की। आवास विकास तीन एवं पनकी स्थित मकान में खाद्य विभाग की दो टीमों ने छापेमारी कर वहां चल रही नकली घी की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। इस दौरान दोनों फैक्ट्रियों के संचालक ने बीमारी का बहाना बनाकर टीम के साथ बातचीत में असमर्थता जाहिर की। साथ ही वह टीम को फैक्ट्री संचालन से संबंधित कोई दस्तावेज भी नहीं दिखा पाए। जिस पर टीम ने एक्स्ट्रा फ्रेश व कुकिंग मीडियम के नाम के रैपर, कई सौ लीटर निर्मित घी समेत नकली घी तैयार करने में प्रयुक्त होने वाली सामग्री बरामद कर लिया। इस संबंध में असिस्टेंट फूड कमिश्नर संजय प्रताप सिंह ने बताया कि दो फैक्ट्री मिली है एक टीम कल्याणपुर दूसरी टीम पनकी में छापेमारी की। अभियान के दौरान कुल 13,972 लीटर खाद्य तेल, जिसकी अनुमानित कीमत 18,15,110 रुपये है, का नमूना संग्रहण करने के उपरांत उसे जब्त किया गया। इसी प्रकार 1,350 किग्रा रंगीन कचरी जब्त की गई जिसकी अनुमानित कीमत 19,02,860 रुपये आंकी गई है। तिवारीपुर, जाजमऊ स्थित एक कचरी निर्माण स्थल पर छापेमारी में लगभग 1350 किलोग्राम रंगीन कचरी, जिसकी अनुमानित कीमत 87,750 रुपये है। बरामद हुई।

कल्याणपुर में खाद्य सामग्री की जांच करती टीम। अमृत विचार

- **फैक्ट्रियों में हजारों लीटर नकली घी, रैपर व अन्य सामग्री बरामद**
- **दो फैक्ट्रियों पर कार्रवाई, फैक्ट्री का कोई कागज नहीं दिखा पाए**

गुमटी बाजार में हटा अतिक्रमण

कानपुर । गुमटी गुरुद्वारा क्रासिंग से संत नगर चौराहा तक सड़क के दोनों तरफ दुकानों के अतिक्रमण पर शुक्रवार को नगर निगम ने कार्रवाई की। दस्ते ने 60 से 65 अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। हालांकि इस दौरान कुछ लोगों ने विघन डालने का प्रयास किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बल्कि नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने के बाद सफाई भी करा दी।

गुमटी गुरुद्वारा क्रासिंग से संत नगर चौराहा तक सुबह से लेकर रात तक जाम के काफी हालात बने रहते हैं, जिसके कारण कई बार वाहन सवार लोगों को गलियों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन इन गलियों में भी कई बार वाहन सवार जल्दी निकलने की होड़ में आपस में फंस जाते हैं। इसकी मुख्य वजह गुमटी बाजार में अनावश्यक रूप से फैला अतिक्रमण का मकड़जाल है। क्योंकि कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकान के आगे अतिक्रमण कर रखा है और कुछ ने तो किसी अन्य दुकान वाले जगह दे रखी है।

घर का सपना साकार करने के लिए माफिया की ठगी से बचाए सरकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भूमाफिया अवैध प्लाटिंग करके लोगों को जमीन बेच देते हैं। इसके बाद जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए कानपुर विकास प्राधिकरण बुलडोजर लेकर कार्रवाई करने के लिए पहुंच जाता है। अधिकतर मामलों में अवैध प्लाटिंग या निर्माण के समय रोक नहीं लगाई जाती, इससे आम लोग ठगे जाते हैं और उन्हें घर का सपना टूटने के साथ बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

शुक्रवार को विधान परिषद में सदस्य अरुण पाठक ने भूमाफिया द्वारा अवैध प्लॉटिंग, सरकारी व ग्राम समाज की भूमि पर कब्जों तथा तालाबों और पोखरों की जमीनों की बिक्री जैसे मामलों पर कड़ी चिंता जताते हुए लोगों को ठगने वाली ऐसी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए एक समग्र कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए, ताकि लोगों को एक ही स्थान पर जमीन संबंधी सभी सही जानकारी उपलब्ध हो सके और अवैध कब्जों पर रोक लग सके।

अरुण पाठक ने सदन में उठाया मुद्दा।

- **विधान परिषद में अरुण पाठक ने कहा, अवैध प्लाटिंग रोकने के लिए समग्र योजना बनाई जाए**

- सदस्य अरुण पाठक ने प्रदेश में बढ़ते भूमाफिया के मामलों, अधिवक्ताओं की फीस वृद्धि, साइबर अपराध व ऑडिट संवर्ग में पदोन्नति जैसे विषयों पर की चर्चा की मांग

साइबर अपराधी बुजुर्गों और महिलाओं को बना रहे निशाना: विधान परिषद में अरुण पाठक ने नियम 115 के तहत प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि साइबर ठगी के मामलों में बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक रणनीति, पुलिस को विशेष प्रशिक्षण तथा आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है।

इसी तरह नियम 110 के तहत उन्होंने नगर निगम ऑडिट संवर्ग में पदोन्नति व्यवस्था की विसंगतियों का मुद्दा उठाया और कहा कि कैडर पुनर्गठन के बाद वरिष्ठ लेखा परीक्षकों की पदोन्नति की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

फॉर्मर रजिस्ट्री नहीं है तो रुक सकती सम्मान निधि

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश की योगी सरकार कृषि और किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इसी के तहत जिले में सभी किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसमें विशेषकर उन किसानों पर फोकस है, जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं। ऐसे किसानों से कहा जा रहा है कि सम्मान निधि की आगामी किस्त प्राप्त करने के लिए इस माह के अंत तक अपनी रजिस्ट्री जरूर करा लें, अन्यथा उन्हें किस्त मिलने में बाधा पैदा हो सकती है।

जरूरी जानकारी

- जन सेवा केंद्र : निकटतम केंद्र पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं।
- आपने गांव में नियुक्त कृषि विभाग के कर्मचारियों की सहायता लें।
- आधार कार्ड, भूमि की वर्तमान खतौनी और आधार से लिंक मोबाइल नंबर है जरूरी।

जागरूक किसान बोले

"मैंने सहज जन सेवा केंद्र के माध्यम से अपना पंजीकरण पूरा कर लिया है। अब सम्मान निधि की किस्त रुकने का डर नहीं है।"
– कौशल किशोर, बिल्हौर ब्लॉक

कृषि विभाग के सहायक कर्मचारियों के सहयोग से काम बहुत आसानी से हो गया। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह बहुत अच्छी पहल है।
– सुनील सिंह, ग्राम भीटी हवेली

किसान इस प्रक्रिया को केवल एक औपचारिकता न समझें। यह किसानों की डिजिटल पहचान है। पीएम किसान सम्मान निधि का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी किसान फरवरी के अंत तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्राथमिकता पर पूर्ण करें। जो किसान पंजीकरण से वंचित रह जाएंगे, उन्हें मार्च में आने वाली सम्मान निधि की अगली किस्त मिलने में कठिनाई हो सकती है।
– आरपी कुशवाहा, भूमि संरक्षण अधिकारी।

सिटी ब्रीफ

मारपीट कर मोबाइल लूटा, 25 दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर

कानपुर। बाबूपुरवा में ऑटो चालक ने सवारी से मारपीट कर उसका मोबाइल लूट लिया। कल्याणपुर आवास विकास-तीन निवासी सुनील कुमार ने दी तहरीर में बताया कि 24 जनवरी की रात वह रामादेवी से जरीब चौकी जा रहे थे, तभी टाटमील चौराहा पर जाम होने के कारण चालक ऑटो लोको ग्राउंड की ओर सुनसान रास्ते पर ले गया। दूसरे रास्ते पर जाने का विरोध करने पर शिव शक्ति मंदिर के पीछे चालक व उसके साथी ने मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। अंधेरे के कारण वह वाहन नंबर नहीं नोट कर पाया। पीड़ित के अनुसार 25 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की है।

दो पक्षों में मारपीट की क्रॉस एफआईआर

कानपुर। बाबूपुरवा के बगाही टीपीनगर में पुरानी रंजिश को लेकर बुधवार रात दो पड़ोसियों में जमकर मारपीट हुई। एक पक्ष से योगेश गौतम गौतम ने आरोप लगाया है कि राजकुमार, राधा गुप्ता, अश्वनी, अविनाश, गोल्डी व राजू सिंह व राधा देवी आदि ने घर के बाहर जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी-डंडा व लोहे की रॉड से हमला किया। जिसमें उसके भाई पृथ्वीराज व पिता राजेंद्र घायल हुए। वहीं दूसरे पक्ष से राधा देवी ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि योगेश गौतम, पृथ्वीराज, राजेंद्र व अन्य लोगों ने उनके पुत्र को घेरकर मारपीट की। बीच-बचाव में आए पति पर चापड़ व सरिया से जानलेवा हमला कर दिया। परिजनों को सबमर्सिबल की हौद में डुबोने का प्रयास किया। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए। पुलिस ने दोनों पक्ष की तहरीर पर क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की है।

ट्रक की टक्कर से कमानी कारीगर की चली गई जान

कल्याणपुर। पनकी रतनपुर निवासी 55 वर्षीय रामकिशन कमानी कारीगर थे। न्यू ट्रांसपोर्ट नगर के पास हाइवे किनारे वर्कशॉप चलाते थे। पैर में चोट लग जाने के चलते इन दिनों उनका बेटा राजकमल ही काम संभालता है। शुक्रवार को वह बैसाखी के सहारे हाइवे किनारे खड़े थे। तभी अज्ञात वाहन उन्हें रौंदता हुआ भाग निकला। घटना में मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जेसीपी ने कल्याणपुर थाने का किया औचक निरीक्षण, हालत देखी

कल्याणपुर। जेसीपी कानून एवं व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा ने शुक्रवार को कल्याणपुर थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हवालात, मालखाना, अभिलेखों का रख-रखाव, साफ-सफाई, सीसीटीवी, कम्प्यूटर कक्ष एवं दंगारोधी उपकरणों की समीक्षा की गई। साथ ही अभिलेखों को अद्यतन रखने एवं व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही मालखाना मुहर्रिर हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार द्वारा रजिस्टरों का उत्कृष्ट रखरखाव एवं वर्दी का सुसज्जित टर्नआउट प्रदर्शित किया गया। जिसकी सराहना करते हुए अपर पुलिस आयुक्त ने उन्हें नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

चमनगंज में 4 मंजिला इमारत की दुकान में लगी भीषण आग

रमजान के चलते परचून की दुकान में भरा था कई ट्रक माल, इलाके में हड़कंप

कार्यालय संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। चमनगंज स्थित रूपम चौराहा पर एक चार मंजिला बिल्डिंग के नीचे परचून की दुकान में गुरुवार की रात भीषण आग लगी जिससे हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की मदद से क्षेत्रीय लोगों ने बिल्डिंग के लोगों को बाहर निकाला लेकिन परचून की दुकान जलकर खा हो गयी। रमजान के चलते इस परचून की दुकान में कई ट्रक माल भरा हुआ था।

दुकान में भड़की आग पर काबू पाने की कोशिश करते दमकलकर्मी। अमृत विचार

गुरुवार की रात लगभग 3 बजे मिनी कंट्रोल रुम को खबर मिली कि रुपम चौराहा पर परचून की दुकान में आग लगी है। ये परचून की दुकान चार मंजिला इमारत में थी। इस बिल्डिंग में एक दर्जन से अधिक परिवार रहते हैं। घटना के समय लोग तरावीह की नमाज पढ़कर बेखबर सो रहे थे। घटना के समय लोग सहरी की तैयारी कर रहे थे और दुकानें खुल रही थीं। परचून की दुकान से धुआं उठते देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कर्नलगंज और लाटूश रोड फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और सबसे पहले क्षेत्रीय लोगों की मदद से बिल्डिंग के लोगों को बाहर निकाला गया और फिर बिजली की आपूर्ति बंद कराई गई क्योंकि बगल में ही ट्रांसफामर रखा था जिससे आग खतरनाक रुप ले सकती थी। परचून की दुकान में रमजान के लिए ट्रकों माल भरा था जो जल गया। घटना के समय हजारों की भीड़ एकत्र हो गयी क्योंकि सहरी का समय हो गया था।

- बिल्डिंग खाली कराकर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया

दादानगर में बिजली की चिंगारी से फैक्ट्री में भड़की आग

वहीं दूसरी घटना गोविंद नगर क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र दादा नगर में हुई। यहां 178 बी हाईराइज प्रीमियम व चंद्रा माइक्रोप्लास्ट फैक्ट्री में आग लगी जिससे अफरातफरी मच गई। घटना रात 3.06 बजे की है। बताते हैं कि बिजली के बोर्ड में चिंगारी निकली और तारों से सहारे फैक्ट्री तक आग पहुंच गई। आग बढ़ते देख घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। फजलगंज फायर स्टेशन से फायर की गाड़ी मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पाया।

सेल्स ऑफीसर ने फंदा लगा दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रात में की थी पार्टी, सुबह सोलर पैनल साइड पर उरई जाना था
- एकलौते बेटे की मौत से कोहराम मचा, मौत की वजह स्पष्ट नहीं

अमृत विचार। चकेरी में सोलर कंपनी के सेल्स ऑफिसर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एकलौते बेटे का शव फंदे से लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा। परिजनों ने कहा, रात में उसने घर पर पार्टी की थी। शुक्रवार की सुबह उसे उरई साइड पर जाना था। उसने फांसी क्यों लगाई, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

चंदन नगर निवासी 28 वर्षीय रिषभ श्रीवास्तव एक सोलर कंपनी में सेल्स ऑफिसर था। उसकी तैनाती नोएडा में थी। परिवार में मां बबिता और बहन साक्षी है। पिता अखिलेश की आठ साल पहले कैंसर से मौत हो चुकी है। ममेरे भाई विशाल व पारिवारिक आंशू ने बताया कि कंपनी की ओर से वह अक्सर दिल्ली और यूपी टूर पर रहता था। शुक्रवार सुबह उसे उरई सोलर पैनल की साइड पर भी जाना था। उससे पहले रात में उसने घर पर पार्टी की थी, जिसमें ममेरे भाई व अन्य को बुलाया था, लेकिन किसी कारण से कोई पहुंच नहीं पाया।

रिषभ श्रीवास्तव।

रिषभ ने अकेले पार्टी की इसके बाद कमरे में सो गया। सुबह बहन ने उसका शव फंदे से लटका देखा तो विशाल को फोन पर घटना की जानकारी दी। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। आंशू के अनुसार गुरुवार देर शाम रिषभ ने कॉल करके नॉनवेज बनाने की बात कही थी। खाने के लिए बुलाया था। एकलौते बेटे का फंदे पर शव लटका देखकर मां अचेत हो गईं। बताया कि रिषभ को मॉडलिंग का भी काफी शौक था। मुंबई से भी होकर आया था। उसने आत्महत्या क्यों की इसका कारण परिजन नहीं बता सके। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन बार प्रयास के बाद चौथी बार फंदे पर लटका

कानपुर। चकेरी के सनिगवां लउवापरुवा में तीन बार प्रयास के बाद चौथी बार अधेड़ ने फांसी लगाकर जान दे दी। 50 वर्षीय चुन्नीलाल सीपीसी माल गोदाम में पल्लेदारी करते थे। परिवार में पत्नी रानीपाल, पांच बच्चे गुड्डू, बबलू, साजन, गुड़िया व बबली हैं। छोटे भाई पप्पू पाल ने बताया कि कुछ दिनों से चुन्नीलाल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। शिवरात्रि के बाद से उनकी हालत ज्यादा बिगड़ गई थी। अजीब हरकत करने लगे थे। तीन दिन पहले भी फंदा कस लिया था, बस लटकने वाले थे, लेकिन देख लिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी समझाया था। उससे पहले भी वह दो बाहर आत्महत्या का प्रयास कर चुके थे। अक्सर मरने की बात कहते थे। उन्होंने बताया कि अक्सर उन पर नजर रखी जाती थी, लेकिन गुरुवार देर शाम घर में अकेले थे, तभी मौका पाकर फंदे से लटक गए। चकेरी थाना प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि पल्लेदार ने आत्महत्या की है। जांच की जा रही है।

डंपर ने स्कूटी सवार बच्चों को रौंदा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- सेठ मोतीलाल खेड़िया स्कूल के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- गंगा बैराज से घूमकर लौट रहे थे दोनों, घर में मचा कोहराम

अमृत विचार। विष्णुपूरी के सेठ मोतीलाल खेड़िया स्कूल के पास शुक्रवार शाम तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया और दोनों को अस्पताल लेकर पहुंची जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दूसरी स्कूटी पर सवार उसके साथी ने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो वे हैलट अस्पताल पहुंचे।

प्रेम नगर चमनगंज के कपड़ा कारोबारी का पुत्र अहमद (14), चमड़ा कारोबारी फरद का पुत्र (15) अर्स और मोहल्ले के अरमान को उनके परिजनों ने हलीम मुस्लिम कालेज में तराबी पढ़ने के लिए भेजा था लेकिन वहां जाने के बजाय वे गंगा बैराज चले गए। बैराज से लौटते समय अहमद और अर्स एक स्कूटी पर सवार हो गए जबकि अरमान दूसरी स्कूटी पर था। जब वे सेठ मोतीलाल खेड़िया स्कूल के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। स्कूटी डंपर में फंस गई और कुछ दूर तक घिसटती रही। इससे गंभीर रूप से घायल अर्स और अहमद की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी अरमान ने परिजनों को दी। जब तक वे पहुंचते पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल ले गई पर उन्हें वहां मृत घोषित कर दिया गया।

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

गंगा पुल पर कार में टक्कर, विवाद में जाम

कानपुर। जाजमऊ में पुराने गंगापुल पर तेज गति डंपर ने कार को टक्कर मार दी। कार क्षतिग्रस्त होने से चालक ने मुआवजे की मांग कर डंपर चालक से भिड़ गया। बीच सड़क विवाद होने पर जाम की स्थिति बनी। जाम लगने पर चालक डंपर छोड़कर भाग निकला, जिससे हाईवे पर उन्नाव की ओर से आने वाले वाहनों का जाम लग गया। सूचना पर थाना व यातायात पुलिस ने डंपर हटाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने डंपर को थाने में खड़ा कराया। कार चालक को तहरीर देने को कहा, लेकिन वह बिना तहरीर दिए चला गया। करीब आधे घंटे बाद हाईवे पर यातायात सामान्य हुआ।

चारपाई पर मिला शव, हत्या का अंदेशा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घर पर अकेला था युवक, जमीन के मुकदमे में कचहरी गया था पिता
- मुख्य द्वार से कमरों तक दरवाजे खुले और बत्तियां बंद मिलीं

अमृत विचार। नवाबगंज में दोस्तों के साथ घूमकर घर लौटे युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घर पहुंचे माता-पिता को एकलौते बेटे का शव चारपाई पर पड़ा देख चीख-पुकार मच गई। पिता ने जमीन के विवाद में बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा है।

गिल्लीपुरवा निवासी रामगोपाल निषाद खेती के साथ मजदूरी भी करते हैं। परिवार में पत्नी शकुंतला, शादीशुदा दो बेटियां पूजा, सुधा और एकलौता 20 वर्षीय बेटा सुमित था। पिता के अनुसार पत्नी भी एनआरआई सिटी में काम करती हैं, बेटा सुमित प्राइवेट नौकरी करता था। उन्होंने बताया कि गुरुवार वह जमीन के मुकदमे में कचहरी गए थे, पत्नी काम पर थीं। दोपहर के समय बेटा इलाके के चार युवकों के साथ पार्टी करने गया था। वह पार्टी करके लौटा, उस समय घर पर अकेला था। पिता के अनुसार शाम को वह कचहरी से लौटने के बाद पत्नी को लेने एनआरआई सिटी गए। इसके बाद दोनों लोग घर पहुंचे तो मकान का मुख्य द्वार और अंदर कमरों का दरवाजा खुला था। कमरे में पहुंचे तो देखा कमरे की लाइट बंद थी और बेटा चारपाई पर था। उन्होंने कई बार बेटे को आवाज दी, लेकिन उसमें कोई हरकत नहीं हुई। बत्ती जलाने के बाद बेटे को हिलाया तो उसकी सांसे थमी थीं। शरीर ठंडा पड़ चुका था। रोते-बिलखते बेटे को समीप के अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सुमित।

बेटे की हत्या का आरोप लगाकर फफक पड़े पिता।

पिता के अनुसार उनका एनआरआई के पीछे एक बीघा चार बिसवा जमीन है। जिसका मामला कोर्ट में विचाराधीन है। उन्होंने शक जाहिर किया कि उसी विवाद के चलते बेटे की हत्या की गई है। इससे पहले उनके घर में छोटी बेटी रहती थी। जिसकी बीती चार फरवरी को शादी कर दी है। मौजदू समय में बेटा ही घर पर अकेला रहता था। इसलिए घर पर ही हत्या की गई है। थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर के आधार पर कार्रवाई होगी।

11 साल पहले लापता हो गया था एक बेटा

रामगोपाल के अनुसार उनके एक बेटा और गोलू था। जो 11 साल पहले लापता हो गया था। काफी तलाश की, लेकिन उसका आज तक कुछ पता नहीं चला है। सुमित ही उनका एकलौता सहारा था। न कोई कर्ज और न ही उसे कोई समस्या थी। उसकी शादी का विचार कर रहे थे। जमीन के रंजिश में ही बेटे की हत्या की गई है। क्योंकि उनकी जमीन एक करोड़ से ऊपर की है।

प्यार में तकरार, दसवीं के छात्र ने दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुजैनी में दसवीं के छात्र ने एकतरफा प्यार में इनकार मिलने पर फांसी लगा ली। आत्महत्या से पहले छात्र के मोबाइल पर आखिरी कॉल भी उसी लड़की की मिली। परिजनों ने भी इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा और जांच के लिए मोबाइल कब्जे में लिया है। छात्र ने 18 फरवरी को हिंदी का पहला बोर्ड पेपर दिया था। बेटे की मौत पर परिजनों में कोहराम मच गया।

मूलरूप से कन्नौज के मानीमऊ निवासी रवींद्र कुमार गौतम प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी बबली, बड़ा बेटा अतुल, दो शादीशुदा बेटियां ज्योति, आरती और सबसे छोटा 17 वर्षीय बेटा अर्पित उर्फ आर्यन था। अतुल के अनुसार आर्यन बर्रा स्थित बाल समाज स्कूल में दसवीं का छात्र था। इस समय उसकी बोर्ड परीक्षा चल रही थी। दो दिन पहले उसने हिंदी का पहला पेपर दिया था।

घटना के बारे में जानकारी देते छात्र के पिता और परिजन। अमृत विचार

अतुल के अनुसार गुरुवार वह काम पर गए थे। मां की बच्चेदानी में गांठ होने के कारण पिता उन्हें लेकर डॉक्टर के पास अस्पताल गए थे। डॉक्टर ने कई जांच कराई और ऑपरेशन के लिए कहा था, इसलिए पिता को घर लौटने में देरी हो गई। इस बीच आर्यन घर पर अकेला था। तभी उसने फंदे से लटककर जान दे दी। अतुल ने बताया कि मां के अस्वस्थ होने के कारण घर का कामकाज बाधित था। इसलिए पिता ने गांव से रिश्तेदार महिला को बुलाया था। देर शाम घर पहुंचे रिश्तेदारों ने खिड़की से झांककर देखा तो आर्यन का शव फंदे से लटका मिला। खबर पाकर मां-पिता अस्पताल से घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव फंदे से उतारा।

फोन की काल डिटेल खंगाल रही पुलिस

परिजनों के अनुसार आर्यन के फोन पर आखिरी कॉल किसी लड़की की आई थी। उस नंबर से पता चला कि आर्यन उससे प्रेम करता था। उसने प्रपोज किया था, लेकिन लड़की ने मना कर दिया। लड़की से बात करने के बाद उसने जान दी है। पुलिस मोबाइल की काल डिटेल खंगाल रही है।

शादी के ढाई महीने बाद युवती की हुई मौत, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पिता बोले, बेटी को सांवली, ऊपरी साया बताकर करते थे प्रताड़ित

अमृत विचार। शादी के ढाई माह बाद नवविवाहिता का शव बेड पर पड़ा मिला। खबर पर मायकेवालों में चींख-पुकार मच गई। परिजनों का आरोप है कि 75 दिन में बेटी को ससुराल में खूब प्रताड़ित किया। उसे सांवला बताकर पति दूसरी युवती को ले आया। बेटी पर ऊपरी साया बताया। तीन बार उसे बेरहमी से पीटा, घर से भगा दिया। रिश्तेदारों के दबाव में बेटी को विदा किया तो उसकी हत्या कर दी। सूचना पर रेलबाजार पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा है।

कैंट के फेथफुलगंज निवासी कुलदीप की शादी बीती पांच दिसंबर को उन्नाव के बांगरमऊ की रहने वाली 23 वर्षीय अंजली से हुई थी। पिता छोटे लाल ने बताया कि गुरुवार देर रात दो बजे उन्हें बेटी के मौत की खबर मिली। तत्काल मौके पर पहुंचे तो बेटी का शव बेड पर पड़ा था। उसके ससुरालियों ने संदिग्ध हालात में मौत होना बताया, लेकिन उसके शरीर पर चोटों के निशान मिले।

छोटे लाल ने आरोप लगाया कि शादी को एक माह भी नहीं बीते थे और बेटी से कुलदीप ने मारपीट की। उसने कहा कि अंजली उसे पसंद नहीं है, क्योंकि उसका रंग सांवला है। इसके बाद उसने कई बार बेटी से मारपीट की। खिचड़ी से पहले बेटी को घर से भगा दिया। आरोप लगाया कि उसके ऊपर ऊपर साया है। रात में वह खुले बाल करके आंगन में खड़ी होती है। बेटी को मायके भेजने के बाद कुलदीप दूसरी युवती ले आया, जिससे उसका प्रेम प्रसंग था।

इसका पता चलने पर विरोध किया। रिश्तेदारों के दबाव में वह बेटी को विदा कराकर ले गया, लेकिन उससे मारपीट की। इसकी जानकारी बेटी ने दी थी। अंजली के भाइयों रजत, सागर व ललित ने आरोप लगाया कि कुलदीप अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था।

खुल रही कुंडली | काकादेव कोचिंग मंडी से शुरू हुआ था शातिर शैलेंद्र की जालसाजी का खेल

कोचिंग पढ़ाते-पढ़ाते बांटने लगा था डिग्रियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिना परीक्षा दिए हाईस्कूल से लेकर बीटेक, बीफार्मा, एलएलबी समेत अन्य डिग्रियां उपलब्ध कराने वाला सिंडिकेट काकादेव स्थित कोचिंग मंडी से शुरू हुआ। इसके बाद नौ राज्यों में सालसाजी का नेटवर्क फैल गया। कोचिंग मंडी में पढ़ाते हुए सरगना शैलेंद्र छात्रों के पास कराने का ठेला लेने, एडमिशन कराने और फिर बिना परीक्षा डिग्रियां बांटने लगा था। उसके बाद साकेतनगर में कार्यालय बनाया, फिर उसकी शाखाएं नेटवर्क वाले हर प्रदेश में खुलीं।

शैलेंद्र और उसके सिंडिकेट से जुड़े शातिर विश्वविद्यालयों के लिपिकों व कर्मचारियों के संपर्क में आकर फर्जी डिग्रियां और मार्कशीट बनाने लगे। वांछित आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी है। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि मूलरूप से रायबरेली के ऊंचाहार का रहने वाला शैलेंद्र वर्ष 2010 तक काकादेव में गणित की कोचिंग पढ़ाता था, यह बात सामने आई हैं। इसी दौरान शैलेंद्र कई निजी विवि के संपर्क में आया और उनके लिए एजेंट के रूप में काम शुरू किया।

निजी विश्वविद्यालयों में कम फीस पर बीटेक, एमटेक, बी-फार्मा, डी-फार्मा समेत अन्य कोर्स के लिए कमीशन पर दाखिले करवाने लगा था। जिसके जरिए वह छतरपुर के आरोपी मयंक भारद्वाज, हैदराबाद का मनीष उर्फ रवि, गाजियाबाद का विनीत, भोपाल का शेखू उर्फ ताबिश, नागेंद्र, जोगेंद्र व अश्वनी के संपर्क में आया। इसके बाद 2012 से शैलेंद्र ने फर्जी डिग्री-मार्कशीट बनाकर बेचने वाला गिरोह खड़ा किया।

23 को परीक्षा, दांव पर लगा छात्रों का भविष्य

फर्जी डिग्रियां बांटने का सरगना शैलेंद्र के सिंडिकेट का खुलासा होने पर शहर के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट छात्रों में भी हड़कंप मचा है। इसका पता शुक्रवार को चला, जब एक पीड़ित थाने पहुंचा। उसने बताया कि वह मूलरूप से आजमगढ़ जनपद का रहने वाला महेंद्र यादव है, जो क्षेत्र के एक शौचालय में चौकीदार है। उसने बताया कि उनका परिवारिक भाई प्रभात यादव काकादेव से नीट की तैयारी कर रहा है। उसने गणित से इंटर किया था। अब उसे जीव विज्ञान से करना था। कोचिंग के दौरान ही वह शैलेंद्र के संपर्क में आया। शैलेंद्र ने उससे चार हजार रुपये लेकर प्राइवेट फार्म भरवाया था। 15 फरवरी को प्रवेश पत्र लेने के लिए प्रभात ने शैलेंद्र से संपर्क किया तो वह टालमटोल करने लगा। 23 फरवरी को भाई की परीक्षा है, लेकिन उसे यह नहीं पता कि शैलेंद्र ने फार्म किस कालेज से भरवाया है। अगर वह परीक्षा नहीं दे पाया तो उसकी नीट की तैयारी का खर्च व पूरा साल बर्बाद हो जाएगा। ऐसे पता नहीं कितने छात्र हैं जिनके भविष्य पर दांव लगा है।

40 प्रतिशत कमीशन पर करता था काम

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि डिग्रियां उपलब्ध कराने वाला सिंडिकेट 40 प्रतिशत कमीशन पर काम करता था। फर्जी डिग्रियों से होने वाली कमाई का 60 प्रतिशत विश्वविद्यालयों के लिपिक, कर्मचारियों के पास जाता था। सरगना शैलेंद्र ने पहले एडमिशन एजेंट के रूप में काम शुरू किया था। इसके बाद पैठ बनने पर तमाम विश्वविद्यालयों के लिपिकों और कर्मचारियों के संपर्क में आने के बाद वह फर्जी डिग्रियां और मार्कशीट का कारोबार करने लगा।

पत्नी से विवाद के बाद दी जान

कल्याणपुर। पनकी में युवक ने पत्नी से विवाद होने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंचे पलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अरुण।

सचेंडी भैलामऊ निवासी 36 वर्षीय अरुण पनकी के कटरा गांव में किराए पर रहकर प्राइवेट नौकरी करते थे। परिवार में पत्नी सोनी व तीन बेटियां हैं। शुक्रवार को शराब के नशे में घर आए अरुण का पत्नी से विवाद हो गया। जिससे नाराज अरुण दूसरे कमरे में चला गया, जहां उसने पंखे से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी सोनी ने बताया कि पति शराब के लती थे। जिसका विरोध करने पर वह अक्सर गाली गलौज व मारपीट करते थे।

मौके पर पहुंचे पुलिस पर फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर पत्नी से पूछताछ की। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि दंपती के बीच विवाद की बात सामने आई है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई क जाएगी।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, चित्रकूट।

पत्रांक 1709/जि0का0अधि0 / आ0बा0 चयन / 2025–26, दिनांक: 19 फरवरी, 2026

अंतिम तिथि का विस्तारीकरण

निदेशालय पत्रांक सी–4332/बा0 वि0 परि0 / आ0 बा0/ नियुक्ति/2025–26 दिनांक 27.01.2026 के अनुपालन में नवीन चयन प्रक्रिया से आच्छादित जनपद चित्रकूट में आंगनवाडी कार्यकत्रियों के 86 रिक्त पदों पर पात्र आवेदिकाओं से विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.in/ पर आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित करने हेतु कार्यालय विज्ञप्ति संख्या सी–1644 दिनांक 31.01.2026 के द्वारा विज्ञप्ति अपलोड की गयी थी, जिसकी अन्तिम तिथि 22.02.2026 निर्धारित है।

अतएव उक्त विज्ञप्ति संख्या सी–1644 दिनांक 31.01.2026 के सापेक्ष आंगनवाडी कार्यकत्रियों के 86 पदों हेतु पात्र आवेदिकाओं द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.03.2026 के 12:00 PM बजे तक विस्तारित की जाती है।

विज्ञप्ति की शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

(पी0डी0 विश्वकर्मा)
जिला कार्यक्रम अधिकारी,
चित्रकूट।

मरीजों की फड़फड़ाती जान, तीमारदार होते परेशान

संस्थान में कैंसर की कई महत्वपूर्ण जांचों की सुविधा उपलब्ध नहीं, जरूरत की दवाएं भी मयस्सर नहीं

250 मरीज औसतन रोज पहुंचते हैं

25 पदों को भरने की डिमांड लंबित पड़ी

जेके कैंसर संस्थान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े कैंसर संस्थान में शुमार जेके कैंसर संस्थान बदहाली से जूझ रहा है। यहां पर कैंसर संबंधित कई महत्वपूर्ण जांच नहीं की जा रही है। इसके अलावा दवाओं की भी कमी है। यहां न सिर्फ जांच के लिए मरीजों को अन्य अस्पताल व पैथोलॉजी जाना पड़ रहा है, बल्कि दवाएं भी अब तो बाहर की लिखी जा रही हैं। जबकि संस्थान के निदेशक डॉ.एसएन प्रसाद ने स्पष्ट रूप से आदेश जारी किया है कि कोई भी डॉक्टर बाहर की दवा नहीं लिखेगा।

रावतपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान में प्रतिदिन 200 से 250 मरीजों को सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ओपीडी में परामर्श तो मिल रहा है, लेकिन दोपहर दो बजे के बाद यहां पर सन्नाटा पसर जाता है। ओपीडी का दवा वितरण कक्ष बंद हो जाता है और जरूरी जांचें तक नहीं की जाती है। ऐसे में अगर किसी

जेके कैंसर संस्थान में दो बजे के बाद बंद दवा वितरण कक्ष। अमृत विचार

मरीज को दवा की जरूरत होती है तो उसे मजबूरन निजी मेडिकल स्टोर से महंगे दमों में दवा खरीदनी पड़ जाती है।

इसके अलावा जांच के लिए मरीजों को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर हैलट अस्पताल या निजी पैथोलॉजी में जाना पड़ता है। इसकी मुख्य वजह संस्थान में कैंसर संबंधित जरूरी जांच व दवा के लिए पर्याप्त सुविधा का न होना है। सरकार भी इस संस्थान पर ध्यान नहीं दे रही है। बजट में भी जेके कैंसर संस्थान को कुछ नहीं मिला, जबकि सरकार ने बजट में लखनऊ के कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के लिए खजाना खोल दिया। अब यहां पर सरकार ने 750 करोड़ रुपये की लागत से प्रोटॉन बीम थेरेपी मशीन स्थापित करने की घोषणा की है। संस्थान में लीनियर एक्सिलेटर मशीन तक नहीं है। सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा सभी मरीजों को नहीं मिल रही है। कोबाल्ट मशीन का संचालन भी किसी तरह से किया जा रहा है।

संस्थान में इलाज की आस में बैठे मरीज और उनके तीमारदार।

- **ओपीडी का समय खत्म होने के बाद पसर जाता सन्नाटा**
- **प्राइवेट मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदने को मजबूर लोग**

इन पदों पर तैनाती हो तो बने कुछ काम

- जेके कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एसएन प्रसाद के मुताबिक सर्जन अंकोलॉजिस्ट के दो पद, रेडियोलॉजिस्ट का एक पद व एमएससी नर्सिंग के तीन पद संस्थान में खाली है। शासन को पत्र लिखकर छह सीनियर रेजिडेंट, छह रेडियोथेरेपिस्ट, सात सर्जकिल अंकोलॉजिस्ट व आदि की मांग की जा चुकी है। लीनिसर एक्सीलेटर के संबंध में भी पत्र लिखा गया है। वर्तमान में कीमोथेरेपी हो रही है। कैंसर की जांच करने के लिए बॉयोप्सी की जा रही है। शासन से हाल में ही एक खुशखबरी मिली है कि जल्द ही संस्थान में 30 से 35 स्टाफ की तैनाती की जाएगी।

क्या कहते हैं माननीय

जेके कैंसर संस्थान की बदहाली दूर कराने के लिए विधानसभा में मुद्दा उठाया जा चुका है। अब तक इसकी बदहाली क्यों नहीं दूर की गई और बजट में भी इसको दूर क्यों रखा गया? इसका जवाब विधानसभा में मांगा जाएगा।
-अमिताभ बाजपेई, विधायक सपा

जेके कैंसर संस्थान में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए विधानसभा में बात रखी जा चुकी है। इसके अलावा हैलट को एम्स बनाने का मुद्दा भी उठाया जा चुका है, ताकि मरीजों को और अच्छा इलाज मिले।
-अभिजीत सिंह सांगा, विधायक भाजपा

जेके कैंसर संस्थान में मरीजों को कैंसर संबंधित सभी प्रकार की जांचों व इलाज की सुविधा मिले, इसके लिए प्रयास किया गया है। जल्द ही सरकार कैंसर संस्थान की स्वास्थ्य सुविधाओं को अपग्रेड करने का काम करेगी।
-देवेंद्र सिंह भोले, सांसद

जेके कैंसर संस्थान में शहरी और ग्रामीण दोनों जगहों से मरीज इलाज के लिए आते हैं, ऐसे में अगर वहां कैंसर संबंधित जरूरी जांच व इलाज नहीं हो रहा है तो सरकार से सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रयास किया जाएगा।
- राहुल बच्चा सोनकर, विधायक भाजपा

सिटी ब्रीफ

आज इन इलाकों में नहीं आएगी बिजली

कानपुर। स्वरूप नगर, कमल चौराहा, शास्त्री नगर सेंटल पार्क व महाबलीपुरम के मोहनी मडवाड़ी में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को चार बजे तक नहीं रहेगी। इसके अलावा तिवारी घाट, लाइट हाउस, रतनलाल नगर, गोपाल नगर, सिंहपुर व नवशील धाम में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को पांच बजे तक गुल रहेगी।

तकनीकी समस्या से यहां गुल रही बत्ती

कानपुर। शहर के बारासिरोही उपकेंद्र के न्यू बारा सिरोही, न्यू गूबा गार्डन, माधवपुरम, बंबा रोड व रतन पैनोरमा में बिजली पावर ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या आने के कारण सुबह आठ बजे गुल हो गई, जो 10 बजे आई। वहीं, बर्रा विश्व बैंक के ई व डी ब्लाक में बिजली दोपहर एक बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं रहेगी, जिसकी वजह से क्षेत्र के लोगों को परेशानी हुई।

छात्रों ने किया दौरा

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने आईआईटी इन्क्यूबेशन सेंटर का दौरा किया। इंडस्ट्रियल विजिट की शुरुआत संस्थान के निदेशक प्रो सुधांशु पांडया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अंशु यादव एवं प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर डॉ सिधांशु राय द्वारा किया। गया। निदेशक प्रो सुधांशु पांडया ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को नवाचार, उद्यमिता और उद्योग-शिक्षा सहयोग के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था।

वैज्ञानिकों ने दिए टिप्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में चल रहे पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन हो गया। निदेशक प्रसार डॉ वीके त्रिपाठी ने किसानों को वर्तमान परिस्थिति के अनुसार खेती करने की सलाह दी। वे अपनी आमदनी को सुरक्षित बनाए रखने के लिए कृषि विविधीकरण अपनाना आवश्यक है। गांवों में मधुमक्खी पालन, गोपालन, बीज उत्पादन, केले की खेती, ड्रैगन फ्रूट आदि नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करें। जिससे आमदनी में इजाफा हो।

शहर के पर्यटन विकास पर होगा मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के पर्यटन के स्वरूप को बेहतर करने के लिए 22 को विशेष मंथन होगा। कई क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक साथ मिलकर पर्यटन को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इस चर्चा में चुनौतियों को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा नए उभरते हुए पर्यटन के आयामों को भी विचारों में जोड़ा जाएगा।

सोसाइटी फॉर टूरिज्म डेवलपमेंट की ओर से 22 को होटल प्रिस्टीन में कानपुर टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित होगा। इसमें कमिश्नर के विजयेद्र पाडियन मौजूद रहेंगे। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। मर्चेंट चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. आईएम रोहतगी, आरोहम के संस्थापक डॉ. उमेश

इंद्रमोहन रोहतगी।

उमेश पालीवाल।

मनोज गुप्ता।

पालीवाल, एमकेयू के चेयरमैन मनोज गुप्ता, यूपी स्टेट हैंडलूम कॉरपोरेशन के एमडी प्रमोद चंद्र ठाकुर, केएचजीएसआरए के प्रेसिडेंट एसएस मलिक विचार रखेंगे। संस्था के फाउंडर व चीफ क्वार्डिनेटर डॉ. सुधांशु राय ने बताया कि शहर में पर्यटन के लिए काफी संभावनाएं हैं। इसके बावजूद शहर वह स्तर नहीं छू सका है। ऐसे में यह जरूरी है कि शहर के बेहतर स्वरूप को सामने लाने के लिए मंथन हो। इस कॉन्क्लेव में सभी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शहर में पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के लिए अपने सुझाव देंगे। कॉन्क्लेव में शहर के पारंपरिक पर्यटन पर मंथन करने के साथ ही नए अवसर जैसे मेडिकल टूरिज्म के साथ ग्रामीण क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ाने पर खासतौर पर चर्चा होगी। औद्योगिक पर्यटन को बेहतर करने पर चर्चा होगी।

465 आवासीय भूखंडों के लिए 2615 आवेदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर विकास प्राधिकरण के अटल बिहारी सभागार में शुक्रवार को ई-लॉटरी का आयोजन किया गया, जिसमें शताब्दी नगर सेक्टर-3, जवाहरपुरम् सेक्टर-4, जवाहरपुरम सेक्टर-1 व जवाहरपुरम् सेक्टर-1ए के विभिन्न श्रेणी के 465 आवासीय भूखंडों की ई-लॉटरी कराई गई। इन भूखंड़ों के लिए 2615 लोगों ने आवेदन किया, जो आवासीय भूखंडों के मुकाबले पांच गुना अधिक है।

कानपुर विकास प्राधिकरण ने 24 अक्टूबर 2025 को शताब्दी नगर सेक्टर-3 के विभिन्न श्रेणी के 69 भूखंड, जवाहरपुरम् सेक्टर-4 के 196 भूखंड, जवाहरपुरम सेक्टर-1 के 56 भूखंड और जवाहरपुरम् सेक्टर-1ए के 144 भूखंडों की ई-लाटरी के लिए विज्ञप्ति प्रकाशित की थी, जिसमे 60 वर्गमीटर से 300 वर्गमीटर तक के भूखंड सम्मिलित किये गये थे। ई-लॉटरी होने से किसी भी आवेदक को प्राधिकरण या बैंक जाने की आवश्यकता नहीं थी और घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से आवेदन किया जा सकता था, जिसके कारण कानपुर नगर व आसपास के शहरों के आवेदकों ने 465 भूखंडों के सापेक्ष पांच गुना से अधिक 2615 आवेदन फार्म भरे गए।

मोबाइल पर ई-लॉटरी की प्रक्रिया देखते आवेदक। अमृत विचार

शुक्रवार को केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गब्र्याल की मौजूदगी में आवेदकों के सामने ई-लाटरी पारदर्शिता के साथ सम्पादित करायी गई, जिसका एलईडी टीवी पर लाइव प्रसारण किया गया। वहीं, जो आवेदक सभागार में नहीं आ सकते थे, उनके लिए यू-ट्यूब पर केडीए के ऑफिशियल चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग भी करायी गयी। इन भूखंडों की बिक्री से प्राधिकरण को करीब 215.00 करोड़ की आय होगी। ई-लॉटरी के दौरान सचिव अभय कुमार पाण्डेय, मुख्य अभियंता आरआरपी सिंह, मुख्य नगर नियोजक मनोज कुमार, विशेष कार्याधिकारी सत् शुक्ला, विशेष कार्याधिकारी मीनाक्षी गुप्ता, सहा. लेखाकार अखिलेश मिश्रा व विक्रय जोन-2बी का स्टॉफ रहा।

निजी हॉस्पिटल के बाहर टीम के साथ नोडल अधिकारी डॉ .रमित रस्तोगी।

चकेरी के तीन प्राइवेट अस्पतालों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **चकेरी के तीन अस्पतालों को नोटिस, दो को दी हिदायत**
- **स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नौ निजी अस्पतालों का किया निरीक्षण**
- **दो निजी अस्पतालों पर दो बच्चियों की मौत होने के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग**

अमृत विचार। जिले के दो निजी अस्पतालों पर दो बच्चियों की मौत होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अभियान का संचालन तो किया जा रहा है, लेकिन यह काफी समय बीतने के साथ सुस्त नजर आ रहा है। निजी अस्पतालों पर निरीक्षण करने की संख्या दिन पर दिन कम होती जा रही है। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चकेरी क्षेत्र में नौ अस्पतालों का निरीक्षण किया, जिसमे से तीन को नोटिस और दो अस्पतालों को हिदायत दी गई।

बिठूर के राजा हॉस्पिटल में नवजात की जलकर मौत होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी अस्पतालों के खिलाफ अभियान का संचालन शुरू किया था और कल्यानपुर और चकेरी क्षेत्र में 100 से अधिक निजी अस्पतालों में निरीक्षण करीब 50 अस्पतालों को नोटिस जारी किया था। इसी बीच चौबेपुर के प्रकाश नर्सिंग होम में एक और बच्ची की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को प्रकाश नर्सिंग होम को सील किया और शुक्रवार को टीम ने सीएमओ कार्यालय के पास संचालित किए जा रहे नौ अस्पतालों का चकेरी पुलिस के साथ गहनता से निरीक्षण किया।

नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ.रमित रस्तोगी ने बताया कि निरीक्षण में रामादेवी स्थित मॉडर्न ऑर्थो हॉस्पिटल व मोहिनी हॉस्पिटल में डॉक्टर मौके पर उपस्थित नहीं मिले। सूर्य हॉस्पिटल के आईसीयू के स्टाफ आईसीयू ड्रेस नहीं पहने हुए थे। इसलिए तीनों अस्पतालों को नोटिस जारी कर तीन कार्य दिवस में जवाब मांगा गया है।

वहीं, लक्ष्मी हॉस्पिटल व बेबी केयर हॉस्पिटल बिना पंजीकरण संचालित मिला। यहां पर जब पूछताछ की गई और दस्तावेज चेक किए गए तो पता चला कि पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है, जिसपर निरीक्षण अधिकारी ने बिना पंजीकरण कराये चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित नहीं किए जाने की सख्त हिदायत दी। बताया कि यह अभियान जारी रहेगा।

जनगणना का पहला चरण 22 मई से शुरू होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **एक माह चलने वाली जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी**
- **पहली बार नागरिकों को स्वगणना का विकल्प दिया गया**

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में पहले अप्रैल के महीने में जनगणना कराने की तैयारी की गई थी लेकिन पंचायत चुनाव में हो रही देरी के चलते जनगणना का काम अब 22 मई से शुरु होगा जो पूरे एक माह चलेगा। इस कार्य में जिला प्रशासन ने 13 हजार से अधिक कर्मियों को तैनात करने की तैयारी की है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विवेक चतुर्वेदी के मुताबिक अपने शहर में जनगणना का पहला चरण 22 मई से शुरु होगा जो 20 जून 2026 तक चलेगा। इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और पहली बार नागरिकों को स्वगणना का विकल्प दिया गया है। जनगणना से पूर्व 15 दिनों की अवधि में नागरिक सेंसस सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल एवं एप के माध्यम से स्वयं अपनी गणना कर सकेंगे। बीते दिनों इसको लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन सभागार में बैठक हो चुकी है जिसमें जनगणना की समयसीमा, कार्ययोजना और डिजिटल प्रक्रिया को लेकर मंथन किया गया था।

जनगणना में 33 प्रकार के कॉलम में देना होगा जवाब

- सरकार के निर्धारित ऑनलाइन प्रश्नावली भरकर कोई भी सामान्य शख्स स्वगणना कर सकता है। घर-सूचीकरण चरण के दौरान सर्वेक्षक भवन के उपयोग, निर्माण सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व की स्थिति, जल, विद्युत और शौचालय की उपलब्धता, खाना पकाने के ईंधन के प्रकार तथा फोन, वाहन और टेलीविजन जैसी परिसंपत्तियों से संबंधित कुल 33 प्रकार के विवरण दर्ज करेंगे। मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण 28 फरवरी तक, फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण 31 मार्च तक और प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण हर हाल में 15 मई तक पूर्ण कर लिया जाए। बताते चलें कि पंचायत चुनाव फरवरी 2026 में प्रस्तावित था लेकिन पंचायत चुनाव होने में अभी समय लगेगा, ऐसे में जनगणना का कार्य शुरु हो जाएगा।

जनगणना 2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी, जो गांव, शहर और वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा और सबसे विश्वसनीय स्रोत होती है। जनगणना का द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा। जनपद में जनगणना कार्य के लिए कुल 13,089 कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। इसके माध्यम से जनसांख्यिकीय विवरण, मूलभूत सुविधाएं, आवास की स्थिति, परिसंपत्तियां, धर्म, भाषा, साक्षरता, शिक्षा, आर्थिक गतिविधियां और उर्वरता जैसे विषयों पर सूक्ष्म स्तर का डेटा प्राप्त होता है। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी।

आरटीओ में एकमुश्त टैक्स जमा करने पहुंचे वाहन स्वामी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **आरटीओ परिसर में 81 वाहन स्वामियों को दी शिविर में राहत**

अमृत विचार। संभागीय परिवहन विभाग के सारथी भवन में दो दिनी परिवहन मेले का आयोजन हुआ, जिसमें वाहन स्वामी को टैक्स में बड़ी राहत दी जा रही है। जो टैक्स तिमाही जमा होता था, वह एकमुश्त जमा करने की छूट दी गई है।

शुक्रवार को पहले दिन 81 वाहन स्वामियों की समस्याओं का समाधान किया गया। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव, एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार, एआरटीओ प्रवर्तन विध्यांचल प्रसाद गुप्ता, एआरटीओ आकांक्षा सिंह, यात्री कर अधिकारी दिनेश कुमार एव दीपक सिंह, मोटर यान निरीक्षक संतोष कुमार आदि ने वाहन स्वामियों की शंका का समाधान किया। कुल 6 वाहन स्वामियों ने एकमुश्त टैक्स जमा किया। इस योजना का लाभ देते हुए कुल 4.67 लाख रुपये अर्जित किये। यूपी मोटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कटारिया, मंत्री गोल्डी गांधी, कानपुर बस एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव पाठक, मंत्री संजय वाजपेयी, अमित अंशवानी, कानपुर लोडर एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्की जायसवाल, उप्र. ई-रिक्शा एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

व्यापार बंधु की बैठक

निवेश मित्र के 12 लंबित प्रकरणों पर डीएम ने जताई नाराजगी, अतिक्रमण और मंडी में नुकसान जैसे मुद्दों पर कार्रवाई के निर्देश

ग्रीन बेल्ट में दोबारा अतिक्रमण होने का व्यापारियों ने उठाया मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिला उद्योग बंधु एवं जिला व्यापार बंधु की बैठक में शुक्रवार को हुई। बैठक में निवेश मित्र के 12 लंबित प्रकरणों पर डीएम ने नाराजगी जताई। अतिक्रमण और मंडी में नुकसान जैसे मुद्दों पर जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों की समस्याएं किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहनी चाहिए।

बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर समयसीमा के बाद लंबित 12 प्रकरणों की समीक्षा की गई। इनमें सबसे अधिक सात प्रकरण हाउसिंग विभाग के पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। संबंधित विभागाध्यक्ष को पत्र लिखकर विलंब के लिए उत्तरदायी कार्मिकों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। फूड सेफ्टी एंड ड्रग विभाग, यूपीसीडा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा यूपीपीसीएल के लंबित

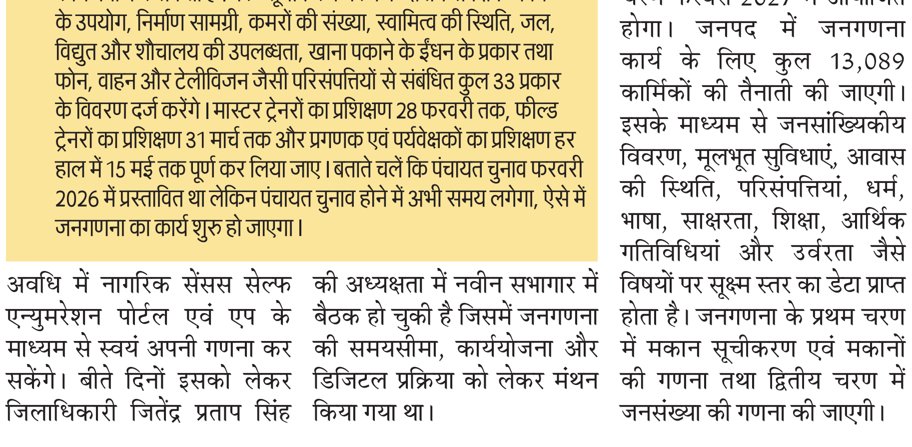
जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

मामलों को भी तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में औद्योगिक संगठनों आईआईए, फीटा, पीआईए और लघु उद्योग भारती ने एलएलआर तिराहे के पास अंडरपास की ग्रीन बेल्ट में दोबारा अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। एनएचएआई द्वारा कार्रवाई की जानकारी दिए जाने के बावजूद दोबारा कब्जे की शिकायत पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक एनएचएआई और थाना पनकी को संयुक्त अभियान चलाकर नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

इसी तरह गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन की सड़क लगे ट्रांसफार्मर से आवागमन अवरुद्ध होने का मामला प्रमुखता से उठा। केस्को अधिकारियों ने शिफ्टिंग में लगभग 10 लाख रुपये व्यय का अनुमान बताया। जिलाधिकारी ने धनराशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। विकास नगर मार्केट में शौचालय की मांग पर जिलाधिकारी ने 28 मार्च तक कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि 3.92 लाख रुपये से शौचालय निर्माण के अगस्त 2025 में निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद अभी तक नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

झकरकटी बस अड्डे की सड़क सुधरेगी: झकरकटी बस अड्डे के सामने क्षतिग्रस्त सड़क के कारण जाम की समस्या पर भी संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए, जिससे पुल पर बसों के खड़े होने से उत्पन्न अव्यवस्था समाप्त हो सके। बैठक में फीटा उद्योग व्यापार संघ के महासचिव उमंग अग्रवाल, शिवकुमार गुप्ता, अंकुर आशववानी, सुभाषिनी खन्ना शिवहरे, ज्ञानेंद्र अवस्थी, मनोज बंका, बृजेश अवस्थी, सुनील गुप्ता, विनय अग्निहोत्री, सुरेश गुप्ता, सतीश प्रकाश श्रीवास्तव, विक्रांत अग्रवाल, संदीप अवस्थी सहित उद्योग संघ के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

19 परियोजनाओं पर उठाए गए सवाल

बैठक में नगर निगम क्षेत्र में स्टाम्प शुल्क के सापेक्ष अवस्थापना विकास के लिए प्राप्त होने वाली धनराशि से नगर निगम द्वारा प्रस्तावित योजनाओं लगभग 119 .05 करोड़ रुपये लागत की 19 परियोजनाओं पर उद्यमियों ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई कार्य तत्काल जनहित की प्राथमिकता में नहीं आते और सौंदर्यीकरण के नाम पर अनावश्यक व्यय प्रतीत होते हैं। प्रस्तावों में पनकी में सांस्कृतिक थीम पार्क (4 करोड़), काकादेव में मेडिटेशन पार्क (1.50 करोड़), झांसी रानी पार्क में सेंसरी पार्क (1.20 करोड़), फूलबाग में गो-कार्टिंग ट्रैक (5.90 करोड़), प्रवेश द्वार व सौंदर्यीकरण (20 करोड़), नाला कवरिंग (12 करोड़) जैसे कार्य शामिल हैं। अन्य मदों सहित कुल प्रस्तावित व्यय 119 करोड़ रुपये से अधिक है। उद्यमियों ने सुझाव दिया कि धनराशि सड़क, जलनिकासी, बाजारों में शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और औद्योगिक आधारभूत ढांचे पर प्राथमिकता से खर्च की जाए।

इंटर के 2062 परीक्षार्थियों ने छोड़ा अंग्रेजी का इम्तिहान

हाईस्कूल में सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में 2454 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

यूपी बोर्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा में शुक्रवार को परीक्षार्थी सवालों के उत्तर देने में उलझे। खासतौर पर अंग्रेजी के प्रश्न पत्र से परीक्षार्थी परेशान हुए। प्रश्न पत्र को कुछ परीक्षार्थियों ने औसत तो कुछ ने कठिन बताया। अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में पूछे गए अनुवाद को परीक्षार्थियों ने सबसे जटिल बताया।

यूपी बोर्ड परीक्षा में इंटर के परीक्षार्थियों ने अंग्रेजी का प्रश्न पत्र हल किया। कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्र के भीतर पहुंचे परीक्षार्थी प्रश्न पत्र को समझने में परेशान हुए। प्रश्न पत्र में पूछे गए सामान्य प्रश्नों में जटिल शब्द पाकर छात्र भ्रमित भी हुए। सबसे ज्यादा परेशानी अनुवाद को हल करने में हुई। परीक्षार्थियों ने बताया कि अनुवाद में जटिल शब्दों के होने से उन्हें हल करने के दौरान संशय रहा। परीक्षा के लिए 43780 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 41718 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे। इस तरह से 2062 परीक्षार्थियों को अनुपस्थित घोषित किया गया। इसी तरह पहली पाली में हाई स्कूल के परीक्षार्थियों ने सामाजिक विज्ञान का प्रश्न पत्र हल किया। परीक्षा के लिए 46341 परीक्षार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया था। परीक्षा के दौरान 43887 परीक्षार्थी शामिल हुए। इस तरह से 2454 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इंटर के परीक्षार्थियो कृषि शास्त्र का प्रश्न पत्र हल किया। यह प्रश्न पत्र 35 परीक्षार्थियों ने हल किया।

शुक्रवार को परीक्षा देकर केंद्र से बाहर निकलते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

- अंग्रेजी के अनुवाद रहे कठिन जटिल शब्दों ने उलझाया
- इंटरमीडिएट कृषि शास्त्र की परीक्षा में 35 परीक्षार्थी बैठे

सीबीएसई परीक्षार्थी भी चकराए : सीबीएसई की परीक्षा में भी छात्र फिजिक्स का प्रश्न पत्र हल करने में चकराए। 12वीं के छात्रों ने बताया कि फार्मूले से संबंधित प्रश्नों को हल करने में उन्हें परेशानी उठानी पड़ी। शुक्रवार को 8560 परीक्षार्थियों को यह पेपर देना था। इनमें 3 छात्र अनुपस्थित घोषित किए गए। 8557 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

पति ने दूसरी शादी की बेटी होने पर छोड़ा

कानपुर। गोविंदनगर में शादीशुदा युवक ने प्रेम जाल में फंसाकर गुपचुप दूसरी शादी कर ली। पहली शादी का पता चलने पर पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि बेटी होने पर युवक ने उसे धमकाया और छोड़ दिया।

कच्ची बस्ती गोविंदनगर निवासी महिला के अनुसार 2023 में उसकी मुलाकात सचेंडी के चकरपुर निवासी युवक से हुई थी। उसने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। इसका पता चलने पर आरोपी ने अपने परिवार से मिलवाया। इसके बाद शादी का आश्वासन देकर गर्भपात करवा दिया। बाद में युवक शादी के लिए टरकाता रहा। दबाव बनाने पर उसके परिजनों ने गुपचुप एक होटल में अप्रैल 2024 में उसकी शादी करवा दी और सचेंडी में ही किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। सितंबर 2025 को उसने एक बेटी को जन्म दिया। बेटी का जन्म होने के बाद पति को तनाव में देखकर उसने वजह पूछी तब उसने पहली शादी के बारे में जानकारी दी। यह भी बताया कि उसका एक बेटा भी है। विरोध करने पर उसने धमकाया। गोविंद नगर कार्यवाहक प्रभारी अभय सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

उद्घाटन के अवसर पर सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

नई तकनीकों से लैस हुए आई-क्यूआई हॉस्पिटल्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भाजपा सांसद रमेश अवस्थी और प्रदेश कार्य समिति के सदस्य राजेश सचान ने किया उद्घाटन

अमृत विचार। सचान चौराहा स्थित आई-क्यू आई हॉस्पिटल्स ने अपने केंद्र को नई तकनीकों से लैस किया, जिसके केंद्र का उद्घाटन सांसद रमेश अवस्थी व उत्तर प्रदेश कार्य समिति के सदस्य राजेश सचान ने किया। कहा कि आई-क्यू लगातार आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और मरीज केंद्रित सेवाओं के साथ अपने नेटवर्क का विस्तार और उन्नयन कर रही है। आई-क्यू आई हॉस्पिटल्स के संस्थापक व सीएमडी डॉ.अजय शर्मा ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं और उन्नत डायग्नोस्टिक सिस्टम से उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं का लाभ मरीजों को मिलेगा। एसोसिएट मेडिकल डायरेक्टर डॉ. बाबर परवेज खान ने बताया कि जूही कला और स्वरूप नगर स्थित दो अस्पतालों के साथ आई-क्यू शहर में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण नेत्र उपचार को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्लिनिकल इंचार्ज डॉ. प्रेमेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र में मोतियाबिंद, रेटिना रोग, ग्लूकोमा, दृष्टि सुधार (रिफ्रैक्टिव) सर्जरी सहित अन्य प्रमुख नेत्र रोगों का उपचार उपलब्ध है। बताया कि देशभर में आई-क्यू आई ने एक करोड़ मरीजों का उपचार किया है।

सिटी ब्रीफ

डीएम अंकल को गुलाब देकर आभार जताया

कानपुर। कलेक्ट्रेट के जनदर्शन कक्ष शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद विद्यालय लोधर मंधना के छात्र-छात्राएं डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह से मिलने पहुंचे। हाथों में गुलाब और चेहरों पर उत्साह लिए बच्चे उस वादे के लिए धन्यवाद कहने आए थे, जो कुछ सप्ताह पहले किया गया था और निभाया भी गया। कक्षा पांच की अर्पिता, कक्षा छह के अनुराग, कक्षा तीन की दिव्या और कक्षा पांच की आरशी ने आगे बढ़कर डीएम अंकल को गुलाब का फूल भेंट किया।

डॉ. उमेश पालीवाल रोटरी के असिस्टेंट गवर्नर चुने गए

कानपुर। रोटरी क्लब आफ कॉनपुर सेंट्रल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल को रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 का असिस्टेंट गवर्नर चुना गया है। उनके सामाजिक कार्यों के लिए यह पद सम्मान के रूप में सौंपा गया है। रोटरी क्लब आफ कानपुर सेंट्रल के चार्टर अध्यक्ष एवं पूर्व मंडलाध्यक्ष डॉ. डीएन रायजादा, क्लब अध्यक्ष जफर इकबाल, सचिव डॉ. नीलम त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष कमल त्रिवेदी, डॉ. यूसी सिन्हा, डॉ. मीरा अग्निहोत्री, डॉ. अवध दुबे, डॉ. बीके गुप्ता, एसडी कुमार, अतुल श्रीवास्तव, जीसी शुक्ला आदि ने बधाई दी।

डीबीएस कॉलेज में रोजगार मेला आज

कानपुर। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत 21 फरवरी को प्रातः 10 बजे प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय द्वारा डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 2287 पदों पर भर्ती होंगी। मुख्य अतिथि के रूप में गोविन्द नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेन्द्र मैथानी उपस्थित रहेंगे, जबकि अध्यक्षता जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार सिंह (आईएएस) करेंगे।

नवाचारों पर दिया जोर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रसार निदेशक डॉ. वीके त्रिपाठी की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा बैठक हुई। निदेशक ने सभी केंद्रों के अध्यक्षों एवं संबंधित वैज्ञानिकों को निर्देश दिए कि किसानों के प्रक्षेत्रों पर कराए जाने वाले परीक्षण व प्रदर्शनों को नवीन तकनीक से कराया जाए। उन्होंने मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने हेतु जैविक खेती पर विशेष बल दिया।

सोनागिर स्टेशन पर होगा एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जैन मेला को देखते हुए रेल प्रशासन ने ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस समेत कई मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों को सोनागिर स्टेशन पर ठहराव देने की घोषणा की है।

उत्तर मध्य जोन के पीआरओ मनोज कुमार ने बताया कि ट्रेनों को यह ठहराव एक मिनट के लिए दिया जाएगा, जिससे मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इन ट्रेनों में गाड़ी संख्या 11123 ग्वालियर-बरौनी मेल को 1 मार्च से 10 मार्च तक ये गाड़ी 12:57 बजे पहुंचेगी और 12.58 बजे रवाना होगी। गाड़ी संख्या 11124 बरौनी-ग्वालियर मेल 28 फरवरी से 9 मार्च तक सायं 6:02 बजे पहुंचेंगी और सायं 6.03 बजे रवाना होगी। गाड़ी संख्या 11107 ग्वालियर-बनारस बुंदेलखंड एक्सप्रेस 1 मार्च से 10 मार्च 2026 तक रात 9.58 बजे पहुंचेगी और रात 9.59 बजे रवाना होगी। गाड़ी संख्या 11108 बनारस-ग्वालियर बुंदेलखंड एक्सप्रेस 28 फरवरी से 9 मार्च तक प्रातः 6.32 बजे पहुंचेगी।

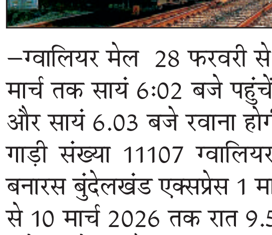

मुंबई से सुल्तानपुर के लिए विशेष ट्रेन

कानपुर। होली एवं ग्रीष्मकालीन यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सुल्तानपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल (मुंबई) के मध्य विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पीआरओ मनोज कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 04212 सुल्तानपुर से 26 फरवरी एवं 2 मार्च को संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 04211 लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 27 फरवरी 2026 एवं 03 मार्च 2026 (कुल दो फेरों) को संचालित की जाएगी1 गाड़ी संख्या 04212 सुल्तानपुर से सुबह 4 बजे रवाना होगी। लखनऊ प्रातः 6.20 बजे, कानपुर सेंट्रल 8.10 बजे, उरई 11 बजे, झांसी दोपहर 2 बजे, इटारसी रात 10.20 बजे, भुसावल सुबह 4.55 बजे, लोकमान्य तिलक टर्मिनल दोपहर 2 बजे पहुंचेगी।

होली पर बनारस तक चलाई जाएगी विशेष ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लोकमान्यतिलक टर्मिनल (मुंबई) से बनारस के लिए विशेष ट्रेन संचालित करने की घोषणा की है।

उत्तर मध्य जोन के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि इस गाड़ी में 9 स्लीपर, 1 एसी सेकंड, 4 सामान्य, 6 थर्ड एसी, 2 एसएलआर डिब्बे होंगे। लोकमान्य टर्मिनल से 25 व 26 फरवरी, 4 व 5 मार्च को चलेगी। बनारस से 27, 28 फरवरी एवं 6 व 7 मार्च को संचालित होगी। गाड़ी संख्या 1073 लोकमान्य टर्मिनल से दोपहर 12.15 बजे रवाना होगी। भुसावल सायं 7.10 बजे, इटारसी रात 11.45 बजे, उरई सुबह 11.58 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) दोपहर 2.40 बजे, बनारस रात 11.30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01074 बनारस से प्रातः 5.30 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी दोपहर 1.30 बजे, उरई 3.20 बजे, झांसी सायं 5.25 बजे, भुसावल प्रातः 8.10 बजे, नासिक प्रातः 11.22 बजे, कल्याण दोपहर 2.57 बजे, लोक मान्य टर्मिनल सायं 4.40 बजे पहुंचेगी।

कानपुर होते हुए गोरखपुर की विशेष ट्रेन

कानपुर। होली पर रेलवे ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन होते हुए पुणे से गोरखपुर के मध्य विशेष ट्रेन संचालित करने की घोषणा की है। इस गाड़ी में 01 एसी द्वितीय, 06 स्लीपर, 04 सामान्य, 05 एसी तृतीय, 02 पार्सलयान होंगे। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 01416 प्रतिदिन 22 फरवरी से 9 मार्च तक गोरखपुर से चलेगी जबकि गाड़ी संख्या 01415 पुणे से 21 फरवरी से 8 मार्च तक चलेगी। गाड़ी संख्या 01415 पुणे से प्रातः 6 .50 बजे रवाना होगी। मनमाड दोपहर 1 .10 बजे, भुसावल दोपहर 3 .55 बजे, कानपुर सेंट्रल प्रातः 8 .35 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01416 बस्ती सायं 7 .12 बजे चलेगी। कानपुर रात 00 .20 बजे, उरई रात 1 .58 बजे, भुसावल सायं 5 बजे, मनमाड रात 8,10 बजे, पुणे रात 3 .15 बजे पहुंचेगी।

गोरखपुर के लिए विशेष ट्रेन : होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से गोरखपुर के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस ट्रेन में 01 एसी द्वितीय, 09 स्लीपर, 4 सामान्य, 6 एसी तृतीय, 2 एसएलआर डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 01079 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल (मुंबई) से रात 10.30 बजे रवाना होगी। ये गाड़ी 21 फरवरी से 8 मार्च तक प्रतिदिन चलेगी। गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर से 23 फरवरी से 10 मार्च तक प्रतिदिन चलेगी। गाड़ी संख्या 01079 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से रात 10.30 बजे रवाना होगी। कल्याण रात 11.47 बजे, नासिक रात 2.20 बजे, इटारसी दोपहर 1.05 बजे, भोपाल दोपहर 3.55 बजे, कानपुर सेंट्रल रात 2.15 बजे, गोरखपुर प्रातः 10.00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर से दोपहर 2.30 बजे रवाना होगी। बस्ती दोपहर 3.42 बजे, कानपुर सेंट्रल रात 10.20 बजे, उरई 00.05 बजे, भुसावल दोपहर 3.20 बजे, कल्याण रात 11.37 बजे, दादर रात 00.17 बजे, छत्रपति शिवाजी टर्मिनल रात 00.40 बजे पहुंचेगी।

प्रो. विनय कुमार पाठक को मिला पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रो. विनय पाठक।

अमृत विचार। सीएसजेएमयू को नई दिल्ली में आयोजित 'सस्टेनेबिलिटी कर्मा कैंपस लीडरशिप अवॉर्ड्स 2026' में 'नीति-आधारित पहल (ओपन कैटेगरी)' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार हासिल हुआ है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक को 'डिस्टिंग्विश्ड वाइस चांसलर अवॉर्ड फॉर सस्टेनेबिलिटी' प्रदान किया गया।

इस अवार्ड को विश्वविद्यालय के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह सम्मान नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'तृतीय युवा सस्टेनेबिलिटी सम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह 2026' के दौरान प्रदान किया गया। सम्मेलन का आयोजन वॉइसेस ऑफ भारतः युवा फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी द्वारा 'सतत भविष्य का निर्माणः दृष्टि से मूल्यों तक' विषय पर किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय की ओर से एसोसिएट डीन (अकादमिक) डॉ. अंशु सिंह ने नई दिल्ली में यह पुरस्कार ग्रहण किया।

अंगदान से आठ लोगों की बच सकती जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अंगदान से प्रतिवर्ष अंगों की अनुपलब्धता के कारण होने वाली लाखों मौतों को कम भी किया जा सकता है। क्योंकि एक अंगदाता अपने अंगों और ऊतकों के माध्यम से आठ से अधिक लोगों की जान बचा सकता है या उनके जीवन को बेहतर बना सकता है। जरूरतमंदों को अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से एक सामान्य और लंबा जीवन जीने का प्रदान कर सकता है। इसके लिए सभी लोगों में जागरूकता होना बेहद जरूरी है। यह जानकारी आईएमए अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने दी।

आईएमए द्वारा 22 फरवरी को आईएमए ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस कार रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसके संबंध में अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि इस वर्ष कार रैली का मुख्य उद्देश्य अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। रैली की थीम अंगदान, जीवन बचाएं रखी गई है। समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर कर अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना इस आयोजन का लक्ष्य है। यह रैली दिल्ली पब्लिक स्कूल, मैनावती मार्ग से शुरू होगी और शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जिसमे लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। समिति के चेयरमैन डॉ.देबाशीष देबरॉय ने बताया कि रैली में विभिन्न प्रतियोगिताओं व पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। प्रथम 25 पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों के लिए विशेष लकी ड्रॉ भी रखा गया है। समिति के को-चेयरमैन डॉ.संजय सिंहवी ने बताया कि हृदय, किडनी, लीवर, फेफड़े और आंखें जैसे अंगों द्वारा आठ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। यह एक निस्वार्थ उपहार है जो किसी का जीवन बचाया सकता है। आईएमए के पदाधिकारियों ने शहरवासियों से अपील की है कि वह इस सामाजिक अभियान का समर्थन करें और अंगदान का संकल्प लेकर मानव सेवा में अपना योगदान दें। इस दौरान सचिव डॉ. शालिनी मोहन, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ.नंदिनी रस्तोगी, डॉ. सी निहलानी, डॉ. रेणु सिंह गहलोत, वित्त सचिव डॉ. विशाल सिंह, डॉ.विकास श्रीवास्तव व डॉ. स्मिता सिंह समेत आदि रहे।

रैली के बारे में जानकारी देते आईएमए के पदाधिकारी। अमृत विचार

फेरों से पहले सजी मेहंदी

कानपुर। 22 फरवरी को समाजसेवी अजीत अग्रवाल की ओर से सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें 51 बेटियों के हाथ पीले होंगे। समारोह से पूर्व आनंदधाम आनंदपुरी में श्याम प्रभु का कीर्तन और बेटियों के हाथों में मेहंदी लगाने का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मीनू अग्रवाल, कंचन जैन, अंजली अग्रवाल आदि मौजूद रहीं। अमृत विचार

माह-ए-रमजान

मस्जिदों में जगह पड़ गई कम, सड़क पर इजाजत नहीं होने से दो बार में पढ़ाई गई नमाज

पहले जुमा पर इबादतगाहों में उमड़ी रोजेदारों की भीड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रमजान-उल-मुबारक के पहले जुमा में इबादत करने के लिए मस्जिदों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी जिससे कई मस्जिदों में दो-दो बार नमाज अदा करना पड़ा। मस्जिदों में पेशइमाम ने रमजान पर तकरीर की और कहा कि रमजान में इबादत करके अल्लाह को राजी कर लो। अगर कोई गुस्सा हो, बुरा भला कहे तो उससे कह दो मैं रोजे से हूं।

शुक्रवार को जुमा की नमाज के लिए सुबह से ही मस्जिदों में भारी भीड़ पहुंची। हालांकि मस्जिदों में 12.30 बजे से दोपहर 3 बजे के मध्य जुमा की नमाज अदा की गई। क्योंकि सड़क पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं है, इसलिए कई मस्जिदों में दो-दो बार नमाज हुई।

उधर जुमा की नमाज से पूर्व जमीअत उलेमा उत्तर प्रदेश के महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने अपने बयान में रमजान के महत्व को समझाते हुए उम्मत-ए-मुस्लिमा से अपील किया कि इस पवित्र मुकद्दस महीने में नेकियों (अच्छे कार्य करना) का एहतेमाम के साथ-साथ खुद को हर तरह के गुनाहों से बचाने का पुख्ता इरादा करें। मौलाना ने कहा कि रमजान का महीना शुरू हो चुका है, हम सबको यह तय कर लेना चाहिए कि इस एक महीने में हमें हर तरह के गुनाहों से बचना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेकी करना तो लाजिमी है, लेकिन नेकी करने से ज्यादा जरूरी अपने आप को गुनाहों से बचाना है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने फरमाया कि 'तुम अपने आप को गुनाहों से बचाना शुरू कर दो तो तुम सबसे बड़े इबादतगुजार बन जाओगे।

रमजान के पहले जुमा पर नमाज पढ़ते रोजेदार। अमृत विचार

उलेमा ने जरूरी बातें बताईं।

रोजेदार इन बातों का जरूर रखें ख्याल

- मोबाइल का गलत इस्तेमाल नहीं करें।
- जुबान से कोई गलत बात नहीं निकले।
- किसी पर बुरी नजर नहीं डालें यानी निगाहों की हिफाजत करें
- कानों के अंदर कोई गलत बात या म्यूजिक न पड़े।
- अपन हाथ पैरों को गुनाह की तरह मत जाने दें।

'चांदी सिफारिश' सुनाकर शान ने जीता दिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गार्डनिया पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में बिखेरा जलवा

अमृत विचार। गार्डनिया पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव 'जेनेसिस 'के अंतिम दिन सिंगर शान ने अपने गीतों से समां बांध दिया। बॉलीवुड गायक ने समारोह में एक के बाद एक अपने हिट गीत सुनाकर स्कूली बच्चों को अपना कायल बना दिया। 'चांदी सिफारिश' जैसे गीतों के जरिए मंच और श्रोताओं के बीच की दूरी कम कर दी।

समारोह के दौरान विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर सुमन द्विवेदी, फाउंडर अनिल द्विवेदी, डायरेक्टर नीलम द्विवेदी व चीफ डायरेक्टर सौरभ द्विवेदी भी मौजूद रहे। मंच पर आते ही शान ने अपनी शानदान आवाज से जब युवाओं का आह्वान किया तो सभी ने तालियां बजाकर बॉलीवुड सिंगर का स्वागत किया। सिंगर शान ने श्रोताओं की फरमाइश पर 'जब से तेरे नैना' व 'बहती हवा सा था वो' सुनाकर सभी को उत्साहित किया। उधर अपने हिट गीत 'तन्हा दिल तन्हा सफर' और 'सुनो ना' सुनाकर पुरानी यादों में ले गए। उन्होंने अपने गीत 'दिल लेके' और ' चार कदम' व 'वो पहली बार' सुनाकर श्रोताओं की फरमाइश को पूरा किया।

कार्यक्रम पेश करते सिंगर शान।

यू०पी० प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि०
कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई-10, कानपुर (केन्द्रीय भण्डार)
(उ०प्र० सरकार का उपक्रम)
उद्योग कुंज रोड नियर हलुआखाड़ा (रजवाहा)
नौरैया खेड़ा (नहर कोठी), दादा नगर, कानपुर-208022
CIN : U15209UP1976SGC004285

पत्रांकः-2846/पी.सी.एल./पी.एम.-10/कानपुर दिनांकः 20.02.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

Proposed Construction of Boundary Wall & Submersible Work at District Library in District-Kannauj, U.P. हेतु इस कार्यालय की निविदा सूचना सं0-23/PM-10/UPPCL/2025-26 दिनांक 20.02.2026 द्वारा ऑफलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा इकाई कार्यालय में दिनांक 21.02.2026 से दिनांक 27.02.2026 के अपराह्न 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है। ऑफलाइन निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की इकाई कार्यालय में दिनांक 21.02.2026 से प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना प्रबन्धक,
निर्माण इकाई-10, कानपुर

युवती, युवक व अधेड़ के फंदे से लटके मिले शव, मचा कोहराम

संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: सदर कोतवाली व बिहार थानाक्षेत्र में युवक व अधेड़ के शव पेड़ पर फंदे से लटके मिले। वहीं दही थानाक्षेत्र में युवती ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शवों के पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किए हैं।

सदर कोतवाली क्षेत्र के शेरअली खेड़ा गांव निवासी अंकुल (22) पुत्र रामशंकर गांव के पास लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित एक सीएनजी फिलिंग स्टेशन के सामने वाहन धुलाई की दुकान पर रात में काम करता था। शुक्रवार सुबह करीब 8 वह रोज की तरह घर जाने को निकला लेकिन घर नहीं पहुंचा। कुछ देर बाद गांव निवासी सुंदर सीएनजी स्टेशन के पीछे जवाहर खेड़ा गांव के बाहर खेत जाते समय अंकुल को फंदे से लटका देख परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। परिजनों ने बताया कि गुरुवार रात अंकुल के पेट में दर्द हुआ था। दवा खाकर वह धुलाई सेंटर जाने की बात कहकर घर से निकल गया। वह 3 भाई-बहनों में बड़ा था। उसकी मौत से मां सुनीता, छोटू वी बहन पूजा रो-रोकर बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि युवक के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

अंकुल की फाइल फोटो

रोते- बिलखते अंकुल के परिजन। ● अमृत विचार

युवती ने फंदे से लटककर दे दी जान

बिछिया, उन्नाव : दही थानांतर्गत टीकरगढ़ी गांव निवासी ओमवीर ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी बहन रेवा (22) पुत्री रामलाल सिंह गुरुवार रात घर पर अकेली थी। तभी उसने अपने कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव मोर्चरी में रखवाया। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। परिजन उसकी आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि भाई ने बहन के आत्महत्या करने की सूचना दी थी। पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा गया है।

रेवा का फाइल फोटो

अधेड़ का पेड़ पर लटका मिला शव

उन्नाव : बिहार थानाक्षेत्र के धनकोली गांव निवासी सुंदरलाल (50) पुत्र रामेश्वर मजदूरी करता था। गुरुवार शाम वह घर से बिना बताए निकला था। देररात तक न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन पता नहीं चला। उसके मोबाइल पर फोन किया लेकिन काल रिसीव नहीं हुई। शुक्रवार सुबह परिजन फिर तलाश में निकले तो गांव निवासी शशिकांत की बाग में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ में उसका शव रस्सी के फंदे से लटका मिला। यह देख पत्नी सुनीता बेहाल हो गई। उसके 5 बच्चों में बेटे राज कुमार, शनि व बेटियां अलका, खुशबू जाह्नवी हैं। भाई रमाकांत ने सुंदरलाल की मौत पर मौखिक संदेह जताया। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

न्यूज ब्रीफ

डीएम की अध्यक्षता में तहसील बीघापुर में समाधान दिवस आज

उन्नाव, अमृत विचार : जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बीघापुर में 21 फरवरी को सुबह 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक होगा। इसी प्रकार तहसील सदर में सीडीओ, तहसील सफीपुर में एडीएम वित्त एवं राजस्व, तहसील बांगरमऊ में एडीएम न्यायिक, तहसील हसनगंज व पुरवा में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा। किसी भी जनपद वासी को किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत हो तो वह संबंधित तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को प्रार्थनापत्र देकर अपनी शिकायत का निराकरण करा सकता है।

दो बाइकों की टक्कर में पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र के करीमाबाद निवासी प्रमोद (40) पुत्र रामकरन पत्नी राधा, बेटे श्रेष्ठ व बेटी स्वागत के साथ कानपुर में रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने जा थे। तभी अजगैन कोतवाली अंतर्गत लखनऊ-कानपुर हाईवे पर उसकी बाइक में दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। इसमें प्रमोद, बेटा श्रेष्ठ व दूसरी बाइक चालक शाहे आलम (35) पुत्र अनवर अली निवासी देवा बाराबंकी घायल हो गया। जिन्हें सीएचसी नवाबगंज लाया गया। जहां से डॉक्टर ने घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की हुई मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

सुभाष का फाइल फोटो

● **बाइक खराब होने पर पैदल घर आ रहे युवकों को अज्ञात वाहन ने मार दी टक्कर**

अमृत विचार: बीती रात हुए अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। इसमें एक गंभीर घायल भी हुआ। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने शवों के पोस्टमार्टम कराए हैं।

अचलगंज थानाक्षेत्र के जगतखेड़ा निवासी सुभाष (22) पुत्र प्रेम टेंट व लाइट हाउस में काम करता था। गुरुवार को वह चचेरे भाई अनूप के साथ बारासगवर थानाक्षेत्र में टेंट लगाने गया था। जहां से काम समाप्त कर देररात दोनों लौट रहे थे। तभी रास्ते में उसकी बाइक खराब हो गई। घर में बाइक खराब होने की सूचना देकर बाइक वहीं खड़ी कर दोनों साधन की तलाश में पैदल गांव की ओर चल पड़े। बीघापुर क्षेत्र के ऊंचगांव-लाल कुआं मार्ग पर नरोत्तमपुर के पास अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। इसमें वे गंभीर घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से 100 बेड हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनूप को जिला अस्पताल रेफर किया। पिता प्रेम की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। सुभाष की 3 साल पहले शादी हुई थी। पति की मौत की खबर से पत्नी पलक सदमे में है। वहीं मां शिवकांती, छोटे भाई शिवा व पंकज का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। वाहन की तलाश की जा रही है।

वाहन की टैक्टर से गई युवक की जान

उन्नाव : अचलगंज थानाक्षेत्र के मुगलपुर गांव निवासी अनीश खान (40) पुत्र स्व. राजू मजदूरी करता था। गुरुवार को वह गांव के पास एक गेस्ट हाउस गया था। जहां से घर लौटने के लिए वह देररात उन्नाव-लालगंज हाईवे पैदल पार कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारकर भाग गया। पीछे से आए गांव के युवक ने उसके परिजनों को इसकी सूचना दी। इस पर उसे घायल हालत में सीएचसी लोहचा लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह चार भाइयों में अतीश व नफीस से बड़ा था। एक भाई शाहरुख की 6 माह पहले मौत हो गई थी। भाई नफीस के मुताबिक अनीश की शादी हुई थी। लेकिन कुछ साल बाद पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। बेटे की मौत से मां शहजहां बेहाल है। एसओ ब्रजेश शुक्ला ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत होने का मेमो मिला था। पोस्टमार्टम कराया गया है।

स्टेडियम प्रशासन ने हटवाया छत्ता

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: अंबिकापुरम स्थित राहुल सप्रू स्टेडियम में बुधवार को मधुमक्खियों के हमले में कानपुर फीलखाना निवासी अंपायर मानिक गुप्ता की मौत के बाद स्टेडियम प्रशासन हरकत में आया। घटना के बाद गुरुवार रात पवेलियन के बगल में लगे छत्ते को हटवाया गया। सुरक्षा इंतजाम पूरे होने के बाद शुक्रवार को बी पिच पर मैत्री मैच खेला गया। जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों ने राहत की सांस ली।

राहुल सप्रू स्टेडियम बुधवार को अंडर 13 का मैच खत्म होने के बाद अंपायर मानिक गुप्ता अपने साथी अंपायर का इंतजार कर रहे थे। बताया गया कि मानिक गुप्ता पहली बार सप्रू स्टेडियम में अंपायरिंग करने पहुंचे थे। किसी को अंदेशा नहीं था कि यह मैच उनके जीवन की अंतिम अंपायरिंग साबित होगा। मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, बाद में उनकी मौत हो गई। स्टेडियम ट्रस्ट के ट्रस्टी सीपी त्रिपाठी की पत्नी धारा त्रिपाठी ने बताया कि यह बेहद दुखद घटना है। उन्होंने कहा कि मानिक गुप्ता के परिवार को स्टेडियम प्रबंधन की ओर से हर संभव सहायता दी जाएगी। साथ ही भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जा रही है। घटना के बाद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में शोक का माहौल है, वहीं प्रशासन ने स्टेडियम परिसर में सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की बात कही है।

बरगद के पेड़ से हटवाया गया मधुमक्खियों का छत्ता।

● **बुधवार को मधुमक्खियों के हमले में हुई थी अम्पायर की मौत, छत्ता हटने पर हुआ मैच**

उपभोक्ता आयोग ने पालिका पर किया 15 हजार का जुर्माना

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका गंगाघाट की मनमानी व लापरवाही का खामियाजा उसे भारी पड़ा है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने पालिका द्वारा 12 वर्षों से जलापूर्ति न होने के बावजूद भेजे गए मनमाना बिल निरस्त करते हुए पालिका पर 15 हजार का जुर्माना लगाया है।

सीताराम कॉलोनी निवासी मिथलेश अवस्थी ने आयोग में परिवाद दायर कर बताया कि वर्ष 2010 में नए गंगा पुल निर्माण के दौरान उनकी कॉलोनी की मुख्य जलापूर्ति पाइप लाइन टूट गई थी। तब से अब तक पूरी कॉलोनी में जलापूर्ति ठप है। इसके बावजूद नगर पालिका ने वर्ष 2022-23 के लिए 6,720 रुपये का जलकर का बिल भेज दिया। उन्होंने कई बार लिखित शिकायत व सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी लेकिन पालिका ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परिवादिनी के अधिवक्ता सिद्धांत अवस्थी ने आयोग में तर्क दिया कि बिना सेवा दिए बिल भेजना पालिका की घोर लापरवाही व अनुचित व्यापारिक व्यवहार है। सुनवाई के दौरान पालिका ने स्वीकार किया कि वर्ष 2010 से जलापूर्ति बाधित है फिर भी कनेक्शन काटने की प्रक्रिया न होने से बिल भेजे गए। आयोग अध्यक्ष बलराज सिंह, सदस्य बसंत कुमार जैन व सदस्या नैना अग्रवाल ने इसे सेवा में गंभीर कमी माना। पीठ ने 20 नवंबर 2022 के विवादित बिल निरस्त करते हुए आदेश दिया कि पालिका पर 15 हजार का जुर्माना लगाया है।

● **12 साल से पानी की सप्लाई बंद, फिर भी आया 6720 का बिल**

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में होगा आंदोलन

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक अध्यक्ष रामजनम सिंह व गजेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में सुन्दर लाल डिग्री कॉलेज खिन्नी मोड़ पुरवा में संपन्न हुई।

बैठक में प्रांतीय निर्देशानुसार प्रदेश के मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों द्वारा एकजुट होकर टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले अनिवार्य टीईटी के विरोध में निर्धारित आंदोलन के विषय में विचार विमर्श हुआ। इसमें पदाधिकारियों ने कहा कि इस लड़ाई में हम सभी आपसी भेदभाव भुलाकर व एकजुट होकर प्रांतीय निर्देशों का अनुपालन करेंगे और अधिक से अधिक संख्या में 22 फरवरी को 2 से 4 बजे तक एक्स पर हैशटैग अभियान चलाएंगे। 23 से 25 फरवरी तक जिले के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। इसके बाद 26 फरवरी को दोपहर 1 से 4 बजे तक बीएसए कार्यालय पर धरना देकर वहां से डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को देंगे। संगठन के आह्वान पर मार्च के तीसरे सप्ताह में नई दिल्ली में महारैली कर भारत सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा।

इसमें संजय द्विवेदी, श्रवण पटेल, अवनीश सिंह, मोतीलाल, शशिकांत, योगेश, परमिल यादव, अन्नपूर्णा वर्मा, इंदु गुप्ता, सीमा गोयल, आकांक्षा सिंह, सूर्य प्रताप, राकेश मिश्रा, रामगोपाल, प्रदीप सोनकर, शिवम सिंह, राजेश कुमार, विजय बाथम, सतीश कुमार, देव शंकर, अमित अवस्थी, सुनील कुमार, धीरेंद्र शुक्ला, लल्लन सिंह, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

बैठक के बाद प्रदर्शन करते शिक्षक नेता। ● अमृत विचार

● **सुन्दर लाल डिग्री कॉलेज खिन्नी मोड़ पुरवा में हुई शिक्षक संगठनों की बैठक में बनी रणनीति**

पूर्व रणजी खिलाड़ी ने अंपायर को दी श्रद्धांजलि

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : शुक्रवार को गोपीनाथपुरम स्थित नगर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे के कार्यालय में वरिष्ठ क्रिकेट अंपायर स्व. मानिक गुप्ता के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। इस दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी व चेयरमैन प्रतिनिधि संदीप पांडे ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि सप्रू स्टेडियम में आयोजित एक मैच के दौरान मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले में मानिक गुप्ता गंभीर घायल हो गए थे। इलाज के दौरान अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इससे खेल प्रेमियों व क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। श्रद्धांजलि सभा में संदीप पांडे ने कहा कि मानिक गुप्ता ने वर्षों तक निष्पक्षता, अनुशासन व समर्पण के साथ क्रिकेट अंपायरिंग की और खेल जगत में अहम योगदान दिया। उनका असामयिक निधन क्रिकेट जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

दिवंगत अंपायर को श्रद्धांजलि देते पूर्व रणजी खिलाड़ी।

कड़ी सुरक्षा में 237 स्थानों पर होगा होलिका दहन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : होली को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 237 स्थान पर होलिका दहन प्रस्तावित है। इसे लेकर पुलिस ने सभी चिन्हित स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस के अनुसार बिंदानगर चौकी क्षेत्र में 49, बालूघाट चौकी क्षेत्र में 14, पश्चिमी गंगाघाट चौकी क्षेत्र में 46, मरहला चौकी क्षेत्र में 27, गंगा बैराज क्षेत्र में 26, जाजमऊ क्षेत्र में 54 व हाजीपुर क्षेत्र में 21 स्थानों पर होलिका दहन होगा। सभी स्थानों पर फोर्स की तैनाती के साथ गश्त बढ़ा दी गई है। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि होलिका दहन के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए कोतवाली के अलावा अतिरिक्त पुलिस फोर्स लगाया गया है। इसमें 4 निरीक्षक, 15 दरोगा, 20 हेड कांस्टेबल, 24 कांस्टेबल, 18 महिला कांस्टेबल के साथ डेढ़ सेक्शन पीएसी तैनात रहेगी। पुलिस प्रशासन ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने व नियमों का पालन करने की अपील की है।

होटल से युवक ने लगाई छलांग, मौत

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत राजधानी मार्ग रूद्र नगर स्थित एक होटल में शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने होटल की छत से छलांग लगा दी। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। र सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा चौकी अंतर्गत खंजी खेड़ा निवासी सुनील वर्मा (35) पुत्र पुत्तन लाल मजदूरी करता था। शुक्रवार शाम वह अपनी तीन वर्षीय बेटी इशिका को साथ लेकर राजधानी मार्ग स्थित एक होटल में पहुंचा और बेसमेंट की ओर जाने लगा। रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी विशाल मिश्रा को युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी तो वह उसे रोकने के लिए पीछे गया। इसी दौरान युवक बेसमेंट की सीढ़ियों से होते हुए तेजी से ऊपर छत पर पहुंच गया और बगल में स्थित वीरेंद्र यादव के खाली प्लॉट में छलांग लगा दी। नीचे गिरते ही उसकी मौत हो गई। घटना देख होटल कर्मचारियों के होश उड़ गए और तत्काल होटल मालिक व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ सिटी विनी सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर बच्ची से पूछताछ की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में पुलिस बच्ची को उसके घर खंजी खेड़ा ले गई और परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पत्नी सरोजिनी ने बताया कि सुनील मानसिक बीमारी से ग्रसित था और उसका इलाज चल रहा था। वह शराब का भी आदी था। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

मिशन शक्ति के तहत चला जागरूकता अभियान

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के तहत शुक्रवार को नगर में वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चला। इस दौरान महिला सुरक्षा को लेकर महिलाओं व बालिकाओं को जरूरी जानकारियां दी गईं। महिला मिशन शक्ति प्रभारी दरोगा श्रद्धा सिंह, महिला कांस्टेबल अर्चना व प्रिया सिंह ने नगर की कोचिंग, कॉलेजों व सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक किया। अभियान के दौरान महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। जिसमें 1098, 1077, 1078, 1090 के साथ ही 181 व 112 नंबरों के उपयोग के बारे में बताया गया। टीम ने महिलाओं से किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के सहायता लेने की अपील की। यह अभियान गोपीनाथपुरम, राजधानी मार्ग, गंगानगर, पोनी रोड, रेलवे स्टेशन सहित एक दर्जन से अधिक स्थानों पर चलाया गया।

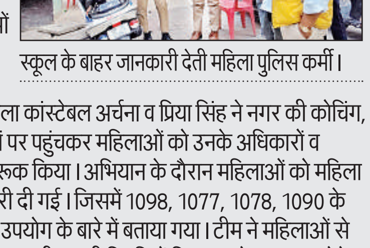
स्कूल के बाहर जानकारी देती महिला पुलिस कर्मी।

मानदेय बढ़ाने की घोषणा से शिक्षामित्र खुश

उन्नाव, अमृत विचार: बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित प्राथमिक विद्यालयों में लंबी अवधि से काम कर रहे शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाए जाने पर शिक्षामित्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षामित्रों का मानदेय 18000 रुपए महीने अप्रैल माह से देने की घोषणा की है। इससे आदर्श शिक्षामित्र संगठन की पूर्व जिलाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व शिक्षामंत्री सहित सभी विधायकों का आभार जताया है।

सीएम के निर्णय पर शिक्षामित्रों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय वृद्धि की जो घोषणा की गई है यह अत्यंत जरूरी थी। इसके लिए योगी जी और बेसिक शिक्षामंत्री व अन्य सभी साथ देने वाले मंत्रियों व विधायकों, सांसदों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। **अजय प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष आदर्श शिक्षामित्र, उन्नाव**

योगी आदित्यनाथ का प्रदेश के सभी शिक्षामित्रों की ओर से मानदेय वृद्धि की घोषणा किए जाने से हार्दिक आभार। मानदेय वृद्धि की घोषणा से हमारे बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। **शिवेंद्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष आदर्श शिक्षामित्र।**

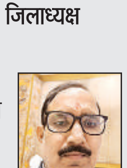
योगी जी की सरकार द्वारा शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने का जो निर्णय लिया गया है उसका हम सब स्वागत करते हैं। अब भविष्य में शिक्षामित्रों की और भी समस्याओं के समाधान की उम्मीद बढ़ी है। **विजय शर्मा, शिक्षामित्र फतेहपुर चौरासी।**

प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय बढ़ाए जाने का हम स्वागत करते हैं। इससे जिम्मेदारी पूरी करने और परिवार चलाने में आसानी हो जाएगी। **वंदना यादव, महिला शिक्षामित्र।**

अंग्रेजी का पेपर आसान आने से छात्र खुश

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: बोर्ड परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में हाईस्कूल के परीक्षार्थियों ने शुक्रवार को सामाजिक विज्ञान का पेपर दिया। प्रश्नपत्र सरल आने से छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे और अधिकांश परीक्षार्थियों ने समय से पहले ही उत्तर पुस्तिकाएं भर लीं। केंद्रों से बाहर निकलते समय छात्रों में आत्मविश्वास साफ दिखा।

प्रथम पाली में हाईस्कूल की परीक्षा के लिए परीक्षार्थी राजमार्ग स्थित ओम प्रकाश ज्वालादेवी इंटर कॉलेज, कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, गोपीनाथपुरम स्थित एसवीएम, गंगानगर स्थित जीपीएम एसवीएम व पोनी रोड स्थित डॉ. लोहिया कॉलेज पहुंचे। सभी केंद्रों पर प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग हुई व परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। दूसरी पाली में इंटर के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का पेपर दिया। जिन छात्रों की अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ थी उन्होंने प्रश्नपत्र आसानी से हल कर लिया। वहीं कुछ ग्रामर के सवालों में उलझे रहे। परीक्षा के बाद छात्रों ने बताया कि पेपर आसान था। हालांकि ग्रामर के कुछ प्रश्न थोड़े कठिन लगे। फिर भी उन्होंने पूरे प्रश्नपत्र का उत्तर करने का प्रयास किया। कुल मिलाकर परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों में संतोष देखने को मिला।

परीक्षा से पहले लोहिया स्कूल में छात्रों की होती चेकिंग। ● अमृत विचार

बोर्ड परीक्षा — प्रथम पाली में हाईस्कूल की सामाजिक विज्ञान व इंटर की कृषि शस्य विज्ञान प्रथम व षस्टम प्रश्न पत्र की हुई परीक्षा

दोनों पालियों में 69731 परीक्षार्थियों में 3114 ने छोड़ी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं दो पालियों में संपन्न हुईं। प्रथम पाली में हाईस्कूल में सामाजिक विज्ञान व इंटर के कृषि शस्य विज्ञान प्रथम व षस्टम प्रश्न पत्र की परीक्षा जिले के 122 परीक्षा केंद्रों में थी। जिसमें पंजीकृत 39081 छात्रों में 1902 अनुपस्थित व 27127 उपस्थित रहे।

द्वितीय पाली में इंटर अंग्रेजी की परीक्षा जिले के 121 केंद्रों में थी। जिसमें 30650 छात्रों में 1212 अनुपस्थित व 29438 छात्र उपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में 69731 छात्रों में 3114 अनुपस्थित व 66617 छात्र उपस्थित रहे। प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा होने के कारण मंडल स्तर का उड़न दस्ता वरिष्ठ प्रवक्ता डायट योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में बांगरमऊ क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करता रहा। सीसीटीवी व स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में होने वाली परीक्षा के चलते कहीं कोई नकलची नहीं पकड़ा गया। जिले स्तर के सचल दल ने डीआईओएस, बीएसए, जीआईसी प्रिंसिपल परमात्मा शरण, अदनान हाफीज, कमलेश कुमार व उपमा त्रिपाठी के नेतृत्व में आधा सैकड़ा से अधिक केंद्रों का निरीक्षण किया। कहीं कोई नकलची नहीं मिला। सुबह पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में 39012 छात्रों में 1895 अनुपस्थित व 37117 उपस्थित रहे। इंटर में कृषि शस्य विज्ञान प्रथमपत्र में 32 छात्रों में 29 उपस्थित व 3 अनुपस्थित रहे। जबकि कृषि शस्य विज्ञान षस्टम प्रश्नपत्र में 37 छात्रों में 33 उपस्थिति व 4 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 39081 छात्रों में 37179 उपस्थिति व 1902 अनुपस्थित रहे।

द्वितीय पाली में इंटर अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र होने से जहां जिले व मंडल स्तर के सचल दल परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। एसडीएम उदयवीर सिंह जिले के सभी केंद्रों का कंट्रोल रूम से निगरानी करते रहे। द्वितीय पाली में इंटर अंग्रेजी विषय में 30650 छात्रों में 29438 उपस्थित व 1212 अनुपस्थित रहे। एसडीएम ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक संचालित हुई।

कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी करते एसडीएम उदयवीर सिंह।

रमजान के पहले जुमा पर मांगी अमन-ओ-शांति की दुआ

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : रमजान के पाक महीने के पहले जुमा पर शुक्रवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में नमाज अकीदत व एहतराम के साथ अदा हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में नमाजियों ने देश में अमन-ओ-शांति, भाईचारे व खुशहाली की दुआ मांगी। रमजान के पहले जुमा को लेकर मस्जिदों में विशेष रौनक देखने को मिली और दोपहर के समय नमाजियों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी। जुमा की नमाज का सिलसिला दोपहर साढ़े 12 बजे से शुरू होकर करीब डेढ़ बजे तक चला। दोपहर सवा 1 बजे पहली जुमा की नमाज अदा की गई। जिसमें इमामों ने रमजान की अहमियत, सब्र, इबादत व इंसानियत पर तकरीर की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस मुस्तैद रही।

अमृत विचार

शनिवार, 21 फरवरी 2026

नरक क्या है? मेरा मानना है कि यह प्रेम करने में असमर्थ होने का दुख है।
-फ्योदोर दोस्तोवस्की, रूसी साहित्यकार

पारदर्शी जांच की उम्मीद

महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी गहरी संवेदना और सवालों का वातावरण निर्मित किया। किसी भी हाई-प्रोफाइल दुर्घटना के बाद स्वाभाविक रूप से संशय और आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में यक्ष प्रश्न यही है कि क्या दुर्घटना के वास्तविक कारण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामने आ पाएंगे। इस संदर्भ में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय का रुख भरोसा जगाने वाला है।

दुर्घटना की जांच का दायित्व 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' यानी एएआईबी को सौंपा गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन आईसीएओ के मानकों के अनुरूप कार्य करता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी तरह तकनीकी, साक्ष्य-आधारित और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होगी। यह घोषणा स्वयं इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता की कसौटी के रूप में देख रही है। तकनीकी स्तर पर हुई प्रगति इस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर या डीएफडीआर से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। यह डेटा विमान की गति, ऊंचाई, इंजन की स्थिति और पायलट के तकनीकी इनपुट्स का विस्तृत रिकॉर्ड प्रस्तुत करता है। इस आधार पर एएआईबी ने 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की है। समयबद्ध रिपोर्टिंग की यह सार्वजनिक प्रतिबद्धता पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है, हालांकि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर यानी सीवीआर से डेटा निकालने में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं, विशेषकर दुर्घटना के बाद लगी आग के कारण। इसके बावजूद सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञों और निर्माता कंपनी की सहायता ली जा रही है, ताकि उपलब्ध प्रत्येक तकनीकी स्रोत का उपयोग किया जा सके। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि जांच एजेंसियां किसी भी तथ्य को अधूरा छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से, विशेषकर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले द्वारा पारदर्शी और औपचारिक जांच की मांग की गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी मांगें स्वाभाविक हैं। उल्लेखनीय यह है कि सरकार ने इन आवाज़ों को प्रतिरोध के रूप में नहीं देखा, बल्कि जांच की निष्पक्षता और विधिक प्रक्रिया को दोहराते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले को राजनीतिक विवाद के बजाय सार्वजनिक विश्वास के प्रश्न के रूप में लिया जा रहा है। सरकार द्वारा संबंधित विमानन संचालन और रख-रखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा तथा आवश्यक ऑडिट की पहल भी की गई है।

कुल मिलाकर अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच तकनीकी संस्थाओं की क्षमता और सरकार की नीयत दोनों की परीक्षा है। अब तक के संकेत, डेटा रिकवरी, समयबद्ध रिपोर्ट की घोषणा और विशेषज्ञ सहयोग, यह दर्शाते हैं कि प्रक्रिया को गंभीरता और विधिक अनुशासन के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। यह जांच न केवल सत्य को सामने लाएगी, बल्कि सार्वजनिक विश्वास को भी सुदृढ़ करेगी।

प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

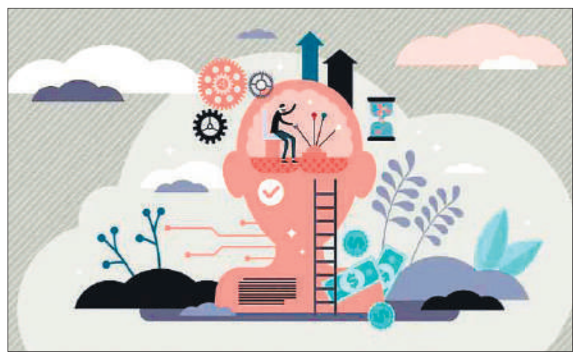

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर 'शिक्षा तक पहुंच बढ़ने' और 'जनसांख्यिकीय लाभ' के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ, तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी, पर गुणवत्ता गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश (हालांकि सभी नही) निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लेन-देन बनती जा रही है। पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है, जहां कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य, जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था, अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियां तो दी जा रही हैं, लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं, जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएं नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं, बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियां हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता, तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है? रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है, लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार-योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है, तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियां उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बांटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है।

मान्यता प्रणालियां, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे, लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएं अक्सर वास्तविक मूल्यांकन के बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व-निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढांचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति, इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को 'मैनेज' करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है। संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियां लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है, जहां प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियां नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं, लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा विवाद की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है।

आमने सामने

रमजान के नाम पर बेवजह लाउडस्पीकर बजाकर बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों की सेहत से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और सरकारों की ओर से बनाए गए कानून का पालन करना चाहिए। मुझे अजान से दिक्कत नहीं है।

-बालमुकुंद आचार्य
बीजेपी विधायक, राजस्थान

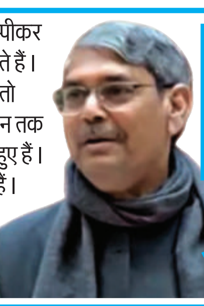

बीजेपी विधायक खुद ही एक लाउडस्पीकर हैं, जो हमेशा नफरती बोल बोलते रहते हैं। इन्हें दूसरों से क्या परेशानी होगी, ये तो खुद सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। आचार्य बीजेपी की ही भाषा बोल रहे हैं।

-घनश्याम महर
कांग्रेस विधायक
राजस्थान

राज्यों के चुनाव और भाजपा की स्थिति

डॉ. विकास शुक्ला
चिकित्सक

इस साल केरल, असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा की सरकार है तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए सत्ता में है। भाजपा इन राज्यों की सत्ता में पुनः वापसी करने की भरपूर कोशिश कर रही है, तो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के हाथों से सत्ता छीन कर वहां पहली बार सरकार बनाने का सपना संजोए हुए है। पार्टी को उम्मीद है कि वह केरल और तमिलनाडु में मजबूत स्थिति में उभरेगी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए भी चुनौती हैं, क्योंकि उनकी ताजपोशी के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है। इन चुनावों में उनके रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन होगा।

बिहार में मिली अभूतपूर्व सफलता से भाजपा उत्साहित है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि इस बार वे पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। माना जा रहा है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। पार्टी वहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप भी लगाती रही है। इसी को मुद्दा बनाकर भाजपा ने वहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने के प्रयास शुरू किए हैं।

तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि वह जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर पुनः सत्ता पा लेगी, हालांकि वहां भाजपा की निगाहें अभी कांग्रेस और वामपंथी दलों के कदम पर टिकी हुई हैं। कांग्रेस अभी ममता बनर्जी के साथ भी गठजोड़ करने को आतुर दिख रही है, लेकिन अभी उसे कोई भाव नहीं मिला है। कांग्रेस चाहेगी कि इस चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराए, पर यह तभी संभव है, जब उसका वामपंथी दलों या ममता की पार्टी के साथ गठजोड़ हो।

भाजपा को भी पार्टी के आतंरिक कलह को खत्म करना होगा। ऐसे कई वरिष्ठ नेता हैं, जो नाराज हैं। उन्हें लगता है कि दूसरे दलों से आए नेताओं को भाव ज्यादा मिल रहा है और उन्हें किनारे किया जा रहा है। इसका लाभ ममता बनर्जी को पिछले चुनाव में मिला था। आतंरिक कलह खत्म हो, इसके लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रणनीतिकार पूरी शिद्दत से काम कर रहे हैं। यह आंतरिक कलह ही बड़ी चुनौती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीतीं थीं, जबकि भाजपा को 77 सीटों से संतोष करना पड़ा था। भाजपा यहां कांग्रेस के मतदाताओं पर भी निगाह लगाए हुए है।

बात अगर असम की करें, तो यहां की सत्ता में भाजपा की तीसरी बार वापसी हो सकती है। मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सर्मा के आक्रामक हिंदुत्व वाले दांव से विरोधी परेशान हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने वाले बीजेपी गठबंधन को इस बार और अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है। यहां पार्टी एकजुट नजर आती है, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि वह सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठा सकती है, इसीलिए वहां प्रियंका गांधी और राहुल गांधी अभी से सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस यहां गौरव गोगोई के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को तैयार है, तो हिमंता लगातार गौरव गोगोई को भारत विरोधी सिद्ध करने में लगे हुए हैं।

मुस्लिम वोटों के दम पर वहां मजबूती से डटी एआईयूडीएफ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेर रही है। भाजपा को लगता है कि यह मुद्दा जितना दमदारी से उठेगा, उसे सत्ता वापसी करने में उतनी ही आसानी होगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन जल्द ही इस राज्य का दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कई दौरे यहां हो चुके हैं।

तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की सरकार है। भाजपा यहां अन्नाद्रमुक के साथ उन्हें सत्ता से हटाने के लिए लड़ रही है। डीएमके का कांग्रेस से गठजोड़ है। उम्मीद लगाई जा रही है कि यह गठबंधन टूट जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो भाजपा और अन्नाद्रमुक के लिए बड़ा फायदा होगा। यहां बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को भाजपा और उसके सहयोगी दल उभार रहे हैं, तो सबसे बड़ी चुनौती अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी पेश कर रही है। कांग्रेस इस चुनाव में अभिनेता विजय के साथ मैदान में उतरना चाहती है। यहां भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को उभार रही है।

केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता में है। इस फ्रंट ने 2021 में 99 सीटें जीतीं थीं। यहां मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बड़ी चुनौती है, लेकिन भाजपा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटी है। यहां भी भाजपा हिंदुत्व के सहारे है, तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के मुखिया एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। भाजपा को यहां यकीन है कि वह पुनः सत्ता में वापसी करेगी, हालांकि इस राज्य में मुद्दा हिंदुत्व नहीं, बल्कि विकास का है और इसी मुद्दे पर भाजपा और उसके सहयोगी दल मैदान में हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल के चुनाव में बीजेपी जीत का परचम लहराना चाहती है, लेकिन यहां पार्टी का अंतर्कलह उसके लिए सर दर्द है।

प्रसंगवश

इतिहास के गर्त में समाती मातृभाषाएं

दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के पसरते पांव और मिल रहे संरक्षण ने विश्व में बोली जाने वाली उन सैकड़ों लोक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है, जो सदियों से बोली जाती रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में चौकानें वाला तथ्य यह है कि विलुप्त हो रही भाषाओं में भारत के तकरीबन 196 भाषाओं का अस्तित्व भी खतरे में है। गत वर्ष पहले 'भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए गए 'भारतीय भाषाओं के लोक संरक्षण' की रिपोर्ट से उजागर हुआ था कि विगत 50 वर्षों में भारत में बोली जाने वाली 850 भाषाओं में तकरीबन 250 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं। इनमें भी 130 से अधिक भाषाओं का अस्तित्व तो पूरी तरह खतरे में है। इस शोध के मुताबिक असम की 55, ओडिसा की 47, त्रिपुरा की 10, महाराष्ट्र एवं गुजरात की 50, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17 और त्रिपुरा की 10 भाषाएं मरने यानी खत्म होने के कगार पर हैं। इन्हें बोलने वालों की संख्या लगातार घट रही है। उदाहरण के तौर पर सिक्किम में माझी बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। इसी तरह कई अन्य लोक भाषाओं के बोलने वालों की तादाद ऊंगली पर है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

गौर करें तो यह लोक भाषाओं के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती है। चूंकि भारत भाषायी विविधता से समृद्ध देश है और लोक भाषाएं लोक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं, ऐसे में उनका संरक्षण और भी अधिक जरूरी हो जाता है, लेकिन विडंबना है कि भाषाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के बजाए उदासीनता ज्यादा है। गौर करें तो भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी लोक भाषाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। गत वर्ष पहले मैक्सिको की पुरानतम भाषाओं में से एक अयापनेको के विलुप्त होने की खबर अच्छी खासी चर्चा में रही, इसलिए कि अयापनेको भाषा को जानने और बोलने वाले लोगों की संख्या विश्व में महज दो रह गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन शेष दो लोगों ने भी ठान लिया है कि वह आपस में इस भाषा के जरिए वार्तालाप नहीं करेंगे। मतलब साफ है कि अयापनेको भाषा का अस्तित्व मिटने जा रहा है।

विश्व की हर भाषा की अपनी ऐतिहासिकता और गरिमा होती है। प्रत्येक समाज अपनी भाषा पर गर्व करता है। अयापनेको भाषा की भी अपना एक विलक्षण इतिहास रहा है। इस भाषा को मैक्सिको पर स्पेनिश विजय का गवाह माना जाता है, लेकिन विडंबना है कि जिस अयापनेको भाषा को युद्ध, क्रांतियां, सूखा और बाढ़ लील नहीं पाया वह आज अपने ही लोगों की संवेदनहीनता के कारण अस्तित्व के दौर से गुजरने को मजबूर है। इन सबके बीच सुखद बात यह है कि इंडियाना विश्वविद्यालय के भाषायी नृविज्ञानी अयापनेको भाषा का शब्दकोष बनाकर उसे विलुप्त होने से बचाने की जुगत कर रहे हैं। पर देखा जाए तो भाषाओं के विलुप्त होने की समस्या सिर्फ अयापनेको तक ही सीमित नहीं है। विश्व के तमाम देशों में बोली जाने वाली अन्य स्थानीय भाषाएं भी दम तोड़ रही हैं।

दुनियाभर में तकरीबन 6900 भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 2500 से अधिक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। नतीजा इन्हें 'भाषाओं की चिंताजनक स्थिति वाली भाषाओं की सूची' में रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराए गए एक तुलनात्मक अध्ययन से खुलासा हुआ कि 2001 में विलुप्तप्रायः भाषाओं की संख्या जो 900 के आसपास थी, वह आज बढ़कर तीन गुना के पार पहुंच चुकी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

फागुन पूर्णिमा का बसंतोत्सव

फागुन का महीना हिंदी भाषी प्रदेशों में होली की मस्ती लेकर आता है। ठंड की विदाई की घोषणा होली के दिन के साथ ही मानी जाती है। रंगों और फूलों के इस मौसम से भला गुरुदेव रवींद्रनाथ का स्वप्न-संसार शांति निकेतन कैसे अछूता रहता। स्वयं गुरुदेव ने बसंत का स्वागत करने के लिए आश्रम के निवासियों के लिए बसंतोत्सव का आरंभ किया। हर साल यह फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

सुधा सिंह
शिक्षाविद्

गुरुदेव ने अपने संस्मरण में लिखा है, 'शांति निकेतन आकर ही मैं अपने जीवन में पहले पहल विश्व-प्रकृति के बीच उन्मुक्त हो सका था।' शांति निकेतन में प्रकृति अपने स्वच्छंद रूप में दिखती है, लेकिन यह उन्मुक्तता यहां अपने संपूर्ण रूप में बसंतोत्सव के दिन मुखरित दिखाई देती है।

बसंतोत्सव की प्रतीक्षा अन्य सभी आश्रमवासियों की तरह मुझे भी होती थी। इस समय सारा वातावरण ही तरह-तरह के फूलों और पत्तों से मह-मह करता है। मेरे अत्यंत पुराने और उसी अनुपात जर्जर दो तल्ले के घर, जिसका नाम 'प्राक्तनी' था, के सामने एक बहुत बड़ा बागान था। इसमें कई तरह के पेड़-पौधे लगे हुए थे- आम, शरीफा, बेर, अमरूद, जामुन आदि के पेड़ तथा रातरानी, छातिम, कचनार, रक्तजवा आदि फूलों के पौधे थे।

प्रवेशद्वार पर लोहे के फाटक के ठीक दोनों तरफ दो पलाश के बड़े-बड़े पेड़ थे, जो फागुन के महीने में लाल-लाल दहक कर पूरे परिवेश पर अपना वर्चस्व क़ायम कर लेते थे। सड़क के उस पार ठीक सामने उतने ही बड़े बागान के बीच बना छोटा-सा सादा और सुंदर अमृता सेन (अमर्त्य सेन की मां) का घर 'प्रतीची' है।

बसंतोत्सव की उद्घोषणा के पंद्रह-बीस रोज पहले से मेरे घर के लोहे के फाटक के दोनों ओर लगे इस पेड़ की पहरेदारी जैसी करनी पड़ती थी। सारे प्रयत्नों के बाद भी दोल या बसंतोत्सव के दिन सुबह-सुबह उठने पर एक ही नजारा हुआ करता था, बेचारे पलाश वृंतच्युत हो चुके होते थे। नंगी डालियां और जमीन पर नुचे-गिरे कुछ पलाश के फूल अमूमन यही दृश्य होता था। ऐसा इसलिए होता था कि कालिदास की शकुंतला की तरह या पुरा-मिथकों की अप्सराओं-किन्नरियों की तरह रूपसी शांति निकेतनी बालाओं का साज-सिंगार बसंतोत्सव के दिन लाल पलाश के फूल ही होते थे। उनकी बासंती रंग की साड़ी और शांति निकेतनी उत्तरीय के साथ हाथ, गले, कान और केश-सभी में गहनों का स्थानापन्न पलाश के फूल बनते थे। इस कारण बाजार में इनकी मांग बढ़ जाती थी। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

कदम-कदम पर पहचान के लिए लड़ती स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है। किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान से जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र, इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त ीं हो सकी है। स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है और स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन
लेखिका

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। यह मानसिकता वास्तव में पितृसत्ता की असुरक्षा को उजागर करती है। पुरुष-प्रधान व्यवस्था को भय है कि यदि महिलाएं बिना किसी सहारे के सफल हो गईं, तो नियंत्रण और प्रभुत्व की दीवारें स्वतः ढह जाएंगी। इसी कारण अविवाहित रहना आज केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक विद्रोह बन चुका है। जब कोई महिला स्पष्ट कहती है कि उसे अभी या कभी विवाह नहीं करना, तो वह परंपराओं को सीधी चुनौती देती है। वह यह सिद्ध करती है कि पहचान केवल पत्नी या मां बनकर ही नहीं बनती। यह विद्रोह दहेज, घरेलू हिंसा और भावनात्मक शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी आवाज़ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मुरुदेश्वर कर्नाटक राज्य में अरब सागर के किनारे स्थित भटकल नगर से 13 किमी दूर स्थित उत्तर कन्नड़ जिले का एक धार्मिक और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध नगर है। यहां विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 123 फिट ऊंची भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है। इसे अरब सागर में बहुत दूर से देखा जा सकता है। इस मूर्ति को इस तरह बनाया गया है कि सूरज की किरणें पड़ने से यह चमकती रहे। इसे बनाने में दो साल लगे थे और शिवमोग्गा के काशीनाथ और अन्य मूर्तिकारों ने बनाया था।

समुद्र का सौंदर्यपूर्ण संगम
मुरुदेश्वर

आचार्य अमरेश मिश्र
पीठाधीश्वर शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर, कानपुर

बेंगलुरु से मुरुदेश्वर पहुंचने के लिए हमने ट्रेन का चुनाव किया। रोज शाम 6.50 बजे बेंगलुरु से चलने वाली पंचगंगा एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह छह बजे मुरुदेश्वर पहुंचा देती है। मंदिर स्टेशन के पास ही स्थित है, लेकिन हमने पहले होटल पहुंचने का निश्चय किया। मुरुदेश्वर का सागरतट काफी खूबसूरत माना जाता है। पर्यटकों को यहां धार्मिक स्थल के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद भी मिलता है। कंदुका पहाड़ी पर, तीन ओर से पानी से घिरा मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। यहां का राजा गोपुरा या राज गोपुरम विश्व में सब से ऊंचा गोपुरा माना जाता है। यह 20 मंजिल के बराबर करीब 249 फीट ऊंचा है। इस विशाल मीनार जैसे गोपुरम में लिफ्ट लगी है, जिसके ऊपर से अरब सागर और भगवान शिव की प्रतिमा का अद्भुत नजारा नजर आता है। इस गोपुरम को एक स्थानीय व्यवसायी ने बनवाया था। द्वार पर दोनों तरफ सजीव हाथी के बराबर ऊंची हाथी की मूर्तियां बनी हैं। मंदिर में दर्शन के लिए जींस-टीशर्ट की मनाही है। मुरुदेश्वर मंदिर हिंदू स्थापत्य शैली (द्रविड़ शैली) में बना है, जिसमें चालुक्य और काम्बा राजवंश की मूर्तिकला-शैली और ग्रेनाइट निर्माण देखने योग्य है। यहां अब पर्यटकों की बढ़ती संख्या देखते हुए स्कूबा डाइवंग और वॉटर स्पोर्टस के भी इंतजाम किए गए हैं।

पौराणिक कथा

मुरुदेश्वर मंदिर में भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने अमरता का वरदान पाने के लिए भगवान शिव की कठिन तपस्या की। इससे प्रसन्न भगवान शिव ने उसे एक शिवलिंग दिया, जिसे 'आत्मलिंग' कहा जाता है। शिव ने कहा कि अगर तुम अमर होना चाहते हो, तो इसे लंका ले जाकर स्थापित कर देना, लेकिन एक बात ध्यान रखना कि इसे जिस स्थान पर रख दोगे, ये वहीं स्थापित हो जाएगा। रावण के अजेय होकर पृथ्वी को नष्ट करने की आशंका से भयभीत होकर नारद तुरंत गणेश जी के पास पहुंचे और एक योजना बनी। रावण संध्याकाल में विशेष उपासना करता था। जब वह गोकर्ण के पास था, तब भगवान विष्णु ने अपनी शक्ति से संध्याकाल का भ्रम उत्पन्न किया। गणेश जी ब्राह्मण बालक के रूप में रावण के सामने पहुंचे। रावण ने उनसे प्रार्थना समाप्त होने तक आत्मलिंग को थामे रखने का अनुरोध किया, लेकिन गणेश जी ने आत्मलिंग को धरती पर रख दिया। इसी बीच विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र हटा लिया, जिससे रावण ने सूर्य का प्रकाश देखा और खुद को ठगा हुआ महसूस किया। उसने आत्मलिंग को हटाने का बहुत प्रयास किया पर वह स्थापित हो चुका था।

पास ही में घूम सकते हैं फोर्ट

मुरुदेश्वर मंदिर के बाद मुरुदेश्वर फोर्ट घूमने जा सकते हैं। मंदिर के पास होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानी यहां जाते हैं। इस फोर्ट के ऊपर से सामने सिर्फ नीले रंग का पानी ही पानी दिखाई देता है। इस फोर्ट का इतिहास विजयनगर साम्राज्य के राजाओं से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान के बाद किसी ने भी मुरुदेश्वर फोर्ट का जीर्णोद्धार नहीं कराया। फोर्ट का कुछ हिस्सा अब खंडहर में तब्दील हो चुका है।

कैसे पहुंचें

मुरुदेश्वर से मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 165 किलोमीटर दूर स्थित है। हवाई अड्डे से टैक्सी या बस से मुरुदेश्वर जा सकते हैं। रास्ते में हरे-भरे वातावरण और तटीय परिदृश्यों के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। मुरुदेश्वर में रेलवे स्टेशन भी है, जो मंगलुरु, बेंगलुरु और मुंबई से जुड़ा है। रेलवे स्टेशन से ऑटो-रिक्शा से मंदिर पहुंच सकते हैं। मुरुदेश्वर के लिए मंगलुरु, उडुपी और बेंगलुरु जैसे शहरों से नियमित बस सेवाएं

उपलब्ध हैं। कार से यात्रा करने पर एनएच-66 से सफर करते हुए अरब सागर के किनारे मनोरम दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

जॉब का पहला दिन

जब सपना बना सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प

कृष्ण कुमार मिश्र
प्रधानाचार्य, अयोध्या

मेरा बचपन से ही शिक्षक बनने का सपना था। विद्यालय के दिनों में जब मैं अपने गुरुओं को श्रद्धा और सम्मान के साथ देखता, तो मन में यही आकांक्षा जन्म लेती कि एक दिन मैं भी ज्ञान का दीप प्रज्वलित करूंगा। वह स्वप्न 4 जुलाई 1994 को साकार हुआ, जब मैंने अपने शिक्षकीय जीवन की पहली पारी शुरू की। वह दिन आज भी स्मृतियों में उसी ताजगी के साथ अंकित है।

पहले दिन मैं ऊर्जा, उत्साह और हल्की-सी घबराहट के मिश्रित भावों से भरा विद्यालय पहुंचा। परिसर में प्रवेश करते ही बच्चों की चहचहाहट और प्रार्थना की धुन ने मन को अद्भुत सुकून दिया। प्रार्थना सभा में जब मेरा परिचय समस्त विद्यार्थियों और शिक्षकों से कराया गया, तो हृदय गर्व से भर उठा। उसी क्षण मुझे कक्षा अध्यापक का दायित्व भी सौंपा गया। यह विश्वास मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का संकेत था।

सभा के उपरांत शिक्षा अधिकारी श्री जीपी वंतू ने मुझे अपने कक्ष में बुलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी शक्तियों और कमजोरियों के बारे में पूछा। मैंने निस्संकोच कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति मेरी दृढ़ आस्था मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही स्वीकार किया कि कभी-कभी शीघ्र क्रोध आ जाना मेरी कमजोरी रही है, पर मैं स्वयं को निरंतर सुधारने का प्रयास करता रहूंगा। मेरी स्पष्टवादिता से वे संतुष्ट दिखे और मुझे शुभकामनाएं दीं। पहली बार जब मैं

अपनी कक्षा में पहुंचा, तो उत्सुक निगाहें मुझे देख रही थीं। मैंने औपचारिकता छोड़कर संवाद का रास्ता चुना। बच्चों से उनके सपनों, रुचियों और खेलकूद के बारे में बात की। खेल मेरा प्रिय क्षेत्र रहा है और इसी माध्यम से विद्यार्थियों से आत्मीय संबंध स्थापित करने की शुरुआत हुई। मुझे लगा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के संवर्धन से भी गहराई से जुड़ा है। उस दिन घर लौटते समय मन में संतोष और संकल्प दोनों थे।

संतोष इस बात का कि मेरा स्वप्न साकार हुआ और संकल्प इस बात का कि मैं अपने विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का कारण बनूंगा। रात को देर तक मैं उसी दिन की घटनाओं को याद करता रहा और भविष्य की योजनाएं बनाता रहा। सचमुच, वह पहला दिन मेरे जीवन की दिशा तय करने वाला अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

बैगपाइप: पहाड़ों की सांसों में बसा सुर

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

आप पहाड़ की शांत सुरम्य वादियों में हों और दूर कहीं कोई छोटा सा गांव बसा हो। अचानक वहां से सुरीली सी स्वर लहरियां आकर हवा में बिखरने लगें, तो सोचिए कितना सुंदर अनुभव होगा। ऐसा ही अनुभव होता है बैगपाइप को सुनकर यानी हमारी भाषा में मशक बीन या जिसे बीन बाजा भी कहते हैं। मशक बीन जैसे ही अपने स्वर बिखेरती है, तो पहाड़ जीवंत होने लगते हैं, पत्ता-पत्ता मुस्कराने लगता है और फूलों में निखार आ जाता है। अंग्रेज भारत आए और अपने साथ ग्रेट ब्रिटेन के उत्तरी भाग में स्थित स्कॉटलैंड का वाद्य यंत्र बैगपाइप भी साथ लाए। फिर ब्रिटिश आर्मी के बैंड में इसे इस्तेमाल किया गया। आर्मी में शामिल भारतीय सैनिकों को भी इसे सीखने का अवसर मिला।

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी भारतीय सैनिकों ने इसका खूब अभ्यास किया। यह बैगपाइप भारत का खासकर कुमाऊं और गढ़वाल का होकर रह गया, शायद इसलिए कि स्कॉटलैंड की आबोहवा और प्रकृति उत्तराखंड के सुरम्य वातावरण से काफी हद तक मेल खाती है। संगीत यूं भी भौगोलिक सीमाओं और सात समंदर की दूरियों को नहीं जानता। हमारे लोक संगीत के साथ इसका अटूट नाता बन गया। मशक बीन का साथ मिला, तो लोकगीतों की ध्वनि मशक बीन के माध्यम से निकालने लगी। यह इतना लोकप्रिय हुआ कि इसने यहां के कई परंपरागत वाद्य यंत्रों को पीछे छोड़ दिया। इसे मशक बीन का नाम दिया गया।

मशक यानी पानी की थैली। बचपन में मैदानी क्षेत्रों में भिश्ती को मशक लेकर नालियों को साफ करते देखा था। इस यंत्र की थैली भी बिल्कुल वैसी ही होती हैं। भिश्ती शब्द फारसी शब्द से लिया गया है। पुराने समय में मशक में पानी लेकर युद्ध क्षेत्र में सैनिकों को पानी पिलाकर सेवा करना भिश्ती का ही काम होता था। पांच पाइपों वाला यह एक वायु वाद्य है, जिसे बांसुरी या शहनाई जैसे अन्य वाद्य यंत्रों की तरह ही फूंक मारकर बजाया जाता है। इटली, फ्रांस, इंग्लैंड से होता हुआ यह एशिया की सैर करने आ पहुंचा।

कई पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल में भी लोकप्रिय हो गया और पाकिस्तान के सियालकोट और भारत के जालंधर शहर में बनाया जाने लगा। बैगपाइप यानी मशक बीन में चमड़े की थैली में चार छेद होते हैं, जिनमें से एक पाइप नीचे की तरफ और तीन ऊपर की तरफ लगे होते हैं। एक पाइप बैग से जुड़ा रहता है, जिसमें वादक फूंक मारता है और दूसरे पाइप को अपनी उंगलियों से नियंत्रित करता है और ऊपर की तरफ निकलने वाले तीन पाइप जो कंधे पर टिकाए गए होते हैं, उनके माध्यम से सुरीले स्वर निकलते हैं।

बैगपाइप का जिक्र आने पर सबसे पहले स्कॉटलैंड का ग्रेट हाइलैंड बैगपाइप का ही ध्यान आता है, क्योंकि 15 वीं शताब्दी से ही यह वहां के कबीले की संस्कृति में शामिल था। इसकी शुरुआत अक्सर ग्रामीण जीवन के साथ जोड़कर देखी जाती है। ऊब और थकान से बचने के लिए चरवाहे जानवर चराते समय इसे बजाकर मनोरंजन किया करते थे। इसे बनाने के लिए मरे हुए जानवरों का चमड़ा और बांस भी उन्हें जंगल और चारागाह में आसानी से उपलब्ध हो जाता होगा। समय के साथ-साथ इसे मशाल इंस्ट्रूमेंट के तौर पर विकसित किया गया।

आज के समय में दुनियाभर में लकड़ी और ब्रास से बनाए गए सौ से ज्यादा तरह के बैगपाइप प्रचलन में हैं। पारंपरिक रूप में यह बकरी या भेड़ की खाल को सुखाकर बनाया जाता है और इसमें इस्तेमाल किए जाने वाले पाइप, जिन्हें चेंटर भी कहते हैं, बांसुरी की ही तरह बांस के होते हैं। 1947 में अंग्रेज चले गए पर मशक बीन भारतीय सैनिकों के दिलों दिमाग में रच बस गया।

धीरे-धीरे न जाने कैसे यह हमारे संस्कृतिक समारोहों और वैवाहिक उत्सवों में शरीक हो गया। यह भारतीय सेना का भी अनिवार्य हिस्सा बन गया।

कुमाऊं रेजीमेंट के अभ्यास और कार्यक्रम के दौरान मशक बीन के सुरीले स्वर वातावरण में मिठास खोल देते हैं। चाहे रानीखेत का सोमनाथ ग्राउंड हो या अल्मोड़ा का कैंट एरिया। पूर्व सैनिक तो इस पर स्कॉटिश धुन बजाने में भी माहिर हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजपथ में होने वाले आयोजन में, जिसमें देसी-विदेशी मेहमानों की उपस्थिति में विशेष परिधान में सजी-धजी सेना की टुकड़ियां इस वाद्य यंत्र के साथ धुन निकालते हुए कदमताल करती हैं। यह धुन इतनी असरकारी है कि पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज जाता है। इसी तरह सार्वजनिक उत्सवों में अगर ढोल-दमाऊ के साथ मशक बीन की संगत न हो, तो रंगत फीकी सी लगती है। बेडू पाको बारो मासा और कैलै बाजे मुरूली जैसे गीत और मशक बीन एक दूसरे के पर्याय हैं। इन गीतों की धुन मशक बीन पर सुनते ही पैर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं।

कुमाऊं के छोलिया नृत्य और गढ़वाल के पौणा नृत्य के दौरान मशक बीन की उपस्थिति पैरों की थिरकन और हृदय की धड़कन दोनों को बढ़ा देती है। लोक गीतों के अलावा देश भक्ति गीत, मार्शल म्यूजिक, पश्चिमी धुन, जैज, रॉक, क्लासिकल, फिल्मी गीत सभी बैगपाइप के मदद से बड़ी शान से बजाते हैं। कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी इसका जलवा है। इसे बजाना बहुत मेहनत और लगन का काम है। चूंकि यह पाइप में मुंह से हवा भर के बजाया जाता है, तो फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है। इसमें धुन तभी निकलती है, जब बैग में हवा भरी हो।

अनुभूति

जन्मदिन: जीवन के सफर का उत्सव

प्रिंस श्रेयश
शिक्षक

बचपन में जन्मदिन किसी त्योहार से कम नहीं होता था। सुबह से ही घर में हलचल शुरू हो जाती थी। मां रसोई में कुछ खास बनाती थीं, पिताजी मुस्कुराते हुए आशीर्वाद देते थे, रिश्तेदार फोन करते थे या घर आकर गले लगाते थे। एक छोटा-सा केक, कुछ मोमबत्तियां और ढेर सारा स्नेह, बस इतना ही तो चाहिए था खुश होने के लिए। उस समय जन्मदिन केवल तारीख नहीं, बल्कि अपने होने का उत्सव था। फिर समय बदला। बड़े हुए तो जन्मदिन का अर्थ बदल गया। दोस्तों के साथ पार्टी, हंसी-मजाक, देर रात तक जश्न यह सब जन्मदिन की पहचान बन गया। परिवार की जगह दोस्तों का दायरा बढ़ गया। खुशी वही थी, पर रूप अलग था। उस उम्र में लगता था कि यही असली जीवन है।

फिर विवाह हुआ। अब लोग सालगिरह याद रखने लगे और जन्मदिन धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गया। जिम्मेदारियां बढ़ीं, प्राथमिकताएं बदलीं। जीवन की दौड़ में तारीखें कैलेंडर के पन्नों में सिमटने लगीं। जन्मदिन अब उतना शोर-शराबे वाला नहीं रहा, बल्कि एक शांत-सा दिन बन गया, जिसमें कुछ संदेश, कुछ औपचारिक शुभकामनाएं और सामान्य दिनचर्या शामिल हो गई। धीरे-धीरे अपने बच्चे हुए। अब घर में फिर से जन्मदिन मनाया जाने लगा, पर इस बार अपने बच्चों का। उनके लिए केक, सजावट, उपहार और उत्साह। उनकी आंखों की चमक में हम अपना बचपन तलाशने लगे, लेकिन इसी बीच कहीं हमारा अपना जन्मदिन पीछे छूट गया। कभी-कभी तो चुपचाप गुजर भी जाता है। तब मन में एक विचार उठता है, जब हमारे माता-पिता हमारा जन्मदिन इतने प्रेम से मनाते थे, क्या उस समय उनका अपना जन्मदिन भुला दिया गया था?

शायद यही दुनिया की रीति है। समय के साथ केंद्र बदलता रहता है। बचपन में हम केंद्र में होते हैं, युवावस्था में मित्र, फिर परिवार और अंत में बच्चे। जीवन का चक्र ऐसे ही चलता है। एक पीढ़ी उत्सव मनाती है, दूसरी पीढ़ी उत्सव का कारण बनती है, लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि जन्मदिन की कोई कीमत नहीं रही? नहीं। जन्मदिन केवल केक या पार्टी का नाम नहीं है। यह उस जीवन का उत्सव है, जो हम जी रहे हैं, उन संघर्षों का सम्मान है, जिन्हें हमने पार किया है और उन सपनों का स्मरण है, जो अब भी हमारे भीतर जीवित हैं। आज के बदलते समाज में एक अच्छी बात भी दिखती है कि कई बच्चे अपने माता-पिता का जन्मदिन मनाने लगे हैं। वे उन्हें दो पल की खुशी देते हैं, उनके बचपन और युवावस्था को याद करने का अवसर देते हैं। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,814.71	25,571.25
बढ़त	316.57	116.90
प्रतिशत में	0.38	0.46

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार, 21 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा सरकार ने पेश किया 3.1 लाख करोड़ रुपये का बजट

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.10 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में कृषि, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुल बजट का लगभग 58 प्रतिशत (1,80,000 करोड़ रुपये) कार्यक्रम व्यय के लिए आरक्षित किया गया है। माझी ने राज्य विधानसभा में तीसरा बजट पेश करते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यय 1,14,000 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, आपदा जोखिम प्रबंधन कोष के लिए 5,375 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर व कारीगर होंगे शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 21 फरवरी से दो मार्च तक आयोजित होने वाली विशेष हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर और कारीगर समूह हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का मकसद स्वदेशी हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देना, बुनकरों और ग्राहकों के बीच सीधे बाजार संपर्क बनाना और देशभर के कारीगरों के लिए रोजी-रोटी के मौके मजबूत करना है। जनपथ के हथकरघा हाट में होने वाली प्रदर्शनी में आगंतुक सीधे बुनकरों से उत्पादों खरीद सकेंगे, जिसमें हथकरघा साड़ियां, ड्रेस सामग्री, घरेलू साज-सज्जा की वस्तुयें, शॉल और हथकरघा कपड़े शामिल हैं।

टेक्समैको रेल और आरवीएनएल ने बनाया संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड ने देश की रेल विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने कहा कि यह संयुक्त उद्यम भारत और अन्य देशों में उन्नत रेल वाहन, उनके रखरखाव और संपत्ति प्रबंधन के साथ बड़े पैमाने पर विनिर्माण और पूरी तरह तैयार परियोजनाओं पर काम करेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों की ताकत को मिलाकर ऐसे रेल समाधान देगी, जो उन्नत इंजीनियरिंग, कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाले होंगे।

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी

आईएमएफ प्रमुख ने कहा- एआई को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहे दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को 0.8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है विकसित भारत बनने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती है। जार्जीवा ने इसके साथ यह चेतावनी भी दी कि एआई से नौकरियां कम होने और वित्तीय स्थिरता पर भारी जोखिम भी पैदा हो सकते हैं।

जॉर्जीवा ने यहां आयोजित ''एआई इम्पैक्ट समिट 2026'' में कहा कि वह एआई को लेकर आशावादी हैं, लेकिन इसके प्रभाव को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एआई को अच्छाई की ताकत या बुराई की ताकत के रूप में इस्तेमाल किए जाने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जॉर्जीवा ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लगभग एक प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकता है। हमारा अनुमान 0.8 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड महामारी से पहले की तुलना में तेजी से बढ़ेगी। यह नए अवसर और अधिक रोजगार सृजित करने के लिए शानदार है।

उन्होंने कहा कि एआई उन देशों के लिए अधिक अवसर पैदा करता है जो डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और एआई को तेजी से अपनाने में आगे हैं। उन्होंने कहा कि देशों को जोखिमों के प्रति सचेत रहते हुए अवसरों को अपनाना चाहिए। कहा, मैं एआई को लेकर बहुत आशावादी हूं। हालांकि मैं बहुत भोली भी नहीं हूं, इससे काफी जोखिम भी जुड़े हैं।

अमेरिका के बाजार में पड़ने लगा असर

आईएमएफ के एक अध्ययन के मुताबिक एआई के कारण अमेरिकी श्रम बाजार पर असर पड़ रहा है। अमेरिका में हर दस में से एक नौकरी के लिए अब अतिरिक्त कौशल की जरूरत है और इस कौशल से लैस लोगों को बेहतर वेतन मिलता है। जॉर्जीवा ने कहा, जब लोगों के पास ज्यादा पैसे होंगे, तो वे रेस्तरां, मनोरंजन आदि में जाएंगे, जिससे कम कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ेगी। एआई से एक नई नौकरी बनने पर कुल रोजगार में 1.3 नौकरियां बनती हैं। इसका मतलब है कि कुछ लोगों को ज्यादा अवसर मिलते हैं।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जिवा और अन्य वैश्विक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

एआई से जुड़े तीन बड़े जोखिम गिनाए

- जॉर्जीवा ने कहा कि सबसे पहले एआई से कुछ देशों के पास प्रौद्योगिकी होने और कुछ देशों के पास न होने के कारण वैश्विक असमानता बढ़ने का खतरा है।
- यह पूरी दुनिया में वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, क्योंकि एआई अनियंत्रित होने पर वित्तीय बाजारों में संकट पैदा कर सकता है।
- एआई आने से नौकरियों के जाने का भी खतरा है, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लोग नई एआई अर्थव्यवस्था में अपनी जगह किस तरह बना सकेंगे।

आईएमएफ देशों के साथ मिलकर यह समझने का काम जारी रखेगा कि एआई में क्या बदलाव हो रहे हैं और भविष्य की नीतियों के लिए इसे कैसे आकार दिया जा सकता है। हमें एआई को देखने और समझने में लचीला रुख अपनाना होगा। – **क्रिस्टलिना जॉर्जीवा**

जल्द ही श्रम बाजार में आने वाली है सुनामी

जॉर्जीवा ने कहा, हमने इस जोखिम को बहुत ऊपर आंका है। हम वास्तव में श्रम बाजार पर एआई के प्रभाव को एक 'सुनामी' की तरह देख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित होंगी, कुछ में सुधार होगा और कुछ खत्म हो जाएंगी। उभरते बाजारों में 40 प्रतिशत प्रभावित होंगे जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक है। और यह बदलाव अपेक्षाकृत कम समय में ही होने जा रहा है।

अति उत्साही न बनें, विश्वसनीय होने पर ही एआई का इस्तेमाल करें संस्थान

नई दिल्ली। संस्थानों को एआई आधारित समाधानों के इस्तेमाल को लेकर तब तक अत्यधिक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए, जब तक उनका पूर्ण परीक्षण न हो और वे विश्वसनीय न हों। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन' प्रभाग के उपमहानिदेशक रोहित भारद्वाज ने समिट में 'एआई-समक्ष डेटा : नवाचार के लिए साझा अवसंरचना' विषयक सत्र में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को आंकड़ों को मशीन-रीडेबल बनाना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल और सिमैंटिक्स होनी चाहिए और मेटाडेटा होना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल में किसी जानकारी को समझने के लिए आवश्यक विवरण होता है। सिमैंटिक्स शब्दों या डेटा के वास्तविक अर्थ और संदर्भ को समझने की प्रक्रिया है। मेटाडेटा डेटा के बारे में दी गई अतिरिक्त जानकारी, जैसे उसकी तारीख, स्रोत या संरचना को कहते हैं।

सांख्यिकी मंत्रालय ने दी सलाह

भारत का जोर सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराने पर

नई दिल्ली। सांख्यिकी सचिव सुमित गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक ऐसे मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमताएं सभी के लिए सुलभ हों।

गर्ग ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हमारा ध्यान कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच को सीमित करने पर नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से प्राथमिकता तय करने पर है। उन्होंने कहा कि इसमें परोपकारी संगठनों की अहम भूमिका होगी, क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। इस उद्देश्य के साथ सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र सहयोग कर सकते हैं ताकि सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमताएं मिल सकें। हम इसी तरह के मॉडल पर विचार कर रहे हैं।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स में 316 अंक का उछाल, निफ्टी भी 25,550 के पार

मुंबई। शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 316 अंक की बढ़त के साथ जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ। बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी, व्यापार समझौते में प्रगति को लेकर आशावाद के साथ 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से बाजार को समर्थन मिला।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक उछलकर 25,663.55 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। भूराजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा शेयर की अंधाधुंध बिकवाली से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 1,236.11 अंक और एनएसई निफ्टी 365 अंक टूट गया था।

आठ बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर घटकर चार प्रतिशत पर

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में घटकर चार प्रतिशत रह गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह साफ किया। इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर एक साल पहले जनवरी, 2025 में 5.1 प्रतिशत थी जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.7 प्रतिशत रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि में इन आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 2.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

- समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर की हुई वृद्धि

भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक इससे पहले छह फरवरी को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी में 723.774 अरब डॉलर का रहा था। आरबीआई की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया।

एल्यूमीनियम के लिए ब्राजील की कंपनी का हिंडाल्को से करार

नई दिल्ली। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर ने खनन क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंडाल्को के साथ भारत में साझा व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए शुक्रवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एम्ब्रेयर ने बताया कि इस संयुक्त पहल का उद्देश्य विमानन में इस्तेमाल होने वाले विशेष एल्यूमीनियम से बने कच्चे माल के निर्माण में संभावनाओं की पहचान करना है। कंपनी ने महिंद्रा और अडानी समूहों के साथ भारत में विमान निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए समझौते किए हैं। एम्ब्रेयर में वैश्विक खरीद के कार्यकारी उपाध्यक्ष रॉबर्ट चेव्स ने कहा, यह पहल स्थानीय साझेदारों की पहचान करने पर हमारे फोकस को और मजबूत करती है।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ युवा कांग्रेस का एआई समिट में प्रदर्शन

शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की नारेबाजी, पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन स्थल पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने इसके बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल की है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हॉल नंबर-5 के अंदर मार्च करते हुए पहुंचे। इनमें कुछ सफेद टीशर्ट पहने हुए थे और कुछ ने ये टीशर्ट हाथों में ले रखी थी। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टीशर्ट भी उतार दीं। उनके विरोध प्रदर्शन के कारण वहां अफरातफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

पुलिस के मुताबिक जिन लोगों को हिरासत में लिया गया, उनमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि भी शामिल हैं। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में प्रदर्शन करते युवक कांग्रेस कार्यकर्ता।

समिट नहीं, किसान विरोधी व्यापार समझौते के खिलाफ

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब ने एक बयान में कहा, युवा कांग्रेस के साथियों ने स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। पीएम इज कंप्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि करोड़ों बेरोजगार युवाओं का आक्रोश है। अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता हमारे किसानों और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, जिससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा अधिकार है और हम युवाओं की आवाज बुलंद करते रहेंगे। चिब ने कहा, हम एआई इम्पैक्ट समिट के खिलाफ नहीं हैं। हम भारत के हितों के साथ हो रहे समझौते के खिलाफ हैं, इसलिए हमने ये प्रदर्शन किया है।

भाजपा ने कहा- प्रदर्शन विश्व में भारत की छवि खराब करने का प्रयास

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। राजनाथ ने कहा कि भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह घटना कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के कहने पर अंजाम दी गई है। उन्होंने कहा, यह साजिश राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में राहुल गांधी के निवास स्थान पर रची गई थी। यह प्रयोग है, संयोग नहीं।

इस अप्रत्याशित घटना ने अतिथियों और आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह व्यापार समझौता विरोधी प्रदर्शन अप्रत्याशित था।

बाबर के नाम पर धर्मस्थल का नामकरण रोकने की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने इसे वापस ले लिया।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता देश में आक्रांताओं के नाम पर मस्जिदों के निर्माण के खिलाफ है। हुमायूं कबीर ने इस तथ्य के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा की थी कि बाबर एक आक्रमणकारी था। कबीर के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। पीठ ने याचिका खारिज करने की घोषणा की तो वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करने और समूचे भारत में बाबर या बाबरी मस्जिद या उनसे मिलते-जुलते नामों पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण, नामकरण पर रोक लगाने या प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। यह निर्देश देने की भी मांग की गई कि वे बाबर या भारत पर आक्रमण करने वाले किसी भी व्यक्ति के नाम पर धार्मिक संरचना के निर्माण पर प्रतिबंध के लिए उचित दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार करें।

- निलंबित टीएमसी विधायक मुर्शिदाबाद में बनवा रहे हैं बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति

प्रमाणन रद्द करने संबंधी याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता और सीबीएफसी को नोटिस

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कन्नूर के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर फिल्म 'द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड' के निर्माताओं, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में अदालत से फिल्म के प्रमाणन को रद्द करने और इसके शीर्षक पर पुनर्विचार सहित संशोधनों का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

- दूसरे राज्यों की घटनाओं पर फिल्म बनाकर भ्रम फैलाने का आरोप

कन्नूर के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने याचिका में सूचना प्रसारण मंत्रालय, सीबीएफसी और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस की अध्यक्षता वाली पीठ ने अगली सुनवाई 24 फरवरी को तय की। याचिका में कहा गया है कि सीबीएफसी ने सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक जनादेश का उचित अनुपालन किए बिना फिल्म को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। याचिका के अनुसार, फिल्म के टीजर और ट्रेलर में कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है लेकिन सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में ब्रांड किया गया है, साथ ही आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की घटनाओं को विशेष रूप से केरल राज्य से जोड़ा गया है।

पहलवान सुशील की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा रुख

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकर की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। न्यायमूर्ति अनूप जे भंभानी ने मृतक के परिजनों को भी नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है।

- मृतक सागर धनकर के परिजनों को भी नोटिस जारी कर मांगा जवाब

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में हाईकोर्ट से सुशील कुमार को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। न्यायाधीश ने टिप्पणी की, मुझे लगता है कि आप कुछ ज्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है तो आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं। अभियुक्त के वकील ने कहा कि जमानत याचिका पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। दिल्ली पुलिस और मृतक के परिजनों के वकीलों ने कहा कि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ अभी बाकी है। कोर्ट ने कहा, अगली सुनवाई से पहले स्थिति रिपोर्ट/विस्तृत जवाब दाखिल किया जाए।

भारत-अमेरिका समझौते के खिलाफ किसान सम्मेलन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को फैसला किया कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ वह अलग-अलग राज्यों में किसान सम्मेलन करेगी, जिनमें किसानों को बताया जाएगा कि इस समझौते का उनकी आजीविका पर नकारात्मक असर पड़ने वाला है। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें यह फैसला किया गया। इस बैठक में इन राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि पहला किसान सम्मेलन 24 फरवरी को भोपाल और दूसरा सात मार्च को महाराष्ट्र के यवतमाल में आयोजित किया जाएगा।

कर्नाटक के बागलकोट में निषेधाज्ञा के बावजूद मांस की दुकानों पर पथराव

बागलकोट। बागलकोट में शुक्रवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी रही क्योंकि निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद कई लोग सड़कों पर उतर आए और मांस की दुकानों पर पथराव किया, जिसके चलते पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि शोभायात्रा बृहस्पतिवार को अपराह्न करीब 3:30 बजे पुराने कस्बे से शुरू हुई थी और लगभग पूरी होने वाली थी, तभी नवनागर क्षेत्र के किला ओनी में एक मस्जिद के पास रात करीब 9:30 बजे पथराव की घटना हुई। उन्होंने कहा, ''मस्जिद में जूता रखने का एक स्टैंड था और उसे खड़ा रखने के लिए उसके नीचे दो पत्थर रखे गए थे। उन्हीं पत्थरों में से एक का इस्तेमाल हुआ और वह हमारे पुलिसकर्मियों पर गिरा।

तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी

मद्रास हाईकोर्ट ने स्थानांतरण, नियुक्तियों और निविदा आवंटन में अनियमितताओं को लेकर तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा कि मंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों के प्रथमदृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं। पीठ ने माना कि ईडी ने जो सामग्री रखी है, वह संज्ञेय अपराधों का खुलासा करती है इसलिए इस मामले में किसी प्रारंभिक जांच की आवश्यकता नहीं है और प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। ईडी ने निदेशालय को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि नगर प्रशासन विभाग में सहायक इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर और स्वच्छता निरीक्षक जैसे 2,538 पदों पर नियुक्तियों के बदले लगभग 634 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई थी। ईडी के इसी पत्र के आधार पर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्ना द्रमुक) सांसद आईएस इनबादुरई और मदुरै के एक सामाजिक संगठन के अध्यक्ष के अथि नारायणन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को मामला दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि ईडी के पत्र को पहले ही निदेशालय के अधिकारियों को भेज दिया गया था और जांच की अनुमति मिल गई थी।

- साक्ष्य मौजूद, प्रारंभिक जांच की जरूरत नहीं : मद्रास हाईकोर्ट

बलूच आर्मी ने दी समय सीमा खत्म होने पर पाकिस्तानी सैनिकों को मार देने की धमकी

● पाकिस्तान की सरकार को बातचीत को दिए हैं सात दिन

क्वेटा, एजेंसी

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। बीएलए ने 14 फरवरी को कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समय सीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक आर्मी सर्विस कार्ड दिखा रहे हैं। उनमें से एक सिपाही मोहम्मद शहराम अपने सैन्य और राष्ट्रीय पहचान पत्र को लेकर बोल रहा है।

पत्नी-बच्चों को पीट सकेंगे अफगानी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है। दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ शर्तों के साथ वैध किया गया है।

आर्थिक जबरदस्ती पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत ने 20 फरवरी को औपचारिक रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता न केवल भारत और अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई और सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है। वर्तमान में सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति पर चीन जैसे कुछ ही देशों का एकाधिकार है। यह निर्भरता आर्थिक जोखिम पैदा करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। पैक्स सिलिका इसी आर्थिक जबरदस्ती को समाप्त करने का वैश्विक प्रयास है।

पैक्स सिलिका पहल

रणनीतिक गठबंधन

- शुरुआत : अमेरिका के नेतृत्व वाला एक रणनीतिक गठबंधन है जो सेमी कंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई ढांचे की पूरी सिलिकॉन स्टैक को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। इसकी शुरुआत 2025 में वाशिंगटन में हुई थी।
- आपूर्ति श्रृंखला बनाना : एआई और चिप निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक एक बाधा रहित आपूर्ति श्रृंखला बनाना।
- चीन पर निर्भरता कम करना : महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में चीन के प्रभुत्व और आर्थिक दबाव को कम करना। डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई मॉडल के लिए देशों का एक समूह तैयार करना।

भारत को होगा लाभ

- सेमीकंडक्टर हब बनना : भारत को अत्याधुनिक चिप विनिर्माण तकनीक और निवेश प्राप्त होगा, जिससे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को गति मिलेगी।
- महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच : लिथियम, कोबाल्ट और सिलिकॉन जैसे खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो ईवी और रक्षा उपकरणों के लिए अनिवार्य हैं।
- एआई निवेश : अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारतीय एआई बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश की संभावना है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- रणनीतिक स्वायत्तता : भारत बिना अपनी स्वायत्तता खोए वैश्विक उच्च-तकनीकी समूह का हिस्सा बनकर चीन की विस्तारवादी नीतियों का मुकाबला कर सकेगा।
- शेयर बाजार पर असर : विशेषज्ञों के अनुसार, माइनिंग, मेटल और टेक सेक्टर की कंपनियों को इससे दीर्घकालिक लाभ होगा।

एआई सप्लाई चेन की सुरक्षा

- सुरक्षा के लिए अहम : एआई को चलाने के लिए उन्नत चिप्स, विशाल डेटा सेंटर और निरंतर ऊर्जा की जरूरत होती है। पैक्स सिलिका निम्न तरीकों से सुरक्षा तय करता है।
- खनिजों का सुरक्षित स्रोत : सेमीकंडक्टर के लिए जरूरी रेयर अर्थ एलिमेंट्स की माइनिंग से लेकर प्रोसेसिंग तक सदस्य देशों के बीच सहयोग सुनिश्चित करना
- संवेदनशील तकनीक का संरक्षण : उन्नत एआई एल्गोरिदम और हार्डवेयर डिजाइन को गलत हाथों (विशेषकर प्रतिद्वंद्वी देशों) में जाने से रोकना।
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर : फाइबर-ऑप्टिक केबल, डेटा सेंटर और एआई फाउंडेशनल मॉडल के लिए सुरक्षित और पारदर्शी मानक स्थापित करना।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में 57 वर्षीय सिख का अपहरण

न्यूयॉर्क। कैलिफोर्निया के सैन जोकिन काउंटी के ट्रेसी इलाके से 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का अपहरण कर लिया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में पीड़ित की पहचान अवतार सिंह के रूप में की है, जिनकी लंबाई पांच फुट सात इंच है और वजन लगभग 200 पाउंड है। घटना के समय उन्होंने हल्के रंग के पारंपरिक सिख वस्त्र पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि निगरानी फुटेज में मंगलवार को अपराह्न लगभग ढाई बजे सिंह को गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्ति एक सफेद एसयूवी में बिठाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फुटेज से प्रतीत होता है कि पीड़ित अपनी मर्जी के बिना कार में बैठा।

पाकिस्तान ने कश्मीर में संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में स्थित टीएमजी (टूट मार गली) में दोपहर के आसपास पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की चौकियों ने भारतीय चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी करते हुए संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद गोलीबारी बंद हो गई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

सजा के बाद भी यून अपने रुख पर अडिग

सियोल। दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल की एक अदालत द्वारा विद्रोह के लिए सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अपने रुख पर अडिग हैं। येओल के वकीलों द्वारा जारी बयान के मुताबिक उनके मुवक्किल ने कहा कि दिसंबर 2024 में सैन्य कानून (मार्शल लॉ) लागू करने की उनकी अचानक और अल्पकालिक घोषणा पूरी तरह से राष्ट्र और हमारे लोगों के हित में थी।

वेनेजुएला ने कैदियों को माफी की मंजूरी दी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को आम माफी से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए जिससे हिरासत में लिए गए नेताओं, कार्यकर्ताओं, वकीलों और कई अन्य लोगों की रिहाई हो सकती है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा है। रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने ईरान को फिर दी चेतावनी, तय की परमाणु समझौते की समय सीमा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेताया, समझौता नहीं हुआ तो ईरान के साथ होगा बुरा बर्ताव

● ईरान पर 10 से 15 दिन के भीतर कोई फैसला लेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीजें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रंप का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक अर्थपूर्ण समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रंप ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा, 10-15 दिन, ज़्यादा से ज़्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ़ पीस की पहली बैठक में कहा, हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें। आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे।

तो अमेरिकी ठिकानों पर वैध होगा ईरानी हमला

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले वैध होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का निर्णायक जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेतावनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर समझौते के लिए अधिकतम 10-15 दिन का समय दिया है।

बोर्ड ऑफ पीस को 10 अरब अमेरिकी डॉलर देंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय निकाय बोर्ड ऑफ पीस में चीन और रूस के भी शामिल होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा कि कई देश बोर्ड में शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। मैं चाहूंगा कि चीन और रूस भी इसमें शामिल हों। ट्रंप ने घोषणा की कि बोर्ड के नौ सदस्यों ने कुल सात अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है, जबकि अमेरिका 10 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा, युद्ध की लागत की तुलना में यह राशि बहुत कम है। उन्होंने अमेरिका के 10 अरब डॉलर देने को काफी छोटी रकम बताया।

असम में बोले अमित शाह- देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे

● पूर्वोत्तर राज्य में शुरू किया वाइब्रेंट विलेज का दूसरा चरण

गुवाहाटी, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार ने पिछले दस वर्षों में घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने से रोका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक बार फिर भाजपा को वोट दें ताकि असम से आखिरी घुसपैठिए को बाहर किया जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को असम के कछार जिले के नाथनपुर गांव में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-द्वितीय' की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

इस पहल का उद्देश्य सीमा पर स्थित समुदायों को सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध बनाना है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। वीवीपी-द्वितीय एक 6,839 करोड़ रुपये की योजना है, जिसे 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में से लागू किया जाना है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने असम में पहले अवैध घुसपैठ के लिए सीमा खुले छोड़ दिए थे, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग असुरक्षा के कारण अपनी जमीन छोड़ने लगे और घुसपैठियों ने उन क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय लोगों और युवाओं ने अवसर खो दिए, क्योंकि घुसपैठियों की आबादी लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा, असम में भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में घुसपैठ को पूरी तरह से रोक दिया था और दूसरे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को उन जमीनों से उखाड़ फेंका, जिन पर उन्होंने अवैध तरीके से कब्जा किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने असम के कछार जिले में वाइब्रेंट विलेज के द्वितीय का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और मंत्री अतुल बोरा भी उपस्थित रहे।

हिंदी के साथ मजबूत होती हैं सभी भाषाएं

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो अन्य सभी भाषाएं भी मजबूत होती हैं। अगरतला में राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि हिंदी लोगों पर थोपी जा रही है लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस बात को गलत साबित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य स्थानीय भाषाओं के बीच कोई विवाद नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बेटियां हैं, जिन्होंने साथ-साथ प्रगति की हैं। शाह ने कहा कि लिपि और भाषा विवाद का मुद्दा नहीं हो सकतीं। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे घर पर अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में बात करें। गृह मंत्री ने कहा कि अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो आपके बच्चे अपनी मातृभाषा के साहित्य, परंपरा और संस्कृति से वंचित रह जाएंगे। हमें घर में जितना हो सके अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए।

किंग चार्ल्स-3 के भाई पूर्व प्रिंस एंड्रयू किए गए रिहा

लंदन। सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किए गए ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार व किंग चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पूर्व राजकुमार को गुरुवार शाम को रिहा किया गया। एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को उनकी गिरफ्तारी के लगभग 11 घंटे बाद पूर्वी ब्रिटेन स्थित उनके घर के पास स्थित थाने से कार में निकलते हुए देखा गया। एंड्रयू को उनके खिलाफ जांच जारी रहने के बीच रिहा किया गया है। एंड्रयू को गुरुवार तड़के घर से उन जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार किया था, जो जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उसने एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली है।

अमेरिका में हिरासत में लिए जा सकते हैं हजारों वैध शरणार्थी

● डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से बढ़ीं मुश्किलें

मिनियापोलिस, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक नया आदेश जारी किया है जिससे देश में मौजूद उन हजारों शरणार्थियों को गिरफ्तार किया जा सकता है जो यहां वैध रूप से रह तो रहे हैं लेकिन अब तक उनका कोई स्थायी आवास नहीं है।

मिनिसोटा में गुरुवार को होने वाली संघीय अदालत की सुनवाई से पहले गृह मंत्रालय द्वारा दाखिल एक मेमो में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले शरणार्थियों को अपने आवेदनों की समीक्षा के लिए अमेरिका में प्रवेश किए जाने के एक साल बाद संघीय हिरासत में रहना होगा। बुधवार को दाखिल मेमो में कहा गया है कि निरीक्षण और जांच प्रक्रिया की अवधि के लिए आव्रजकों को हिरासत में रखा जा सकता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और पुनर्वास समूहों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है। इस आदेश से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका आए लगभग 2 लाख शरणार्थियों के बीच भ्रम और भय पैदा हो सकता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन पाबंदियों की श्रृंखला में हालिया कार्रवाई है। पिछले साल के अंत में एक मेमो में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन के दौरान अमेरिका में प्रवेश पाने वाले सभी शरणार्थियों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है।

रूस की सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा पोलैंड

वॉरसॉ। पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को को दी। पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतर्राष्ट्रीय समझौते से अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला और बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई।

खुफिया विफलता को लेकर नौसेना को कोर्ट की फटकार

● आईएनएस शिकरा के पास इमारत निर्माण का मामला

मुंबई, एजेंसी

बंबई उच्च न्यायालय ने दक्षिण मुंबई में नौसेना के प्रमुख हवाई ठिकाने आईएनएस शिकरा के आसपास एक बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शुक्रवार को नौसेना को खुफिया विफलता के लिए कड़ी फटकार लगाई और सवाल किया कि इमारत के बनते समय कैसे इस पर किसी की नजर नहीं पड़ी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ ने कहा कि नौसेना की ओर से खुफिया चूक हुई है, क्योंकि वह अपने प्रतिष्ठान के आसपास एक गगनचुंबी इमारत के निर्माण पर ध्यान देने में विफल रही। पीठ आईएनएस शिकरा के कमांडिंग ऑफिसर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए परियोजना पर रोक लगाने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने नौसेना के सिर्फ इसी इमारत के निर्माण का विरोध करने पर भी सवाल उठाया, जबकि आसपास कई अन्य बहुमंजिला आवासीय इमारतें मौजूद हैं। याचिकाकर्ता के वकील आरवी गोविलकर ने दलील दी कि अन्य इमारतों का निर्माण साल 2011 में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास ऊंचे निर्माण के लिए एनओसी को अनिवार्य बनाने से पहले किया गया था।

यूएफओ से जुड़ीं फाइलें सार्वजनिक करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह पेंटागन और अन्य सरकारी एजेंसियों को परग्रही जीवों (एलियन्स) और यूएफओ से संबंधित फाइल की पहचान करके उन्हें सार्वजनिक करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि इन विषयों में लोगों की गहरी रुचि है।

ट्रंप ने यह घोषणा एक सोशल मीडिया पोस्ट में की। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर हाल में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में परग्रही जीवों के वास्तव में होने का संकेत देकर गोपनीय जानकारी उजागर करने का आरोप लगाया था। एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि परग्रही जीव वास्तव में हैं या नहीं।

आज का भविष्यफल -पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 21 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13.00 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

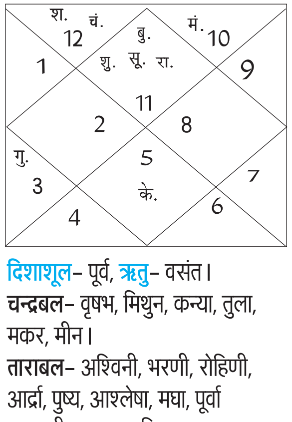

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 19.07 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष - आज विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। यद्यपि आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको गलत लोगों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें।

वृष - आज रुके हुए काम तेजी से पूरे कर लेंगे। अपनी कार्यक्षमता को सिद्ध कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। लोग आपकी विचारधारा से बहुत शीघ्र प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन - आज व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे।

कर्क - आज भाग्य आपका साथ देगा। महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेते रहें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह - आज अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। लोग आप से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

कन्या - आज अल्प परिश्रम से ही आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला - आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। आप गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

वृश्चिक - आज व्यापार में नए समझौतों को लेकर सावधानी रखें। प्रेमीजन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

धनु - आज गूढ़ अध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं। अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

मकर - आज बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में अच्छे ग्राहकों के कारण आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी।

कुंभ - आज कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें। उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को जॉब की चिंता हो सकती है।

मीन - आज का दिन कला-जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष है। कार्य थोड़े विलंब से पूर्ण होंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू -68

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	3	2				7
				9			4	
	8		5			9		
7		5			9	1		
								5
		2	7			4		9
		7		5	6		9	
5	6			7				
				4	8	7		

सुडोकू - 67 का हल

3	4	6	2	8	9	5	1	7
5	2	7	1	3	6	8	4	9
9	8	1	4	5	7	3	6	2
7	9	8	3	2	1	4	5	6
6	5	2	7	4	8	9	3	1
4	1	3	6	9	5	7	2	8
1	3	4	9	7	2	6	8	5
2	7	5	8	6	4	1	9	3
8	6	9	5	1	3	2	7	4

“जब टीम के तौर पर चीजें हमारी योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो देश में होने वाली प्रतिक्रियाओं का हम सम्मान करते हैं। हमें पता है कि ऐसा होगा और हम इसे स्वीकार करते हैं। आगे बेहतर करने के तरीकों पर हम जरूर विचार करेंगे।

–मिचेल मार्श, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, शनिवार, 21 फरवरी 2026

अभ्यास सत्र के दौरान अभिषेक शर्मा (बीच में), वरुण चक्रवर्ती (दाएं) और अन्य। एजेंसी

मार्करम या लिंडे करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत

अहमदाबाद, एजेंसी

टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए, लेकिन भारत का अभियान बिना रुके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास

एडेन मार्करम

जॉर्ज लिंडे

- सुपर-8 में भारत और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला कल

स्थायी है। अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

अभिषेक को एक अच्छी पारी की जरूरत : मोर्केल

अहमदाबाद। भारत की पहले सुपर-आठ मुकाबले में रविवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत से पहले गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप में अब तक अभिषेक शर्मा के खराब प्रदर्शन को लेकर टीम के अंदर कोई चर्चा नहीं हुई है। मोर्केल ने कहा कि अभिषेक को बस एक अच्छी शुरुआत की जरूरत है और उसके बाद वह लय पकड़ लेंगे। भारत का यह सलामी बल्लेबाज तीन मैचों में अब तक खाता खोलने में नाकाम रहा है।

भारत सुपर आठ चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें।

सुपर-8 में आज

टीम	समय
पाकिस्तान-न्यूजीलैंड	शाम 7 बजे

हाइलाइट

भारतीय हॉकी टीम की नजरें वापसी करने पर

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को यहां स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत में नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नयी शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

अल्काराज सेमीफाइनल में, सिनर हारकर बाहर

दोहा। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को हराकर कतर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को जैकब मेन्सिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जैकब मेन्सिक ने गुरुवार को खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैनिक सिनर को 7-6(7-3) 2-6 6-3 से हारकर कतर ओपन से बाहर कर दिया। चेक रिपब्लिक के छठे सीड वाले खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने पहला सेट जीता। हालांकि सिनर ने बराबरी कर ली। मेन्सिक ने अखिरी गेम जीत कर जीत दर्ज मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ सिनर का 23 मैचों में 22 जीत का सिलसिला समाप्त हो गया।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों पर नियंत्रण

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 के मुकाबले आज से, शाम 7 बजे से होगी शुरुआत

कोलंबो, एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप के सुपर-8 चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। चार मैचों में रविंद्र ने 72 रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से 59 रन कनाडा के खिलाफ एक ही मैच में आए। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें।पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है।

अगर बाबर एक बार और लड़खड़ाते हैं तो पाकिस्तान प्रबंधन फखर जमां जैसे किसी और खिलाड़ी को ला सकता है जो ग्रुप चरण के मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था। अफरीदी ने दो मैच में तीन विकेट लिए हैं जो धीमी पिच पर ‘वैरिएशन’ इस्तेमाल करने में उनकी नाकामी का सबूत है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, जैकब डफी और जेम्स नीशम अब तक लगभग महंगे रहे हैं और उन्हें यहां अपनी रणनीति पर फिर से सोचना होगा। वहीं स्पिनर मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी और कामचलाऊ रविंद्र और फिलिप्स पर से दबाव कम करना जरूरी है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर व कोच रॉब वाल्टर। पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान तारिक।

टीम

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आज़म, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

टीम के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा।

ओमान पर बड़ी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने ली विदाई

पल्लेकल, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए

टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का अपमान झेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में शुक्रवार को ओमान को नौ विकेट से हराकर विदा ली। जिम्बाब्वे और श्रीलंका से अप्रत्याशित हार के बाद ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया है।

प्रतिष्ठा के लिए खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने औपचारिकता के इस मैच में ओमान को 16 .2 ओवर में ही 104 रन पर आउट कर दिया था। लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए।

जवाब में कप्तान मिचेल मार्श के 33 गेंद में नाबाद 64 रन और ट्रेविस हेड के 19 गेंद में 32 रन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 9 . 4 ओवर में जीत दर्ज की । यह सौ रन से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेजी से दर्ज की गई जीत है।

मार्श ने अपनी पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। वहीं हेड ने छह चौके लगाए। दोनों ने 93 रन की साझेदारी की। इससे पहले जम्पा के चार विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने ओमान को 104 रन पर आउट कर दिया। जम्पा ने 21 रन देकर चार विकेट लिये जबकि जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले। ओमान की टीम 16.2 ओवर में आउट हो गई। वसीम अली ने ओमान के लिये 33 गेंद में 32 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

भारत ए की टीम वुमैन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप के फाइनल में

बैंकॉक, एजेंसी

- कप्तान राधा यादव ने किया हरफनमौला प्रदर्शन

कप्तान राधा यादव ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए भारत ए की टीम को शुक्रवार को यहां श्रीलंका ए पर पांच विकेट से जीत दिलाकर वुमैन्स राइजिंग स्टार्स टी20 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। राधा को एक और बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन इसके बाद वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी काविंदी और साथी हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी रही।

राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतना चाहेगी महिला टीम

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें।

मलाल

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सुपर-8 में न पहुंचने के बताए कारण, दोहरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से मिली थी हार

बड़ी टीमों से द्विपक्षीय शृंखला खेलने से ही आता है अनुभव

चेन्नई, एजेंसी

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बृहस्पतिवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप मैच में कनाडा को हराकर टी-20 विश्व कप से शानदार तरीके से विदा लेने के बाद कहा कि क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के साथ और द्विपक्षीय श्रृंखलाएं होनी चाहिए क्योंकि इनसे अनुभव मिलता है। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट रोमांचक क्रिकेट खेला और एक मुकाबले में स्कोर बराबर होने के बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से हार गया। हालांकि स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज ने कहा कि अगर अफगानिस्तान को नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के खिलाफ मौके मिलते हैं तो वह काफी आगे बढ़ सकता है।

राशिद ने बृहस्पतिवार रात को कनाडा को 82 रन से हराने के बाद कहा कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं। उन्होंने मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी के साथ आई थी और उसने जबरदस्त क्रिकेट खेला। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका से मिली करीबी हार महंगी पड़ी।

राशिद ने कहा हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच ने सच में सभी को दुखी किया। हमें उन (पहले दो) मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म हो गया और राशिद ने इसे टीम के लिए भावुक पल बताया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमने उसके साथ कुछ बहुत अच्छे पल बिताए। हम अभी जहां हैं, वहां उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक विदाई ली

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।

पाकिस्तान सरकार ने हॉकी कप्तान बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटाया

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को ‘अवैध और असंवैधानिक’ करार दिया।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले बृहस्पतिवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन के खिलाफ कप्तान के पीएचएफ की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के सरंक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का ‘अवैध और अंसंवैधानिक कदम’ था।

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को लॉजिस्टिक की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपये दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टिक की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

उन्होंने कहा दोनों तदर्थ आधार पर हॉकी के मामलों को देखेंगे और नुकसान को ठीक करने की कोशिश करेंगे। बुधवार सुबह टीम के घर लौटने के तुरंत बाद बट और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों ने हवाई अड्डे पर इंतजार कर रही मीडिया से कहा कि वे पीएचएफ के मौजूदा प्रबंधन और टीम प्रबंधन के साथ आगे काम नहीं कर सकते। बट ने बताया कि खिलाड़ियों को किस तरह झूठ बोला गया और मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई।